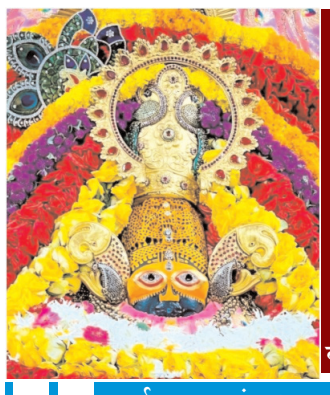

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:244। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (रविवार) 26 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

दिल्ली की सियासत में फिर निकला 'शीश महल' का जिन्न

आप का अटैक- केजरीवाल के घर की सारी तस्वीरें फर्जी

भाजपा ने इंटरनेट से डाउनलोड किए फेक फोटो

एजेंसी

पटना। आम आदमी पार्टी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। आप ने कहा कि भाजपा इंटरनेट से 'फर्जी' तस्वीरें डाउनलोड कर रही है। इन तस्वीरों को आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के आवास के रूप में दिखाया जा रहा है।

आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि ये तस्वीरें पूरी तरह से नकली हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा झूठ और घोटालों पर चल रही है। कक्कड़ ने बताया कि भाजपा शनिवार सुबह से ही गलत जानकारी फैला रही है। भाजपा इन तस्वीरों को केजरीवाल के आवास के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है। यह पूरी तरह से झूठ है और एक साजिश है।

संजय सिंह ने केजरीवाल के आवास की तस्वीरों को बताया फर्जी, मानहानि का केस करने की चेतावनी

आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा अरविंद केजरीवाल की जारी कथित तस्वीरों को 'फर्जी और बेबुनियाद' बताया। उन्होंने कहा कि जो तस्वीरें केजरीवाल के आवास से जुड़ी बताई जा रही हैं, जो फर्जी हैं। संजय सिंह ने पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि भाजपा द्वारा जारी की गई सभी तस्वीरें झूठी हैं और इनका मकसद केजरीवाल की छवि खराब करना है। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार या कोई भी टीवी चैनल यदि ऐसी तस्वीरें प्रसारित करता है तो आआपा उसके खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराएगी। सिंह ने मांग की कि उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्रियों के आवास भी जनता के लिए खोले जाएं, साथ ही केजरीवाल का घर भी जनता के लिए खोला जाए, ताकि लोग खुद जाकर सच्चाई देख सकें और फैसला कर सकें कि किसका आवास कितना भव्य है। सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा की झूठी खबरें फैलाने की पुरानी राजनीति चल रही है।

केजरीवाल के नए बंगले को लेकर भाजपा का तंज- पार्टी का नाम बदल कर रख देना चाहिए आलीशान आदमी पार्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के नए बंगले को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा प्रहार किया है। भाजपा ने कहा कि जिस प्रकार अरविंद केजरीवाल की जीवन शैली आलीशान है, उसे देखते हुए उनकी पार्टी का नाम बदल कर आलीशान आदमी पार्टी रख देना चाहिए। शनिवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में दिल्ली के मंत्री और नई दिल्ली से विधायक प्रवेश वर्मा ने कहा कि अन्ना आंदोलन का सहारा लेकर, महात्मा गांधी, शहीद भगत सिंह और बाबा साहेब अंबेडकर की फोटो का सहारा लेकर आम आदमी की टोपी पहनकर, 1 रुपये के स्टाम्प पेपर पर

एफिडेविट देने वाला कि वे सरकारी घर नहीं लेंगे , बंगला और गाड़ी नहीं लेंगे उन्होंने बच्चों की झूठी कसम खाई।' उन्होंने केजरीवाल के नए आवास की तस्वीरें जारी करते हुए कहा कि केजरीवाल ने पहले दिल्ली में शीशमहल बनाया, ये हम सब जानते हैं। वो शीशमहल उस समय बना, जब दिल्ली में कोविड की वेव थी। दिल्ली की जनता कोविड की दवाई मांग रही थी लेकिन उस समय भी एक भी दिन शीशमहल का काम नहीं रुका।' उन्होंने कहा कि दिल्ली की हार के बाद उनके पंजाब जाने से भगवंत मान की मुश्किलें बढ़ गई क्योंकि भगवंत मान के चारो तरफ जो सरकारी बड़े घर हैं, उनमें से एक पर केजरीवाल जी ने कब्जा कर लिया, दूसरे पर दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने, तीसरे पर राज्यसभा सांसद संजय सिंह और एक पर मनीष सिसोदिया ने कब्जा कर लिया।'

नीति आयोग देश की नीति-निर्माण व्यवस्था का एक अहम स्तंभ बनकर उभराः पीएम मोदी

•नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि नीति आयोग देश की नीति-निर्माण व्यवस्था का एक अहम स्तंभ बनकर उभरा है। यह सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने, सुधारों को आगे बढ़ाने और 'ईज ऑफ लिविंग यानी जीवन की सुगमता' को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष बनने की बधाई देते हुए और अन्य पूर्णकालिक सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि यह संस्था अलग-अलग क्षेत्रों में नवाचार और लंबे समय की रणनीति बनाने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में काम कर रही है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष बनने पर मेरी शुभकामनाएं। साथ ही राजीव गौबा, प्रो. के. वी. राजू, प्रो. गोबर्धन दास, प्रो. अभय करंदीकर और डॉ. एम. श्रीनिवास को भी पूर्णकालिक सदस्य बनने पर बधाई। '

उन्होंने सभी को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे प्रभावी और परिणाम देने वाला कार्यकाल पूरा करें। प्रधानमंत्री मोदी ने लाहिड़ी से मुलाकात भी की और उन्हें उपाध्यक्ष बनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि अर्थशास्त्र और

सार्वजनिक नीति में लाहिड़ी का अनुभव भारत में सुधारों को और मजबूत करेगा और 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि उनके प्रयास देश की नीति-निर्माण प्रक्रिया को और अधिक गतिशील बनाएंगे। अशोक कुमार लाहिड़ी, जो पश्चिम बंगाल विधानसभा में बालुरघाट का प्रतिनिधित्व करते हैं, अर्थशास्त्र के क्षेत्र में लंबा अनुभव रखते हैं।

वे भारत सरकार के 12वें मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, एशियाई विकास बैंक, बंधन बैंक और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी जैसे संस्थानों में काम कर चुके हैं।

इसके अलावा, उन्हें विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ काम करने का भी अनुभव है।

कोलकाता के प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र लाहिड़ी को उनके शैक्षणिक और नीति संबंधी योगदान के लिए काफी सम्मान दिया जाता है।

बंगाल चुनाव - उत्तर 24 परगना में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल की सबसे अधिक तैनाती

•ये केंद्रीय बल कोलकाता पुलिस और पश्चिम बंगाल पुलिस के कर्मियों के अतिरिक्त होंगे।

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण के लिए छह जिलों और राजधानी कोलकाता में फैले कुल 142 विधानसभा क्षेत्रों में 29 अप्रैल को व्यापक सुरक्षा घेरे में मतदान होगा। इस दौरान केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), भारतीय रिजर्व बटालियन (आईआरबी) और अन्य राज्यों की सशस्त्र पुलिस इकाइयों सहित केंद्रीय बलों की 2,348 कंपनियां तैनात की जाएंगी। केंद्रीय बलों की सबसे अधिक तैनाती उत्तर 24 परगना जिले में 507 कंपनियों के साथ होगी, इसके बाद दक्षिण 24 परगना में 409 कंपनियां तैनात होंगी। हुगली जिले में 344 कंपनियों के साथ तीसरी सबसे अधिक तैनाती होगी, इसके बाद नादिया में 285 कंपनियां

तैनात होंगी।

पूर्वी बर्दवान जिले और कोलकाता में मतदान के दिन केंद्रीय बलों की 273 कंपनियां तैनात की जाएंगी। केंद्रीय बलों की सबसे कम तैनाती कोलकाता से सटे हावड़ा जिले में होगी, जहां 257 कंपनियां तैनात होंगी।

बंगाल चुनावः रैली में राजनाथ बोले- परिवर्तन होना तय

एजेंसी

दक्षिण 24 परगना । केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को विश्वास जताया कि भाजपा पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान में दो-तिहाई से अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में परिवर्तन न केवल संभव है, बल्कि निश्चित है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले चरण में लगभग 93 फीसदी मतदान से स्पष्ट है कि तृणमूल कांग्रेस सरकार सत्ता से बाहर हो रही है। उन्होंने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर कहा कि भाजपा या एनडीए सरकार ही इसकी गारंटी दे सकती है।

भाजपा का विश्वास और टीएमसी पर हमला

राजनाथ सिंह ने कहा कि 2011 में 84 फीसदी मतदान पर वाम सरकार हटी थी, इस बार 93 फीसदी मतदान टीएमसी सरकार के जाने का संकेत है। उन्होंने ममता बनर्जी की टिप्पणियों को निराशाजनक बताया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भी ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर

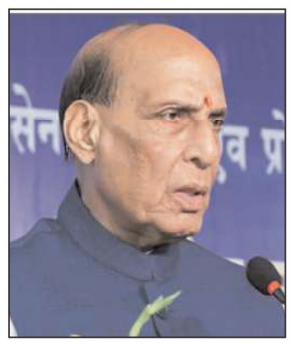

भ्रष्टाचार तथा तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाया। राज्य में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर पहले चरण का मतदान हुआ था, जिसकी मतगणना 4 मई को होगी।

राहुल ने कहा- मोदी सरकार ने सीएम ममता के खिलाफ नहीं किए केस

एजेंसी

हुगली। हुगली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने उन पर कई मामले दर्ज किए हैं, लेकिन ममता बनर्जी पर नहीं। उन्होंने दावा किया कि ऐसा इसलिए है क्योंकि ममता बनर्जी भाजपा से सीधे नहीं लड़ती हैं। गांधी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने उनसे 55 घंटे पूछताछ की, जबकि ममता बनर्जी से कोई पूछताछ नहीं हुई। राहुल गांधी ने दावा किया कि केवल कांग्रेस पार्टी ही भाजपा और आरएसएस की विचारधारा से वैचारिक आधार पर लड़ती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी केवल चुनाव के दौरान ममता बनर्जी पर हमला करते हैं। गांधी ने आरोप लगाया कि टीएमसी कांग्रेस

कार्यकर्ताओं पर वही अत्याचार करती है जो भाजपा देश के अन्य हिस्सों में करती है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी बंगाल में भाजपा के लिए रास्ता खोल रही हैं।

फील्डिंग के दौरान लुंगी एनगिडी को सिर में लगी गंभीर चोट

•एंबुलेंस से ले जाए गए अस्पताल

एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स के घातक गेंदबाज लुंगी एनगिडी फील्डिंग करते वक्त चोटिल हो गए। फिजियो ने मैदान पर पहुंचकर उनका हाल जाना, जिसके बाद मैदान पर एंबुलेंस बुलाई गई और उन्हें बाहर ले जाया गया। एनगिडी की चोट कितनी गंभीर है, इसकी जानकारी अब तक नहीं मिल सकी है। शुरुआत में वह डॉक्टर से कुछ बात कर रहे थे। मैदान पर पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग भी पहुंचे।

सिर में लगी गंभीर चोट- दिल्ली और पंजाब के बीच आईपीएल मुकाबले के दौरान दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी चोटिल को फील्डिंग के दौरान सिर में गंभीर चोट लग गई, जिसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मेडिकल टीम ने उनके गले में नेक ब्रेस लगाया और स्ट्रेचर मंगवाया। कुछ ही देर में एम्बुलेंस भी मैदान पर पहुंच गई और उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। राहत की बात यह रही कि इलाज के दौरान एनगिडी डॉक्टरों से बात करते नजर आए, जिससे उनकी स्थिति स्थिर होने का संकेत मिला। इस दौरान पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग भी मैदान पर पहुंचे।

केसीआर की बेटी के. कविता ने बनाई नई पार्टी 'तेलंगाना राष्ट्र सेना'

•सात महीने बाद कविता ने अपनी नई पार्टी के लिए वही नाम टीआरएस चुना है

एजेंसी

हैदराबाद। प्रचंड गर्मी के बीच तेलंगाना की राजनीति में शनिवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला, जब पूर्व विधान पार्षद (एमएलसी) कलवकुंतला कविता ने नई राजनीतिक पार्टी तेलंगाना राष्ट्र सेना (टीआरएस) के गठन की घोषणा कर दी। इस फैसले को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है।

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की पुत्री और पूर्व में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की प्रमुख नेता रहीं के. कविता का पार्टी नेतृत्व के साथ लंबे समय से मतभेद चल रहा था। आंतरिक विवादों के चलते उन्हें जून 2025 में पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने एमएलसी पद और बीआरएस की प्राथमिक सदस्यता दोनों से इस्तीफा दे दिया था।

बीआरएस से अलग होने के सात महीने बाद कविता ने अपनी नई पार्टी के लिए वही नाम टीआरएस चुना है, जिसके साथ उनके पिता ने कभी तेलंगाना राज्य आंदोलन की शुरुआत की थी। इस नाम के चयन को राजनीतिक रूप से बेहद प्रतीकात्मक माना जा रहा है।

के. कविता ने स्पष्ट किया कि

उनकी नई पार्टी का मुख्य फोकस तेलंगाना के क्षेत्रीय मुद्दे, सामाजिक न्याय और पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की मांग होगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की मूल भावना और जनता की अपेक्षाओं को फिर से केंद्र में लाना उनकी प्राथमिकता है।

महा-खुलासाः हार्दिक हुड़िया के 'ब्लैकमेलिंग साम्राज्य' पर महानगर मेट्रो का सर्जिकल स्ट्राइक !

सावधान वसूली गिरोह! अब न तुम्हारी 'गीदड़ भभकी' चलेगी, न तुम्हारी 'दलाली'—महानगर मेट्रो बेनकाब करेगा 'तोड़बाज़ों' का हर काला चेहरा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। कलम की ताकत से अपराधियों को डर लगता है, लेकिन जब अपराधी खुद पत्रकारिता का चोला ओढ़कर 'उगाही' पर उतर आए, तो समाज का जागना अनिवार्य है। महानगर मेट्रो न्यूज़ स्पष्ट घोषणा करता है कि वह हार्दिक हुड़िया और उसके गिरोह की फर्जी कानूनी धमकियों से न डरा है, न कभी झुकेगा। सच की आवाज़ को दबाने की कोशिश करने वालों, याद रखो—तुम्हारी धमकियां हमारे संकल्प को और फौलादी बनाती हैं। अब वक्त आ गया है कि सूरत के हीरा बाजारों से लेकर मुंबई के दफ्तरों तक फैले तुम्हारे 'वसूली तंत्र' की जड़ें खोद दी जाएं।

जिनालयों पर हमलाः आस्था पर प्रहार का करारा जवाब

जैन मुनियों को प्रताड़ित करना और

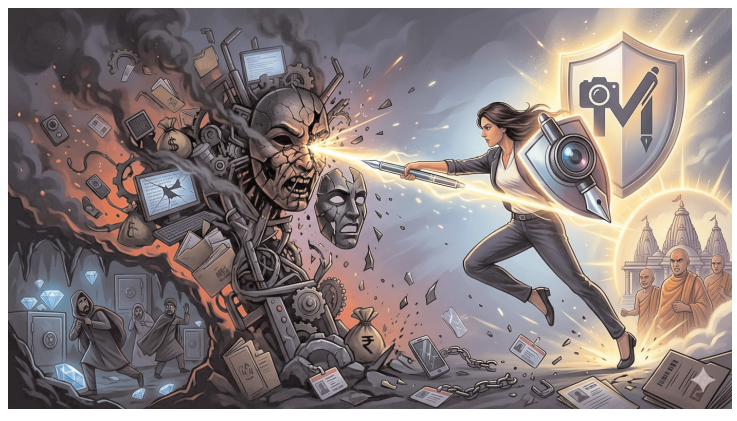

पवित्र जिनालयों के खिलाफ साजिश रचना इस गिरोह की सबसे बड़ी भूल साबित होगी। अभा हिन्दू जैन साधू संत रक्षा समिति के संयोजक अभय चोपड़ा ने गरजते हुए कहा है कि जैन समाज की खामोशी को उसकी कमजोरी समझने की खता न करें। भाजपा शासित प्रदेश में कानून का डंडा जब चलेगा, तो साजिशकर्ताओं को सिर छिपाने के लिए जमीन कम पड़ जाएगी।

सूरत के हीरा व्यापारियों से 'अवैध वसूली' का कच्चा चिट्ठा

महानगर मेट्रो के पास पुख्ता सबूत और सूत्रों की लंबी फेहरिस्त है, जो गवाही दे रही है कि किस तरह इस 'तोड़बाज़ गिरोह' ने हीरा व्यापारियों को बदनामी का डर दिखाकर करोड़ों रुपये ऐंठे हैं।

* कैसे होता था 'तोड़'? पहले फर्जी खबरें बनाने की धमकी, फिर 'सेटिंग' के नाम पर लाखों की मांग।

* कौन हैं शिकार? सूरत के वे नामचीन व्यापारी जो इस गिरोह के डर से अब तक चुप थे, अब महानगर मेट्रो की ढाल के पीछे खड़े हैं।

* जल्द होगा नामजद खुलासाः एक-एक व्यापारी से वसूली गई रकम और इस गिरोह के व्हाट्सएप चैट का भंडाफोड़ जल्द किया जाएगा।

हमारा संकल्पः न रुकेंगे, न बिकेंगे!

हार्दिक हुड़िया जैसे लोग जो समझते हैं कि वे न्यायपालिका और कानून को ढाल बनाकर अपने पाप छिपा लेंगे, वे कान खोलकर सुन लें—महानगर मेट्रो बिकाऊ नहीं है। हम संविधान की मर्यादा में रहकर तुम्हारे हर काले कारनामे को चौराहे पर नीलाम करेंगे। तुम्हारी धमकियाँ इस बात का प्रमाणपत्र हैं कि हम सही रास्ते पर हैं।

'वसूली की दुकान अब बंद होने वाली है। कलम की स्याही जब इन 'सफेदपोश लुटेरों' पर गिरेगी, तो इनका असली चेहरा देखकर समाज थू-थू करेगा। महानगर मेट्रो की पत्रकारिता इन गीदड़ों के शोर से नहीं रुकती। '

खुली चेतावनी!

यह सिर्फ एक खबर नहीं, एक शंखनाद है। सूरत और मुंबई के व्यापारियों को चंगुल में फंसाने वाले इस गिरोह का अंत अब निकट है। अगर आप भी इनके शिकार हैं, तो सामने आएं। महानगर मेट्रो आपकी लड़ाई लड़ेगा।

पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान में अमित शाह ने कहा- चार मई को खिलाएंगे जीत की मिठाई

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पूर्व बर्धमान जिले के जमालपुर में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोला और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का दावा किया। अमित शाह ने कहा कि पहले चरण के मतदान में भाजपा को 110 से अधिक सीटों पर बढ़त मिलेगी और आगामी चार मई को जीत के बाद बर्धमान का प्रसिद्ध सीताभोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खिलाकर जीत का जश्न मनाया जाएगा। उन्होंने जमालपुर सीट पर भाजपा प्रत्याशी को जिताने की अपील भी की। सभा में केंद्रीय गृह मंत्री ने कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में महिलाओं के खिलाफ सबसे अधिक अत्याचार हुए हैं। उन्होंने आरजी कर और संदेशखाली जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश के 20 राज्यों में भाजपा की सरकार है और कहीं भी महिलाओं को शाम सात बजे के बाद घर से बाहर न निकलने जैसी स्थिति नहीं है। उन्होंने दावा किया कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनी तो महिलाएं आधी रात को भी सुरक्षित बाहर निकल सकेंगी। अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस पर चुनाव के दौरान हिंसा और डराने-धमकाने की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को डराया नहीं जा सकता तथा कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में परिवर्तन की लहर चल रही है और जनता इस बार सत्ता बदलने का मन बना चुकी है।

लोकतंत्र के उत्सव पर 'दागियों' का साया! मचा सियासी घमासान

स्थानीय निकाय चुनाव से ठीक पहले नियम बदला: अब अपराधी भी संभालेंगे पोलिंग बूथ और मतगणना की जिम्मेदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में स्थानीय निकाय (स्थानीय स्वराज्य) चुनावों की सरगर्मियां अपने चरम पर हैं। मतदान में अब महज कुछ ही घंटों का समय शेष है, लेकिन इसी बीच राज्य चुनाव आयोग के एक आदेश ने पूरे प्रदेश में विवादों का बवंडर खड़ा कर दिया है। आयोग ने एक चौंकाने वाला निर्णय लेते हुए उस नियम को रद्द कर दिया है, जो अपराधियों को चुनावी एजेंट बनने से रोकता था।

क्या है पूरा विवाद ?

अब तक के चुनावी नियमों के अनुसार, कोई भी राजनीतिक दल किसी ऐसे व्यक्ति को अपना इलेक्शन एजेंट, पोलिंग एजेंट या काउंटिंग एजेंट नहीं बना सकता था, जिसका आपराधिक रिकॉर्ड हो। चुनाव आयोग

की इस महत्वपूर्ण धारा का उद्देश्य मतदान और मतगणना के दौरान पारदर्शिता और शांति बनाए रखना था। लेकिन, अंतिम समय में आयोग ने इस अनिवार्य प्रावधान को हटा दिया है। अब राजनीतिक दलों को खुली छूट मिल गई है कि वे किसी भी 'गुनेगार' व्यक्ति को अपना प्रतिनिधि बनाकर बूथ के भीतर बिठा सकते हैं।

–खास बातें...!

आयोग का यू-टर्न: कल तक जो अपराधी बूथ से बाहर थे, आज वे आधिकारिक 'एजेंट' बनकर अंदर बैठेंगे।

संवैधानिक मर्यादा: क्या चुनाव आयोग अपनी निष्पक्षता खो रहा है?

सियासी पारा हाई: सभी प्रमुख दलों के बीच अब 'बाहुबलियों' को ढाल बनाने की होड़ मचने की आशंका।

लोकतंत्र के लिए 'कलंक' क्यों ?

राजनीतिक विश्लेषकों और नागरिक समाज ने इस फैसले को 'लोकतंत्र पर प्रहार' करार दिया है। इसके पीछे निम्नलिखित गंभीर चिंताएं जताई जा रही हैं:

* **मतदाताओं में भय:** पोलिंग बूथ के अंदर आपराधिक छवि वाले लोगों की मौजूदगी से आम मतदाता डरा हुआ महसूस कर सकता है, जिससे निष्पक्ष मतदान प्रभावित होगा।
* **अधिकारियों पर दबाव:** बूथ पर तैनात सरकारी कर्मचारी और चुनाव अधिकारी बाहुबलियों के दबाव में काम करने को मजबूर हो सकते हैं।
* **हिंसा की आशंका:** मतगणना केंद्रों पर धौंस जमाने के लिए अपराधी तत्वों का उपयोग होने की संभावना बढ़ गई है।

जनता पूछ रही है सवाल?

विपक्ष और जागरूक नागरिकों का कहना है कि जहां एक ओर राजनीति को अपराध मुक्त करने की बातें की जा रही हैं, वहीं चुनाव आयोग का यह कदम अपराधियों को 'रेड कार्पेट' देने जैसा है। आखिर किसके दबाव में और क्यों चुनाव से ऐन पहले इस पवित्र नियम को बलि चढ़ाया गया?

भाजपा के 'अजेय दुर्ग' में सेंध ? इन इलाकों में दांव पर प्रतिष्ठा, कट सकते हैं कई समीकरण!

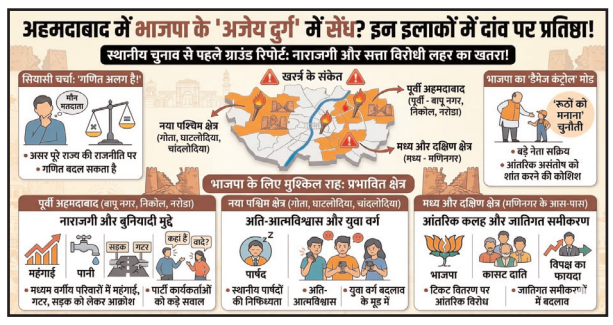

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्थानीय निकाय चुनावों के शंखनाद के साथ ही अहमदाबाद की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। जहाँ एक ओर भाजपा 'क्लीन स्वीप' का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर शहर के कई प्रमुख इलाकों से आ रही 'विरोध की लहर' ने पार्टी आलाकमान की नींद उड़ा दी है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इस बार अहमदाबाद के कुछ किलों में भाजपा की सीटें 100' कट सकती हैं।

किन इलाकों में है 'खतरे की घंटी'?

ग्राउंड जीरो से मिल रही जानकारी के अनुसार, शहर के पूर्वी और पश्चिमी दोनों हिस्सों के कुछ वार्डों में स्थानीय उम्मीदवारों और विकास कार्यों को लेकर भारी नाराजगी है:

* **पूर्वी अहमदाबाद (बापू नगर, निकोल, नरोडा):** यहाँ मध्यम वर्गीय परिवारों में महंगाई और स्थानीय बुनियादी सुविधाओं (सड़क, पानी, गटर) को लेकर आक्रोश है। कई जगहों पर भाजपा के कार्यकर्ताओं को ही स्थानीय लोगों के कड़े सवालों का सामना करना पड़ रहा है।
* **नया पश्चिम क्षेत्र (गोता, घाटलोदिया, चांदलोदिया):** भले ही यह भाजपा का गढ़ माना जाता है, लेकिन 'अति-आत्मविश्वास' और स्थानीय पार्षदों की निष्क्रियता के कारण यहाँ का युवा वर्ग और सोसायटी के लोग बदलाव के मूड में दिख रहे हैं।
* **मध्य और दक्षिण क्षेत्र (मणिनगर, दानीलीमडा के आस-पास):** यहाँ कुछ सीटों पर जातिगत समीकरण और टिकट वितरण को लेकर आंतरिक कलह चरम पर है, जिसका सीधा फायदा विपक्ष को मिल सकता है।
* **क्या रणनीति बदलेगी भाजपा?**

सूत्रों की मानें तो विरोध को देखते हुए भाजपा अब 'डैमेज कंट्रोल' मोड में आ गई है। बड़े नेताओं को रूठे हुए कार्यकर्ताओं को मनाने की जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन सवाल यह है कि क्या चुनाव के आखिरी घंटों में यह नाराजगी दूर हो पाएगी?

सियासी चर्चा

'इस बार गणित अलग है! '

राजनीतिक पंडितों का मानना है कि इस बार मतदाता 'मौन' है। अगर अहमदाबाद की इन सीटों पर भाजपा का गणित बिगड़ा, तो इसका असर पूरे राज्य की राजनीति पर पड़ेगा।

आत्महत्या से पहले लिखी सुसाइड नोट में छलका दर्द; पुलिस बेड़े और परिवार में शोक की लहर

कांस्टेबल की पत्नी का दर्दनाक अंत; सुसाइड नोट में लिखा- 'मैं उनका दुख नहीं देख पा रही, पागल हो गई हूं '

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पुलिस महकमे से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। अहमदाबाद में तैनात एक पुलिस कांस्टेबल की पत्नी ने जीवन से हार मानकर मौत को गले लगा लिया। आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाने से पहले महिला ने एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसकी चंद पंक्तियों ने पढ़ने वालों की रूह कंपा दी है। महिला ने नोट में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम और उनकी पीड़ा न देख पाने की बेबसी व्यक्त की है।

'मैं पागल हो गई हूं... '

पुलिस को घटनास्थल से जो सुसाइड नोट बरामद हुआ है, वह महिला की मानसिक स्थिति और भावनात्मक संघर्ष को बयां करता है। नोट में

महिला ने भावुक होते हुए लिखा:

'मैं उनका (पति का) दुख अब और नहीं देख पा रही हूं। मुझे लगता है कि मैं पागल हो गई हूं। '

इन शब्दों से साफ झलकता है कि महिला पिछले कुछ समय से किसी गहरे मानसिक तनाव या पारिवारिक परिस्थितियों से जूझ रही थी। पति के प्रति सहानुभूति और खुद की लाचारी उसे इस घातक फैसले तक ले गई।

पुलिस जांच और कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

* क्या पति किसी गंभीर बीमारी या विभागीय तनाव में थे?
* क्या महिला को कोई मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या थी?
* क्या इस दुःख के पीछे कोई अन्य बाहरी कारण था?

पुलिस इन सभी पहलुओं पर परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों से पूछताछ कर रही है।

मानसिक स्वास्थ्य पर सवाल

यह घटना एक बार फिर इस ओर इशारा करती है कि हमारे समाज में और विशेषकर पुलिस जैसे तनावपूर्ण पेशे से जुड़े परिवारों में 'मानसिक स्वास्थ्य' पर ध्यान देना कितना अनिवार्य है। अक्सर बेबसी और अवसाद व्यक्ति को ऐसे मोड़ पर ले आते हैं जहाँ उसे मौत ही एकमात्र रास्ता नजर आती है।

समाज की एकता में शक्ति, पर चयनात्मक चुप्पी क्यों ? सूरत की दो घटनाओं ने खड़े किए गंभीर सवाल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। कहते हैं कि संगठित समाज में अपार शक्ति होती है और न्याय छीनने की कुव्वत होती है। हाल ही में सूरत के अलथाणा इलाके में हुई एक घटना ने इस ताकत का अहसास कराया, जहाँ एक युवती के साथ विधर्मी युवक द्वारा की गई छेड़खानी के विरोध में पूरा हिंदू समाज और विभिन्न संगठन एकजुट हो गए। समाज की इस सक्रियता के चलते प्रशासन को तुरंत हरकत में आना पड़ा। लेकिन, इसी सूरत की एक दूसरी तस्वीर ने 'सामाजिक मजबूती' की परिभाषा पर सवालिया निशान लगा दिया है।

दो घटनाएं, दो अलग व्यवहार

शहर में चर्चा का विषय यह है कि जहाँ 'विधर्मी' के मुद्दे पर समाज की एकजुटता देखते ही बनती है, वहीं अपनों के बीच हो रहे अन्याय पर चुप्पी क्यों साध ली जाती है?

* **घटना-1 (अलथाणा):** यहाँ युवती के सम्मान के लिए हजारों लोग सड़कों पर उतरे और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। यह एक जागृत समाज का प्रमाण था।
* **घटना-2 (प्रचार के दौरान):** आरोप है कि इसी क्षेत्र में भाजपा के चुनाव प्रचार के दौरान कुछ समर्थकों/प्रचारकों ने एक महिला को सरेआम धक्का मारा और बदसलूकी की। लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि इस घटना के समय न तो कोई संगठन आगे आया और न ही समाज ने वैसी एकजुटता दिखाई।

न्याय की लड़ाई में 'चयनात्मक' न बनें

इस विरोधाभास ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। सोशल मीडिया पर लोग सवाल पूछ रहे हैं कि क्या हमारा गुस्सा और हमारी एकजुटता केवल 'सामने वाले' के धर्म या पार्टी को देखकर तय होती है?

एक मजबूत समाज वही है जो हर उस महिला के साथ खड़ा हो जिसका अपमान हुआ है, चाहे अपमान करने वाला कोई विधर्मी हो या किसी शक्तिशाली सत्ताधारी दल का कार्यकर्ता।

समाज की मजबूती ही असली सुरक्षा

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस देश में न्याय केवल उसी को मिलता है जिसका समाज मजबूत और निष्पक्ष हो। अगर समाज केवल राजनीतिक हितों को देखकर प्रतिक्रिया देगा, तो वह अपनी असली ताकत खो देगा। यदि आज हम अपनों द्वारा की गई बदसलूकी पर चुप रहे, तो कल कोई भी सत्ता या संगठन आम नागरिक को कुचलने की हिम्मत करेगा।

सोशल मीडिया से 'आप' गायब! फेसबुक-इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड होने पर गुजरात की सियासत में घमासान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्थानीय स्वराज्य चुनाव की गहमागहमी के बीच गुजरात की राजनीति अब डिजिटल के मैदान से निकलकर विवादों के भंवर में फंस गई है। गुजरात आम आदमी पार्टी के आधिकारिक फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट अचानक सस्पेंड कर दिए गए हैं। चुनाव से ऐन पहले हुई इस कार्रवाई ने सोशल मीडिया पर एक नई जंग छेड़ दी है।

गढ़वी का बड़ा आरोप

इस पूरे मामले पर आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ईसुदान गढ़वी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' (पूर्व में

ट्विटर) पर मोर्चा खोल दिया है। गढ़वी ने एक वीडियो रीपोस्ट करते हुए सीधे सत्ताधारी दल पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाते हुए लिखा:

'आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? भाजपा इतनी डरी हुई क्यों है कि उसे हमारे सोशल मीडिया अकाउंट्स बंद करवाने पड़ रहे हैं? 'आप' नेताओं का आरोप है कि उनकी बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर सत्ता के दबाव में उनकी आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है।

भाजपा की सफाई: 'हमारा कोई हाथ नहीं'

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। भाजपा प्रवक्ताओं का कहना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के अपने नियम और गाइडलाइन्स होती हैं। अगर किसी अकाउंट ने नियमों का उल्लंघन किया है, तो प्लेटफॉर्म उस पर कार्रवाई करता है। इसमें भाजपा की कोई भूमिका नहीं है। भाजपा ने इसे 'आप' का विक्टिम कार्ड खेलने का पुराना तरीका बताया है।

सस्पेंशन के पीछे क्या हो सकती है वजह?

तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया अकाउंट्स सस्पेंड होने के कई कारण हो सकते हैं:

चुनावी माहौल में 'आप' के डिजिटल विंग का इस तरह ठप होना पार्टी के प्रचार अभियान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। विपक्षी खेमे में चर्चा है कि यह कार्रवाई अभिव्यक्ति की आजादी पर प्रहार है, जबकि सत्ता पक्ष इसे केवल एक तकनीकी प्रक्रिया बता रहा है।

जनता की राय

क्या वाकई चुनावों को प्रभावित करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल हथियार के तौर पर किया जा रहा है? महानगर मेट्रो इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

'नोट' पर भारी पड़ा 'वोट' का गौरव! मतदाताओं ने मुंह पर फेंके पैसे, मंदिर और कैश के नाम पर वोट मांग रहे नेताजी को खदेड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद।कहते हैं लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन होती है, और इस बार गुजरात के स्थानीय चुनाव में मतदाताओं ने इसे सच कर दिखाया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो बिजली की तरह वायरल हो रहा है, जिसमें एक नेताजी को चुनाव जीतने के लिए 'नोटों का दांव' खेलते हुए देखा जा सकता है। लेकिन इस बार दांव उल्टा पड़ गया। जागरूक मतदाताओं ने न केवल उनके द्वारा दी गई नकदी को उनके मुंह पर वापस दे मारा, बल्कि उन्हें इलाके से दुम दबाकर भागने पर मजबूर कर दिया।

वीडियो में 'पाप' का कबूलनामा

वायरल वीडियो में संबंधित नेताजी को यह स्वीकार करते हुए सुना जा सकता है कि उन्होंने पिछले चुनावों में भी वोट हासिल करने के लिए भारी रकम बांटी थी। इतना ही नहीं, उन्होंने मतदाताओं को लुभाने के लिए मंदिर बनवाने के नाम पर भी पैसे देने का 'सौदा' करने की कोशिश की। नेताजी को लगा कि इस बार भी नोटों की चमक के आगे जनता अपना ईमान बेच देगी, लेकिन हकीकत कुछ और ही निकली।

जब जनता ने सिखाया सबक

जैसे ही नेताजी ने अपने क्षेत्र में नकदी बांटने की कोशिश की, स्थानीय लोग भड़क गए। आक्रोशित मतदाताओं ने साफ शब्दों में कहा कि 'हमारा वोट बिकाऊ नहीं है। '

* **रोकड़ वापसी:** लोगों ने दी गई नकदी हाथ में लेने के बजाय नेता के मुंह पर ही लौटा दी।
* **क्षेत्र से खदेड़ा:** 'चोर-चोर' और 'भ्रष्टाचारी वापस जाओ' के नारों के बीच नेताजी को वहां से भागना पड़ा।

भ्रष्ट राजनीति पर करारा प्रहार

यह घटना उन राजनेताओं के लिए एक चेतावनी है जो चुनाव को सेवा नहीं बल्कि 'सौदा' समझते हैं। मंदिर और धर्म की आड़ लेकर वोटों की फसल काटने का युग अब ढलान पर नजर आ रहा है। यह वीडियो साबित करता है कि जनता अब जुमलों और खैरात के बजाय विकास और ईमानदारी को प्राथमिकता दे रही है।

'थोक' में पाला बदल और लोकतंत्र की मर्यादा! जब रक्षक ही 'बिना पेंदे के लोटे' बन जाएं...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/दिल्ली। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 24 अप्रैल 2026 की तारीख एक और 'सियासी दलबदल' के लिए दर्ज हो गई है। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 में से 7 सांसदों ने एक साथ भाजपा का दामन थाम लिया। संविधान की 10वीं अनुसूची (दलबदल विरोधी कानून) के 2/3 बहुमत के प्रावधान का उपयोग कर इन सांसदों ने अपनी सदस्यता तो बचा ली, लेकिन जनता की नजरों में नैतिकता का क्या? इसे 'विभाजन' कहें या 'थोक खरीदारी', यह आज का सबसे बड़ा सवाल है।

इतिहास के काले पन्ने: गुजरात से गोवा तक

टारगेट पाला बदलने के मामले में गुजरात का इतिहास भी दागदार रहा है।

खजुराहो कांड (1995): शंकर सिंह वाघेला ने भाजपा सरकार के खिलाफ बगावत की और 47 विधायकों को लेकर खजुराहो चले गए थे। नतीजा? केशुभाई पटेल को कुर्सी गंवानी पड़ी।

मप्र-महाराष्ट्र: 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया (22 विधायक) और 2022 में एकनाथ शिंदे (40 विधायक) ने जिस तरह तख्तापलट किया, उसने साबित कर

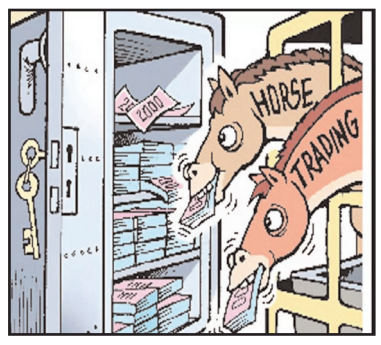

दिया कि विचारधारा से बड़ा 'अवसर' होता है।

क्यों खरीदे जा रहे हैं 'बिना पेंदे के लोटे'?

सवाल सीधा है–अगर कोई नेता विश्व स्तर पर सबसे लोकप्रिय है, अगर पार्टी के पास प्रचंड बहुमत है, तो फिर विपक्षी दलों के नेताओं को 'टेके के भाव' पर खरीदने की जरूरत क्यों पड़ती है? जानकारों का मानना है कि यह 'विपक्ष मुक्त भारत' बनाने की रणनीति का हिस्सा है। विधायकों या सांसदों की इस खरीद-फरोख्त में चेक नहीं, बल्कि 'ब्लैक मनी' और 'केंद्रीय एजेंसियों' का डर एक प्रमुख भूमिका निभाता है।

गिरगिट भी शरमा जाए: राजनीति में बेशर्मी की कोई सीमा नहीं होती। 'बिना पेंदे के लोटे' की खासियत यह है कि वे 'ऑल वेदर प्रूफ' होते हैं।

- जो नेता कल तक मोदी जी को 'हिटलर' या 'भ्रष्टाचारी' कहते थे, पाला बदलते ही उन्हें 'यशस्वी प्रधानमंत्री' और 'मसीहा' नजर आने लगते हैं।

- जिस भाजपा को राघव ने कभी 'गुंडों की पार्टी' कहा था, आज वही उनके साथियों को 'देवदूतों की टोली' लगने लगी है।

कानूनी पेचः दलबदल या विलय?

1985 में लाया गया 'एंटी-डिफेक्शन लॉ' व्यक्तिगत स्वार्थ को रोकने के लिए था। लेकिन राजनीतिज्ञों ने इसका तोड़ निकाल लिया–'थोक दलबदल'। अगर 2/3 सदस्य साथ जाते हैं, तो उसे वैधानिक 'विलय' मान लिया जाता है। संविधान ने यह प्रावधान इसलिए रखा था ताकि हाईकमान निरंकुश न बने, लेकिन आज सत्तापक्ष इसका इस्तेमाल विपक्ष को खत्म करने के लिए कर रहा है।

आया राम - गया राम

1967 में हरियाणा के 'गया लाल' ने 15 दिन में 3 बार पार्टी बदली थी। आज के आधुनिक 'गया लाल' बस इतना ध्यान रखते हैं कि वे अकेले न जाएं, बल्कि पूरे 'कुनबे' को साथ ले जाएं ताकि कानून का डंडा न चले।

सत्ता का परिवर्तन या भविष्य का नुकसान ? कांग्रेस बनाम भाजपा: सोशल मीडिया पर छिड़ी 'फैक्ट चेक' की जंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। कहते हैं कि बेजुबान जानवर भी शाम ढलते ही अपने घर की राह पकड़ लेते हैं, लेकिन इंसान कभी-कभी अपनी दिशा चुनने में चूक कर जाता है। हाल ही में सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में एक बहस ने जोर पकड़ा है कि क्या कांग्रेस ने सत्ता खोई है या देश की जनता ने एक 'दूरदर्शी' नेतृत्व खो दिया है? महानगर मेट्रो आज उन 10 विवादास्पद और चर्चा में रहे बिंदुओं का विश्लेषण कर रहा है, जो वर्तमान राजनीति की नींव को झकझोर रहे हैं।

1. शिक्षा और दूरदर्शिता की राजनीति

विमर्श यह है कि देश 'जुमलों' से नहीं, बल्कि शिक्षित नेतृत्व से चलता है। इतिहास गवाह है कि कांग्रेस के प्रधानमंत्री अपनी बौद्धिक क्षमता और दूरदर्शिता के लिए जाने जाते थे। क्या आज की 'धर्म आधारित' राजनीति विकास के असली मुद्दों को दबा रही है?

2. विदेशी नीतिः दबाव या दबदबा?

1971 के युद्ध का वह दौर याद किया जा रहा है जब तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की धमकी के आगे झुकने से इनकार कर दिया था। उनका वह स्पष्ट संदेश– 'अमेरिका हमारा दोस्त हो सकता है, बॉस नहीं '–आज भी भारतीय स्वाभिमान की मिसाल है।

3. कच्चे तेल की चुनौती

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के दौर का जिक्र करते हुए यह तर्क दिया जा रहा है कि तब कच्चे तेल की कीमतें 142 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँचने के बावजूद आम जनता पर पेट्रोल-डीज़ल का बोझ नहीं डाला गया था। आज की तुलना में वह प्रबंधन 'जन-हितैषी' नजर आता है।

4. आर्थिक प्रबंधन और सोने की राजनीति

साल 2013 में जब रुपया गिरा, तब रघुराम राजन और मनमोहन सिंह की जोड़ी ने FCNR स्कीम के जरिए 34 बिलियन जुटाकर अर्थव्यवस्था को संभाला था। वहीं, हालिया चर्चाओं में 38 टन सोना बेचने के बावजूद सुधार न होने पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

5. धर्म बनाम विज्ञान का विकास

कांग्रेस की नीति हमेशा शिक्षा और विज्ञान के जरिए विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की रही है। क्या हम आज वैज्ञानिक दृष्टिकोण को पीछे छोड़कर केवल भावनाओं की राजनीति में उलझ गए हैं?

6. भ्रष्टाचार के आरोपः सच या षड़यंत्र?

साल 2012-13 में अन्ना हजारे आंदोलन और '2G-कोयला' जैसे जिन आरोपों के आधार पर कांग्रेस की सत्ता गई, उनमें से कई अदालत में साबित नहीं हो पाए। क्या वे आरोप केवल सत्ता हथियाने का एक सुनियोजित 'शतरंज का खेल' थे?

7. चुनावी चंदा और उद्योगपतियों का प्रभाव

भाजपा के 10,000 करोड़ से अधिक के चुनावी चंदे पर भी सवाल उठ रहे हैं। क्या उद्योगपतियों द्वारा दिया गया यह भारी भरकम चंदा अंततः जनता की जेब से ही वसूला जा रहा है?

इतिहास का न्याय

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के वे शब्द आज सोशल मीडिया पर बार-बार दोहराए जा रहे हैं– 'इतिहास मेरे प्रति अधिक दयालु रहेगा।' क्या वाकई जनता अब महंगाई और बेरोजगारी की 'भट्ठी' में जलते हुए पुराने दौर को याद करने लगी है? 'महानगर मेट्रो' के इस विशेष लेख का उद्देश्य किसी पक्ष का समर्थन करना नहीं, बल्कि जनता के बीच चल रहे इन सवालों को मंच देना है। समझदार के लिए इशारा ही काफी है।

खनिजों का अवैध परिवहन कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में नायब तहसीलदार लाल बहादुर नगर राजेश नेताम द्वारा पाटेकोहरा चेकपोस्ट बैरियर के समीप चारामा (कांकेर) से रेत परिवहन कर रहे हाईवा क्रमांक सीजी 08 बीडी 5999 की जांच की गई। जांच के दौरान ग्राम बैरागीभेड़ी तहसील छुरिया निवासी वाहन चालक हेमचंद से खनिज परिवहन हेतु आवश्यक पीट पास एवं अन्य वैध दस्तावेजों की मांग की गई। वाहन चालक द्वारा वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर रेत सहित वाहन को जप्त कर थाना चिचोला को सुपुर्द किया गया।

'रिश्वत के पैसे चूहे खा गए...'! सुप्रीम कोर्ट ने दोषी महिला अधिकारी को दी बड़ी राहत, सजा पर लगाई रोक

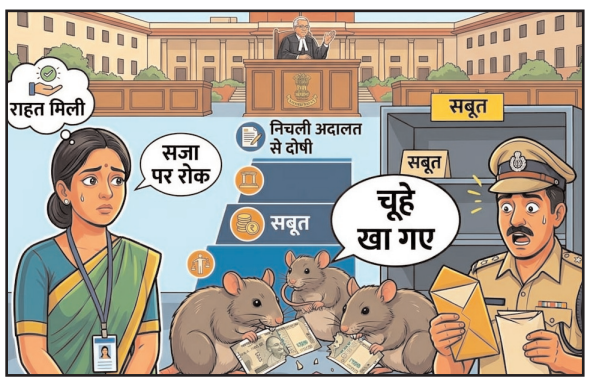

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। भ्रष्टाचार के मामलों में अक्सर गवाह मुकर जाते हैं या सबूत मिटा दिए जाते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि रिश्वत के सबूतों को 'चूहे' चट कर गए? एक ऐसे ही अजीबोगरीब और चर्चित मामले में देश की सर्वोच्च अदालत (सुप्रीम कोर्ट) ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने रिश्वत लेने के मामले में दोषी पाई गई एक महिला अधिकारी को जमानत दे दी है और उनकी सजा पर फिलहाल रोक लगा दी है।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला एक महिला सरकारी अधिकारी से जुड़ा है, जिसे भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ने का दावा किया था। निचली अदालत और बाद में हाई कोर्ट ने अधिकारी को दोषी मानते हुए सजा सुनाई थी। लेकिन जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, तो दलीलों और तथ्यों के बीच एक हैरान करने वाला तर्क सामने आया।

चूहे और गायब हुए सबूत!

मामले की सुनवाई के दौरान यह तथ्य चर्चा का केंद्र रहा कि जो नकदी (रिश्वत की रकम) सबूत के तौर पर पुलिस मालखाने में रखी गई थी, उसे लेकर यह दावा किया गया कि 'चूहे' उन नोटों को खा गए या नष्ट कर दिया। सिस्टम पर सवालिया निशान?

यह फैसला न केवल कानूनी हलकों में चर्चा का विषय है, बल्कि यह मालखानों की सुरक्षा और जांच एजेंसियों की लापरवाही पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। अगर रिश्वत की रकम 'चूहे' खा सकते हैं, तो फिर भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई कैसे जीती जाएगी?

घर के लड़के घंटी चाटें और बाहरी को थाली: टैक्स के बोझ तले दबी हिंदू जनता पूछ रही है– 'हमारे योगदान का सिला क्या?'

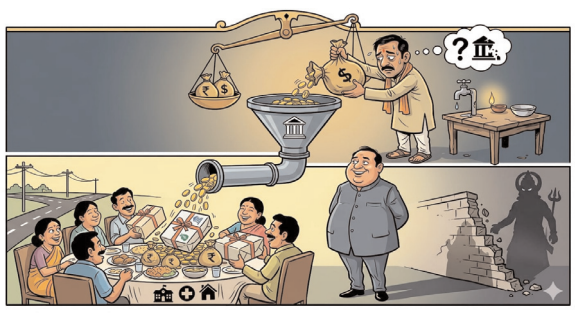

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/नई दिल्ली। राजनीति के गलियारों से एक ऐसी कहावत चरितार्थ हो रही है जो आज के दौर में बिल्कुल सटीक बैठती है– 'घर के लड़के घंटी चाटें और उपाध्याय को आटा।' देश की बहुसंख्यक हिंदू आबादी, जो देश के राजस्व में 73' से अधिक का योगदान देती है, आज खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या सत्ताधारी दल केवल वोटों के ध्रुवीकरण के लिए जनता को आपस में लड़ा रहा है, जबकि पर्दे के पीछे की सच्चाई कुछ और ही है?

दोहरी राजनीति का शिकार होती जनता

जनता के बीच यह चर्चा आम है कि एक तरफ तो हिंदू-मुस्लिम के बीच नफरत की खाई गहरी की जा रही है, और दूसरी तरफ 'वोट बैंक' को साधने के लिए 3400 करोड़ रुपये जैसे भारी-भरकम पैकेज बांटे जा रहे हैं। जनता का आरोप है कि सरकार 'चोर को कहे चोरी कर और पुलिस को कहे पकड़ो' वाली नीति पर चल रही है। आम नागरिक पूछ रहा है कि अगर समाज में केवल संघर्ष ही बचा है, तो विकास के वादे और करोड़ों के इन पैकेजों का असली लाभार्थी कौन है?

टैक्सपेयर्स की सूखी थाली

आंकड़े गवाह हैं कि देश का मध्यमवर्गीय हिंदू परिवार अपनी गाढ़ी कमाई का बड़ा हिस्सा टैक्स के रूप में सरकार को देता है। लेकिन बदले में उसे क्या मिल रहा है? महँगाई, बेरोजगारी और बुनियादी सुविधाओं का अभाव। वहीं दूसरी ओर, तुष्टिकरण की राजनीति के तहत विशेष पैकेजों की घोषणाएं उन लोगों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसी हैं, जो दिन-रात देश की अर्थव्यवस्था को अपने पसीने से सींच रहे हैं।

अनुभव से सीखने की ज़रूरत: अब और कितनी ठोकरें?

कहा जाता है कि समझदार वह है जो दूसरों के अनुभव से सीखे, और सामान्य वह जो ठोकर खाकर सीखे। लेकिन उस इंसान को क्या कहेंगे जो बार-बार एक ही में गिरता है और फिर भी संभलने को तैयार नहीं?

- **अंधभक्ति का परिणाम:** जनता को अब यह समझना होगा कि भावनाओं में बहकर लिए गए फैसले आने वाली पीढ़ियों का भविष्य अंधकार में डाल सकते हैं।
- **सावधानी हटी, दुर्घटना घटी:** अगर अब भी जनता जागरूक नहीं हुई, तो वह दिन दूर नहीं जब 'जम (यमराज) घर देख लेगा' वाली स्थिति पैदा हो जाएगी।

कलेक्टर ने ग्राम घुपसाल पहुंचकर किसानों द्वारा किए जा रहे नवाचार का किया अवलोकन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. छुरिया विकासखंड के ग्राम घुपसाल में किसानों द्वारा जल संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए रबी सीजन में धान जैसी अधिक पानी की आवश्यकता वाली फसल के स्थान पर कम पानी में तैयार होने वाली फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। यह परिवर्तन क्षेत्र में जल संकट को ध्यान में रखते हुए किसानों की जागरूकता और सकारात्मक सोच के साथ सामूहिक निर्णय लेकर किया गया। जिससे ग्राम का भू-जल स्तर बढ़ा है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज छुरिया विकासखंड के ग्राम घुपसाल पहुंचकर किसानों द्वारा किए जा रहे इस नवाचार का अवलोकन किया। उन्होंने खेतों में जाकर फसलों की स्थिति देखी तथा किसानों से चर्चा कर उनकी खेती की पद्धतियों एवं अनुभवों की जानकारी ली। कलेक्टर ने किसानों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों को अपनाना वर्तमान समय की आवश्यकता है। इससे न केवल जल संरक्षण संभव होगा, बल्कि खेती की लागत में कमी आने के साथ किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। उन्होंने अन्य किसानों को भी इस मॉडल को अपनाने के लिए प्रेरित करने कहा। ग्रामीणों ने बताया कि इस बदलाव से पानी की बचत हो रही है और फसल उत्पादन भी बेहतर हो रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि पूर्व में गर्मी के मौसम में भू-जल स्तर नीचे चले जाने से सूखे जैसी स्थिति बन जाती थी। मार्च माह के बाद गांव के तालाब, हैंडपंप एवं नालों में पानी नहीं रहता था, जिससे पेयजल एवं निस्तारी की गंभीर समस्या उत्पन्न होती थी। नरेश शुक्ला, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

ग्राम घुपसाल बना एक मिसाल, पिछले 4 साल से तालाब सूखा था इस वर्ष पानी ठहरा हुआ और मवेशियों एवं ग्रामीणों के लिए पानी की सुविधा बनी हुई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. छुरिया विकासखंड का ग्राम घुपसाल जनभागीदारी, जल संरक्षण एवं फसल चक्र परिवर्तन के सफल क्रियान्वयन से एक आदर्श मॉडल के रूप में उभरकर सामने आया है। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने ग्राम के दौरे के दौरान किसानों एवं स्वच्छता दीदियों को सम्मानित करते हुए ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास, एकजुटता एवं जनशक्ति की सराहना की। उन्होंने कहा कि कम पानी वाली फसलों को अपनाने और जल संरक्षण के उपायों के कारण ग्राम में भू-जल स्तर में सुधार हुआ है तथा जल उपलब्धता सुनिश्चित हुई है, जो अन्य गांवों के लिए प्रेरणास्रोत है। कलेक्टर ने कहा कि ग्राम घुपसाल ने जिस प्रकार अधिक पानी वाली फसल धान के स्थान पर कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को अपनाया है, वह एक अनुकरणीय पहल है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय न केवल जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि भविष्य में कृषि को टिकाऊ बनाने की दिशा में भी सार्थक कदम है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जहां धान की फसल में अधिक पानी की आवश्यकता होती है, वहीं मक्का एवं अन्य दलहन-तिलहन फसलों में अपेक्षाकृत बहुत कम पानी लगता है। कलेक्टर ने ग्राम की एकजुटता की सराहना करते हुए कहा कि जहां एक परिवार में भी निर्णय लेना कठिन होता है, वहां पूरे गांव द्वारा एकमत होकर फसल परिवर्तन करना ग्राम की जागरूकता और सामाजिक एकता को दर्शाया है। उन्होंने बताया कि ग्राम घुपसाल का यह मॉडल राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बन गई है और इसकी सराहना की जा रही है।

कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर ने ग्रामीणों द्वारा नाला एवं तालाब में पचरी निर्माण की मांग पर शीघ्र प्रस्ताव प्रस्तुत करने कहा। उन्होंने यह भी कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि दीर्घकालीन लाभ सुनिश्चित हो सके। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना से सोलन पैनल लगाने पर केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे भविष्य में बिजली बिल में कमी आएगी और आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों को संस्कारयुक्त शिक्षा देना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से दूर रखने एवं पढ़ाई तथा खेलकूद की ओर प्रेरित करने कहा। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन ग्रामीणों के साथ है और किसी भी समस्या के समाधान के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से ही गांवों का समग्र विकास संभव है। ग्राम घुपसाल का यह प्रयास अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण वैष्णव ने कहा कि ग्राम के किसानों एवं महिला स्व-सहायता समूहों ने मिलकर जो कार्य किया है, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि पहले जहां अधिक पानी वाली धान फसल के कारण गर्मी में जल संकट उत्पन्न होता था, वहीं अब मक्का एवं अन्य कम पानी वाली फसलों के कारण गांव में पर्याप्त जल उपलब्ध है। यह परिवर्तन ग्रामीणों की मेहनत और जागरूकता का परिणाम है। ग्राम घुपसाल का यह प्रयास न केवल जिले, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक मॉडल के रूप में उभर रहा है। उन्होंने सभी ग्रामीणों को इस कार्य के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार मिल-जुलकर कार्य करने की अपील की।पद्मश्री श्रीमती फूल बासन यादव ने सराहना करते हुए कहा कि ग्राम घुपसाल में जल संरक्षण एवं फसल चक्र परिवर्तन अभियान की ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास प्रेरणादायक है।

जो खुद गांव में दारू बेचवा चुका है वह गाली बकने वालों को सजा दिला रहा है जी रोड में होते हुए भी अंधा कानून

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनंदगांव . कहते हैं जिनके घर शीशे के होते हैं और उन्हें दूसरों पर पत्थर नहीं मारने चाहिए और कहा यह भी जाता है कि जो खुद चोर रहता है वह दूसरे के ऊपर चोरी का आरोप नहीं लग सकता या दोनों ही कहावत राजनांदगांव से महज 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तुमडीबोड चौकी के अंतर्गत आने वाले गांव जी ई रोड गांव कोपेडीह का है जहां पर गांव के कुछ दलाल टाइप लोगों ने एक व्यक्ति से अतिक्रमण के नाम पर अवैध उगाही की डिमांड की जब डिमांड पूरी नहीं हुई तब उसका सामाजिक बहिष्कार कर दिया गया इतना ही नहीं जब मीडिया वालों ने उनसे सवाल पूछने चाहे तब अपने आप को राजा हरिश्चंद्र का औलाद बताने लगे और कहां गया कि उन्होंने उस व्यक्ति का सामाजिक बहिष्कार नहीं किया है उदाहरण दे रहे थे उनका सामाजिक बहिष्कार नहीं किया गया वह मीटिंग में नहीं आता अरे भाई जब उसने कोई गलती नहीं किया तो मीटिंग में क्यों आए उनकी जगह है थोड़ा सा उसने कब्जा कर लिया उसमें कौन से बड़ी बात है लेकिन मजेदार बात यह है जिसे जिस सामाजिकता की दुहाई दे रहे वह लोग जिसमें तीन लोगों का जबरदस्त उदाहरण सामने आया है पहले नेता टाइप गांव में बैठक का संचालन करता है वह भी अतिक्रमणकारी है जो खुद गांव में 2 साल तक लगातार अपने पुत्र से दारू बेचवा चुका है और दुसरा एक तो चोरी ऊपर से सीना जोरी वाला सियान है जिसका बाप जी रोड में 10 साल तक पान ठेले का संचालन करता रहा उसका पुत्र अभी उसी जगह पर अवैध अतिक्रमण कर चॉइस सेंटर के नाम की दुकान खोला हुआ है और तीसरा वह जिनके कैरेक्टर ऊपर दाग लग चुका है दरअसल इन स्वयंभू गांव के प्रमुख बनने वाले लोगों के ऊपर अब बड़ी कार्रवाई होने के संकेत मिले हैं असल में सामाजिक बहिष्कार का शिकार हुए शख्स ने कलेक्टर और एसपी को लिखित शिकायत दिया है सामाजिक बहिष्कृत विरोधी कानून छत्तीसगढ़ में लागू है जिसके तहत आप किसी को सामाजिक बहिष्कार नहीं कर सकते इसमें सामाजिक बहिष्कार करने वाले व्यक्ति को जेल की हवा की सजा खानी पड़ सकती है यही कारण है कि यह तथाकथित सियानी करने वाले लोग अब छटपटा रहे हैं

29 साल तक 'अंधा' बना रहा कानून, या सिस्टम ने पाल रखी थी सलीम वास्तिक के लिए पनाह ? 3 दशक बाद गिरफ्तारी ने खड़े किए संगीन सवाल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद/दिल्ली। कानून के हाथ लंबे होते हैं, यह कहावत सलीम वास्तिक की गिरफ्तारी के बाद मजाक लगती है। करीब 29 साल पुराने मामले में जब सलीम की गिरफ्तारी हुई, तो इंसाफ की जीत से ज्यादा सिस्टम की हार पर सवाल उठने लगे हैं। सवाल यह है कि जो शख्स तीन दशकों से खुलेआम घूम रहा था, सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहा था और रसूखदारों की महफिलों की शान बना हुआ था, वह पुलिस की फाइलों में 'फरार' कैसे रहा?

सोशल मीडिया पर 'स्टार', पुलिस के लिए 'गुमनाम'?

हैरानी की बात यह है कि सलीम वास्तिक लंबे समय से सोशल मीडिया पर सक्रिय था। उसकी तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे थे। जनता उसे देख रही थी, समर्थक उसे फॉलो कर रहे थे, लेकिन हाई-टेक होने का दावा करने वाली पुलिस को उस तक पहुँचने में 29 साल लग गए। क्या यह महज एक चूक है, या फिर जानबूझकर सलीम को 'सुरक्षित रास्ता' दिया गया था?

विधायक के साथ नज़दीकी और 'एनकाउंटर' का पेच

इस मामले में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया था जब लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर घायल सलीम से मिलने पहुँचे थे। विधायक ने सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि 'हमने ऊपर बात करके एनकाउंटर करवाया।' सवाल यह उठता है कि:

1.जब एक जनप्रतिनिधि और पुलिस प्रशासन एक अपराधी से रूबरू थे, तब उसकी पुरानी फाइलें क्यों नहीं खंगाली गईं?

2.जिस सलीम के साथ कई अहम लोगों का उठना-बैठना था, उसकी शिनाख्त करने में तीन दशक का समय कैसे लग गया?

3.क्या सलीम का 'रसूख' उसकी सबसे बड़ी ढाल बना हुआ था?

सत्ता के गलियारों में गहरी पैठ?

सलीम की गिरफ्तारी महज एक अपराधी का पकड़ा जाना नहीं है, बल्कि उन सफेदपोश चेहरों को बेनकाब करना भी है जो जाने-अनजाने ऐसे तत्वों को खाद-पानी देते रहे। जब अपराधी समाज की मुख्यधारा में घुल-मिल जाता है और सत्ताधारी दल के नेताओं के साथ उसकी तस्वीरें आती हैं, तो पुलिस का 'इंटेलिजेंस' फेल नजर आता है।

हुगली की लहरों पर छिड़ा सियासी संग्राम: ममता बनर्जी का पीएम मोदी पर बड़ा वार!

'हमारी गंगा साफ है इसलिए नाव चली, क्या दिल्ली की यमुना में बोटिंग का दम दिखाएंगे प्रधानमंत्री ?' - दीदी का सीधा चैलेंज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में हुगली नदी की लहरें अब चुनावी तपिश पैदा कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोलकाता दौरे के दौरान हुगली नदी में की गई बोटिंग पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तीखा तंज कसा है। दीदी ने सीधे तौर पर दिल्ली की बदहाल यमुना नदी का हवाला देते हुए पीएम मोदी की 'स्वच्छ भारत' मुहिम को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

दीदी का 'यमुना चैलेंज': दिल्ली की गंदगी पर घेरा

एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी सरकार की पीठ थपथपाई और केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा:

'प्रधानमंत्री जी हुगली की लहरों पर नाव की सवारी का आनंद ले सके, क्योंकि हमने बंगाल में गंगा को साफ रखा है। यह हमारी मेहनत का नतीजा है। लेकिन क्या प्रधानमंत्री में इतना साहस है कि वे दिल्ली जाकर यमुना नदी में भी इसी तरह बोटिंग कर सकें? वहां तो नदी की जगह सिर्फ गंदगी और सफेद झाग नजर आता है। '

ममता बनर्जी ने यमुना की दुर्दशा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दिल्ली की नाक के नीचे बहने वाली नदी आज नाले में तब्दील हो चुकी है, जबकि बंगाल ने अपनी नदियों की शुद्धता को बरकरार रखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार केवल प्रचार में विश्वास रखती है, जबकि असल काम बंगाल में हो रहा है।

हुगली में मोदी की बोटिंग: चर्चा का केंद्र

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी बंगाल यात्रा के दौरान हुगली नदी में बोटिंग की थी, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। भाजपा इसे बंगाल के विकास और पर्यटन के रूप में पेश कर रही थी, लेकिन ममता बनर्जी के इस ताजा बयान ने पूरे मुद्दे को 'स्वच्छता बनाम राजनीति' के युद्ध में बदल दिया है।

महानगर मेट्रो विशेष: उठते सवाल

- क्या दिल्ली की यमुना पर होगा भाजपा का पलटवार?
- क्या बंगाल की सफाई को चुनावी मुद्दा बना पाएंगी ममता?
- हुगली की बोटिंग से शुरू हुआ यह विवाद दिल्ली के सियासी गलियारों तक कितनी दूर जाएगा?

ममता बनर्जी के इस 'यमुना चैलेंज' ने फिलहाल बंगाल से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में उबाल ला दिया है। अब देखना यह है कि भाजपा इस तीखे प्रहार का क्या जवाब देती है।

गढडा के गोराडका में खूनी रफ्तार का कहर: पुलिस से बचने की कोशिश में शराब तस्करों ने मचाया तांडव; भारी मात्रा में शराब जब्त, दो गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बोआद/गढडा। गुजरात में शराबबंदी को चुनौती देने वाले बुटलेगर अब सड़कों पर आम जनता के काल बनकर दौड़ रहे हैं। ताजा मामला बोआद जिले के गढडा तहसील के गोराड़का गांव के पास का है, जहां पुलिस और शराब तस्करों के बीच फिल्मी स्टाइल में हाई-स्पीड चेजिंग हुई। इस घटना ने हाईवे पर मौजूद लोगों की सांसें थमा दीं।

रफ्तार, रंजिश और 'तोड़' की कोशिश

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो कार में अवैध शराब का बड़ा जत्था ले जाया जा रहा है। जब पुलिस ने नाकाबंदी कर गाड़ी को रोकने का इशारा किया, तो बुटलेगरों ने रुकने के बजाय एक्सीलेटर पर पैर रख दिया। पुलिस ने भी मुस्तैदी दिखाते हुए अपनी गाड़ियां उनके पीछे लगा दीं।

बेगुनाह महिला को मारी टक्कर, पलटी कार

पुलिस को पीछे आता देख बुटलेगर बुरी तरह बौखला गए। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सड़क पर जा रही एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पर सवार महिला उछलकर दूर जा गिरी और गंभीर रूप से घायल हो गई। बाइक को रौंदने के बाद तस्करों की स्कॉर्पियो ने अपना संतुलन खो दिया और हाईवे पर ही पलट गई।

हादसे के बाद पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर स्कॉर्पियो की तलाशी ली। कार के अंदर से भारी मात्रा में विदेशी शराब की बोतलें बरामद हुईं। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घायल महिला को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

पश्चिमी बंगाल की बंपर वोटिंग रचेगी नया इतिहास

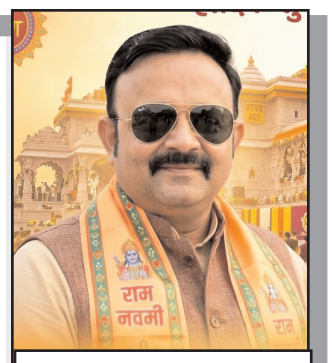

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की जनता ने इस बार बंपर मतदान किया है, जो राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। पहले चरण में 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है।

देश के अब तक के संवैधानिक इतिहास में पहली बार किसी राज्य का चुनाव मतदान है जिसमें इतना बंपर तादाद में मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल कर नया रिकार्ड बनाने की पहल की है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की जनता ने इस बार बंपर मतदान किया है, जो राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। पहले चरण में 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। जब लगभग नब्बे प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो यह स्पष्ट संकेत देता है कि जनता केवल दर्शक नहीं रहना चाहती,जनता जागरूक हो चुकी है बल्कि सत्ता के गठन में सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि इस बंपर वोटिंग के मायने क्या है और क्यों तृणमूल कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी दोनों ही अपनी-अपनी जीत के दावे कर रही हैं। इन सबके बीच सबसे पहले, इतने बड़े पैमाने पर मतदान को लोकतंत्र की मजबूती के रूप में देखा जाना चाहिए। अक्सर यह धारणा रही है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम रहता है और ग्रामीण इलाकों में अपेक्षाकृत अधिक, लेकिन इस बार जिस तरह से हर वर्ग महिला, युवा, बुजुर्ग ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वह एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। यह दशार्ता है कि लोगों में अपने अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। खासकर महिलाओं को बड़ी भागीदारी यह संकेत देती है कि वे अब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों में भी अपनी भूमिका मजबूत कर रही हैं। सबसे बड़ी बात है कि इस बार का चुनाव पूर्व में बंगाल में हुए चुनावों के मुकाबले हिंसा कम हुआ है। बंगाल में चुनावी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है। हालांकि यह भी सच है कि मुर्शिदाबाद के नौदा और बीरभूम के खैराशोल जैसे क्षेत्रों में हिंसा और और ईवीएम ईवीएम से से जुड़ी शिकायतों कायतों ने ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। झड़पें, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं यह बताती हैं कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब भी कई जगहों पर असहिष्णुता में बदल जाती है। चुनाव आयोग और प्रशासन की जिश्वमेदारी है कि ऐसी घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई कर भरोसा कायम रखें। नौदा में हुमायूं कबीर द्वारा लगाए गए आरोप और खैराशोल में ईवीएम गड़बड़ी की शिकायतें केवल स्थानीय घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वे उस व्यापक चुनौती

की ओर इशारा करती हैं, जिसमें निष्पक्षता और पारदर्शिता को लगातार परखा जाता है। लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विश्वास की एक सतत प्रक्रिया है, जिसे बनाए रखना सभी संस्थाओं की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि इस बार केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस की तैनाती ने कई संभावित बड़ी घटनाओं को रोका है। इसी तरह बीरभूम के खैराशोल और अन्य इलाकों में ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों के बाद जो हिंसक झड़पें हुईं, वे तकनीकी विश्वास के संकट को सामने लाती हैं। जब मतदाता यह महसूस करने लगते हैं कि उनका बोट सही जगह नहीं जा रहा है, तो उनका आक्रोश स्वाभाविक है। हालांकि इस तरह की शिकायतों की सत्यता की जांच जरूरी है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि चुनाव आयोग और प्रशासन इस तरह की आशंकाओं को तुरंत और पारदर्शी तरीके से दूर करें। बंगाल में चुनावी हिंसा कोई नई बात नहीं है। इसका इतिहास लंबा और जटिल रहा है। 1977 में वाम मोर्चा के सत्ता में आने के बाद से लेकर पंचायत राजनीति तक, सत्ता और संसाधनों पर नियंत्रण की लड़ाई ने कई बार हिंसक रूप लिया। पार्टी सोसाइटी जैसी अवधारणाएं इसी पृष्ठभूमि में जन्मी, जहां राजनीति ने सामाजिक ढांचे को पूरी तरह प्रभावित किया। 1993 की कोलकाता फायरिंग, सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलन, और 2011 के बाद के राजनीतिक बदलाव इन सभी घटनाओं ने यह दिखाया कि बंगाल की राजनीति में टकराव एक स्थायी तत्व बन चुका था। तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद उम्मीद थी कि हिंसा की संस्कृति में कमी आएगी, लेकिन 2018 के पंचायत चुनाव, 2019 के लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव ने इस उम्मीद को पूरी तरह साकार नहीं होने दिया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी इस दिशा में संकेत करते हैं कि राजनीतिक हत्याओं के मामले में पश्चिम बंगाल लंबे समय से शीर्ष राज्यों में रहा है। हालांकि इन आंकड़ों पर अक्सर बहस होती रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे परिदृश्य में 2026 के पहले चरण में अपेक्षाकृत कम हिंसा होना एक सकारात्मक संकेत जरूर है। खासकर यह तथ्य कि अब तक किसी बड़ी जानलेवा भटना की खबर नहीं आई है, राहत देने वाला है। जहां पहले चुनावी हिंसा आम बात होती थी, वहां अच नियंत्रण और सतर्कता दिखाई दे रही है। यह सुधार लोकतांत्रिक संस्थाओं के मजबूत होने का संकेत है। लेकिन छिटपुट झड़पें, बमबाजी और तोड़फोड़ की घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि अभी बहुत कुछ बदलना बाकी है। मगर पश्चिम बंगाल का यह चुनाव यह भी दिखाता है कि लोकतंत्र में सुधार धीरे-धीरे ही संभव है। हिंसा में कमी एक सकारात्मक कदम है, लेकिन पूरी तरह शांतिपूर्ण चुनाव अभी भी एक लक्ष्य है, जिसे हासिल करना बाकी है। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक सख्ती और सामाजिक जागरूकता तीनों का समन्वय जरूरी है। हालांकि इन सबके बीच अच्छी बात यह है कि पिछले साल का रिकॉर्ड टूटा है, 2021 के विधानसभा चुनाव में 83.17 और 2016 विधानसभा चुनाव 82.66 प्रतिशत मतदान हुआ था, इस बार यह आंकड़ा 92 या 93 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। अब सवाल यह है कि बंपर वोटिंग का फायदा किसे होगा? राजनीतिक विश्लेषकों की राय अक्सर इस मुद्दे पर बंटी रहती है। एक पक्ष का मानना है कि उच्च मतदान प्रतिशत आमतौर पर सत्ता विरोधी लहर का संकेत होता है, यानी लोग बदलाव चाहते हैं और इसलिए बड़ी संख्या में वोट डालने निकलते हैं। यदि इस तर्क को मानें, तो यह भाजपा के पक्ष में जा सकता है, जो खुद को परिवर्तन का विकल्प बताती रही है। वहीं दूसरा पक्ष यह मानता है कि अधिक मतदान का मतलब यह भी हो सकता है कि सत्तारूवु दल के समर्थक अपने आधार को मजबूत करने के लिए अधिक संख्या में मतदान कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा और ग्रामीण क्षेत्रों में उसकी पकड़ को देखते हुए यह तर्क भी कमजोर नहीं है। खासकर उन क्षेत्रों में जहां सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लोगों तक पहुंचा है, वहां सत्तारूढ़ दल के समर्थन में अधिक मतदान देखा जा सकता है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि राज्य के लोगों ने एसआईआर के विरोध में वोटिंग किया है। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल इस बंपर मतदान को अपने-अपने तरीके से व्याख्यायित कर रहे हैं। तृणमूल इसे अपनी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की स्वीकृति के रूप में देख रही है, जबकि भाजपा इसे बदलाव की इच्छा और सत्ताविरोधी लहर का संकेत बता रही है। सच्चाई इन दोनों के बीच कहीं हो सकती है, जिसका फैसला केवल मतगणना के दिन ही स्पष्ट होगा। अंततः, यह कहा जा सकता है कि 89.93 प्रतिशत मतदान पश्चिम बंगाल के लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दशार्ता है कि जनता अब अपने अधिकारों के प्रति सजग है और वह अपने भविष्य को तय करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती है। चाहे परिणाम किसी के भी पक्ष में जाए, इस बंपर वोटिंग ने यह साबित कर दिया है कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथ में है। दरअसल पं बंगाल का चुनाव ममता बनर्जी की तृणमूल और भाजपा के बीच सत्ता पाने का अखाड़ा तो है ही इसमे दोनों के समर्थक वोटर भी आरपार के मूड में आ चुके हैं लंबे समय से सत्ता में काबिज ममता बनर्जी मुसलिम तुष्टिकरण की राजनीति और कानून व्यवस्था के बिगडते हालात के कारण राज्य के एक बड़े मतदाता वर्ग के भी निशाने पर है राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती ने छापा वोटिंग को नियंत्रित कर मतदाता को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है यही कारण है कि बंपर वोटिंग हुई है और परिणाम भी चौकाने वाला आएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

आप को बड़ा झटका

पंजाब में विधानसभा चुनाव से सिर्फ दस महीने पहले, राज्यसभा के सात सांसदों द्वारा आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ने से पार्टी का संकट गहराता नजर आ रहा है। बगावती तेवरों वाले तीन राज्यसभा सदस्यों राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने पार्टी में विभाजन की घोषणा करते हुए कहा है कि उच्च सदन में आप के दो-तिहाई सांसद यानी दस में सात सदस्यों ने एक गुट के रूप में भारतीय जनता पार्टी में विलय करने का निर्णय कर लिया है। हाल के महीनों में खासे मुखर रहने वाले राघव चड्ढा को राज्यसभा में आप के उपनेता पद से हटाये जाने के बाद उनके द्वारा शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद तो विभाजन के संकेत मिलने शुरू हो गए थे। विडंबना यह है कि राज्यसभा में राघव चड्ढा के स्थान पर आप के उप नेता की जगह लेने वाले अशोक मित्तल ने भी उनका ही साथ दिया है। इसमें दो राय नहीं कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी के लिये यह सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। एक समय था कि राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी में नई पीढ़ी का ऊजार्वान प्रतीक चेहरा माना जाता रहा है। अब वे ही आप नेतृत्व पर पार्टी के मूलभूत आदर्शों से पीछे हटने का आरोप लगा रहे हैं। राघव व पार्टी के अन्य बागी सांसदों ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी जनसरोकारों को प्राथमिकता देने के बजाय निजी लाभ को तरजीह दे रही है। उनके निशाने पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ही हैं। जिन्हें पंजाब में मान सरकार की बागडोर दिल्ली से संचालित करने वाला माना जाता रहा है। जैसा कि आपेक्षित था, आबकारी नीति मामले में मुश्किल में फंसे और अदालती लड़ाई लड़ रहे केजरीवाल ने इन सांसदों पर विश्वास तोड़ने और पंजाब की जनता से छल करने का आरोप लगाया है। केजरीवाल ने आप से अलग होने वाले सांसदों पर पंजाब के लोगों के साथ विश्वासघात करने वाला बताया है। वहीं दूसरी ओर भाजपा भी केजरीवाल के निशाने पर है, जिस पर उन्होंने सुनियोजित साजिश करके आम आदमी पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाया है। वास्तव में भाजपा सीमावर्ती राज्य पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी जड़ें मजबूत करने की कवायद में जुटी है। इसी कड़ी में भगवा पार्टी ने हाल के वर्षों में पंजाब के कई कांग्रेसी नेताओं को अपने पाले में करने में कामयाबी पायी है। निश्चित रूप से राज्य सभा में आप के दो तिहाई सांसदों का टूटकर भाजपा में मिलना आम आदमी पार्टी के लिये बड़ी चुनौती है। जिसके चलते पंजाब में अपनी खोई जमीन पाने के लिये पार्टी को एकजुट करके आगे बढ़ने की बड़ी चुनौती सामने खड़ी है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि आप के कुछ और नेता आगामी दिनों में भाजपा का दामन थाम लें। लेकिन यहां सवाल आप सुप्रीमो पर उठ रहे हैं कि क्या उन्होंने इन नेताओं को राज्यसभा का टिकट देते वक्त पार्टी की रीति-नीतियों की कसौटी पर परखा था या फिर पार्टी की आर्थिक प्राथमिकताओं को ही उनकी योग्यता मान लिया गया था। जाहिर है ये लोग सार्वजनिक जीवन में बहुत चर्चित चेहरे होने के बजाय आर्थिक रूप से समृद्ध लोग रहे हैं।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई।

हर आदमी ?से ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

भारत को लेकर डोनाल्ड ट्रम्प का बयान निंदनीय है

संजय गोस्वामी

अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प का बयान नर्क है भारत बेहद निंदनीय है हाँ उनके लिहाज से हो सकता है क्योंकि भारत में पश्चिमी सभ्यता का नष्ट हुआ और भारत में भगवान राम ने त्याग और मयार्दा का जो पालन किया वो सभी के लिए प्रेरणादायक है नर्क है तो आखिर स्वर्ग क्या है हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, अप्सराएं इंद्रलोक (स्वर्ग) की दिव्य नृत्यांगना, गायिका और सेविका हैं, जो बेमिसाल सुंदरता और जादूई शक्तियों से संपन्न मानी जाती हैं। ये गंधर्वों के साथ मिलकर देवताओं का मनोरंजन करती हैं और ऋषियों की तपस्या भंग करने के लिए जानी जाती हैं। प्रमुख अप्सराओं में रंभा, उर्वशी, मेनका और तिलोत्तमा शामिल है अतः यहाँ अप्सराएं राजा को खुश करने के लिए नहीं नाचती है स्वर्ग में मजा है लेकिन मजा ही एक दिन सजा का कारण बनती है यहाँ के लोग मेहनत करते है खून पसीना बहा कर दो पैसा कमाते है लेकिन गुंडागर्दी नहीं करते हैं त्याग का रास्ता जो हमारे भगवान राम ने दिखाया है वो पूर्ण विश्व के लिए एक शांति का संदेश है अगर हर मनुष्य भगवान राम का मात्र 10 मिनट भी ध्यान कर ले तो क्रोध कभी नहीं आएगा लोग काम की चिंता में डूबे रहते हैं लेकिन क्या होगा यदि हम नहीं कर पाएं, काम में गलती होती है लेकिन राम का नाम हमें यही बताता है यहाँ हम सब एक मुसाफिर हैं इसलिए ना किसी बात की चिंता करो ना ही हिम्मत हारो और क्रोध को नियंत्रण करना सिर्फ भगवान राम से ही सीखा जा सकता है क्योंकि जब समुद्र लंका जाने में रास्ता नहीं दे रहा था तो लकक्ष्मणजी उनके भाई समुद्र में बाण चला देते लेकिन बाद में भगवान राम ने रोका और समुद्र ने अपनी बात बताई क्योंकि भगवान राम कहते हैं हमें हमेशा दूसरे के बारे में भी सोचना चाहिए यदि गलत हुआ हो तो अवश्य ही अन्याय के खिलाफ आवाज उठाए पहले से ट्रम्प का भारत के प्रति रवैया बहुत ही शर्मनाक रहा और हाल ही में आतंकवादी के गढ़ का देश पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शान्ति वार्ता का शुभारम्भ कराकर ऐ दिखाने की कोशिश की गईं कि भारत देश की विदेश नीति सही नहीं है लेकिन पाकिस्तान में शान्ति वार्ता को झटका भी लगा और ईरान ने आपकी शर्त मानने से इंकार कर दिया आप ईरान में इजराइल के साथ मिलकर जंग में इसलिए कूदे की तेल के बड़े भंडार पर कब्जा कर ले लेकिन इजराइल का ऑब्जेक्टिव कुछ और है और वो ना तो शान्ति वार्ता में पाकिस्तान गया ना ही सीजफायर की पेशकश की आप रातोंरात 63 साल के मादुरो और उनकी पत्नी को शनिवार को वेनेजुएला में उनके परिसर से अमेरिकी सैनिकों ने पकड़ा था। यह अचानक रातों-रात चलाया गया एक अभियान था, जिसमें कुछ सैन्य ठिकानों पर हमले भी हुए। गिरफ़्तारी के बाद दोनों को न्यूयॉर्क की एक जेल में ले जाया गया तो आप खुद अपने अंदर झाँक कर देखें कबीर साहब ने सही कहा है :बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।।अर्थःकबीर दास जी कहते हैं कि जब मैं इस संसार में दूसरों की बुराई या कमियां खोजने निकला, तो मुझे कोई भी बुरा नहीं मिला। लेकिन जब मैंने अपने मन (दिल) के भीतर झांककर देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं स्वयं ही सबसे अधिक बुरा (दोषी) हैं संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (Self-reflection) और विनम्रता का संदेश देता है, जो बताता है कि दूसरों में बुराई खोजने से पहले हमें अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत 140 करोड़ लोगों का एक शांतिप्रिय देश है और लोकतान्त्रिक देश है भारत ने आपसे पूछ कर 1998 में परमाणु परीक्षण आपके ही सेटेलाइट को चकमा दे कर किया और कारगिल विजय पर अटलजी ने पाकिस्तान को क्या खुब कहा था:अमेरिका से एक नहीं दो नहीं करो बीसों समझौते पर स्वतन्त्र भारत का मस्तक नहीं झुकेगा अगणित बलिदानो से अर्जित यह स्वतन्त्रता अश्रु स्वेद शोणित से सिंचित यह स्वतन्त्रता त्याग तेज तपबल से रक्षित यह स्वतन्त्रता दुःखी मनुजता के हित अर्पित यह स्वतन्त्रता। भारत एक स्वतंत्र देश है नर्क है या स्वर्ग इसका फैसला ईश्वर कर सकता है जो सभी को चला रहा है आपसे अपना देश तो संभल नहीं रहा है आक्रोश है लोगों में क्योंकि युद्ध की आग में झोंक कर पूर्ण विश्व में तेल और गैस पर संकट आ गया, क्या आप सोचते हैं कि भारत आपसे दूध का निर्यात करें जिसे चारा में मांस खिलाया जाता है और दूध पीकर मन के अंदर विष भर ले, स्वर्ग की लालसा के लिए नर्क से होकर ही गुजरना पड़ता है अंग्रेजी हुकूमत ने भारतीय को नर्क में रखा लेकिन उनके त्याग और बलिदान से देश आजाद हुआ और स्वर्ग है हमारी मातृभूमि जिसे अनेक ऋषि और मुनि प्राचीन भारतीय संत या द्रष्टा थे, जिन्होंने गहन ध्यान (तप) और आध्यात्मिक साधना के माध्यम से दिव्य ज्ञान और शाश्वत सत्यों को प्राप्त किया। ऋषियों को ऐसे द्रष्टा के रूप में वर्णित किया गया है जिन्होंने वैदिक मंत्रों को प्रकट किया, जबकि मुनि ऐसे संत हैं जो अपने मौन व्रत या आध्यात्मिक मौन में गहरी तल्लीनता के लिए जाने जाते हैं। इसलिए भारत एक महान देश है. क्योंकि इसकी सभ्यता और संस्कृति पश्चिम देशों जैसी अश्लील नहीं है।

भारतीय ज्ञान-संपदा और वैश्विक नवाचार के बीच संवाद

ललित गर्ग

प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व बौद्धिक संपदा दिवस केवल किसी कानूनी अधिकार की औपचारिक स्मृति नहीं है, बल्कि यह मानव मस्तिष्क की उस सृजनशील शक्ति का उत्सव है जिसने सभ्यता को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर किया। इस वर्ष का विषय खेल और बौद्धिक संपदा को जोड़ते हुए यह संदेश देता है कि सृजन, परिश्रम और संरक्षण-ये तीनों मिलकर विकास की नई दिशा निर्मित करते हैं। आज जब संसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम और अंतरिक्ष अनुसंधान के युग में प्रवेश कर चुका है, तब बौद्धिक संपदा का महत्व और अधिक बढ़ गया है। किसी राष्ट्र की शक्ति अब केवल उसकी भौतिक संपदा से नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक क्षमता, अनुसंधान परंपरा और ज्ञान के संरक्षण से भी मापी जाने लगी है। बौद्धिक संपदा का अर्थ है मनुष्य के मस्तिष्क से उत्पन्न वह मौलिक रचना जो समाज को नया विचार, नया उपकरण, नई कला, नई तकनीक या नई दिशा प्रदान करे। साहित्य, संगीत, वैज्ञानिक खोज, औषधि, तकनीकी आविष्कार, औद्योगिक रचना और विशिष्ट परंपरागत ज्ञान-ये सब बौद्धिक संपदा के अंतर्गत आते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी सर्जक की रचना का अनुचित उपयोग न हो और उसके श्रम को उचित सम्मान तथा संरक्षण मिले। यह संरक्षण केवल व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के आत्मविश्वास और आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है।

यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है। भारत ने संसार को केवल वस्तुएँ नहीं दीं, बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं, तब भारत वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था। शून्य का सिद्धांत, दशमलव पद्धति, धातु विज्ञान, शल्य चिकित्सा, योग-साधना और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की अवधारणा भारतीय मनीषा की देन हैं। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, पाणिनि और पतंजलि जैसे महापुरुषों ने ऐसे ज्ञान-स्रोत दिए जिनसे विश्व आज भी प्रेरणा लेता है। यह भारतीय बौद्धिक संपदा का वह स्वरूप है जो किसी दस्तावेज में पंजीकृत नहीं था, फिर भी मानवता की चेतना में अंकित रहा।

विश्व की आधुनिक बौद्धिक संपदा मुख्यतः व्यक्तिगत स्वामित्व पर आधारित है, जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा सामूहिक कल्याण पर आधारित रही है। भारत में ज्ञान को व्यापार नहीं, साधना माना गया। यहां ऋषियों ने अपने अनुभवों को मानवता के लिए मुक्त रखा। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना में ज्ञान का उद्देश्य निजी लाभ नहीं, लोकमंगल था। यही कारण है कि भारतीय बौद्धिक संपदा का स्वरूप नैतिकता और आध्यात्मिकता से जुड़ा रहा। पश्चिम ने ज्ञान को संरक्षित कर समृद्धि अर्जित की, जबकि भारत ने ज्ञान को साझा कर संस्कृति अर्जित की। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी इस प्राचीन परंपरा को आधुनिक संरक्षण व्यवस्था से जोड़े ताकि उसका पारंपरिक ज्ञान वैश्विक बाजार में शोषण का शिकार न हो। हल्दी, नीम और बासमती जैसे उदाहरण इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। कभी विदेशी संस्थानों ने भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया, किंतु भारत ने प्रमाण देकर सिद्ध किया कि यह ज्ञान उसकी सांस्कृतिक धरोहर है। इसके बाद भारत ने पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय जैसी पहल कर यह दिखाया कि अपनी बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक साधनों का उपयोग कितना आवश्यक है। यह केवल अधिकार की रक्षा नहीं थी, बल्कि अपनी सभ्यता के सम्मान की रक्षा भी थी।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बौद्धिक संपदा का प्रश्न और जटिल हो गया है। मशीनें चित्र बना रही हैं, लेख लिख रही हैं, संगीत रच रही हैं और निर्णय प्रक्रिया में भाग ले रही हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न उठ रहा है कि सर्जक कौन है-मनुष्य या मशीन? यदि किसी कृत्रिम प्रणाली ने कोई नई खोज की तो उसका अधिकार किसे मिलेगा? यह चुनौती केवल कानून की नहीं, बल्कि दर्शन की भी है। भारत जैसे देश के लिए यह अवसर भी है क्योंकि यहां मानव-केंद्रित ज्ञान परंपरा है। भारत आधुनिक तकनीक को मानवीय मूल्यों से जोड़कर बौद्धिक संपदा की नई दिशा दे सकता है। भारत आज नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवा उद्यमिता, अंतरिक्ष विज्ञान, औषधि निर्माण, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ग्रामीण तकनीक के क्षेत्रों में भारत ने विश्व को चकित किया है। चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों में भी मौलिक बुद्धि चमत्कार कर सकती है। भारतीय औषधि उद्योग ने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समय सस्ती दवाओं और टीकों के माध्यम से विश्व का विश्वास जीता। यह केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक क्षमता का वैश्विक प्रमाण है। फिर भी भारत को अभी लंबा मार्ग तय करना है। विश्व के विकसित देशों की तुलना में अनुसंधान निवेश, पेटेंट आवेदन, विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग और कानूनी जागरूकता के क्षेत्र में भारत को और सशक्त होना होगा। हमारे यहां प्रतिभा की कमी नहीं, किंतु संरक्षण और प्रोत्साहन की व्यवस्था अभी पूर्ण नहीं है। अनेक युवा अपने विचारों को सुरक्षित कराने की प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं। यदि शिक्षा व्यवस्था में आरंभ से ही सृजन और बौद्धिक अधिकारों की समझ विकसित की जाए तो भारत विश्व का अग्रणी ज्ञान-राष्ट्र बन सकता है।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भविष्य उन्हीं का होगा जो विचारों का सम्मान करेंगे। जिस राष्ट्र ने अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा की, वही दीर्घकालीन विकास की दिशा में अग्रसर हुआ। भारत के पास प्राचीन ज्ञान की गहराई है और आधुनिक नवाचार की संभावना भी। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपनी परंपरा को आधुनिक संरचना से जोड़ें। भारत की बौद्धिक संपदा केवल पेटेंट या अधिकार का विषय नहीं है, वह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यदि उसे सही रूप में पहचाना और संरक्षित किया जाए तो भारत केवल विश्व बाजार में नहीं, बल्कि विश्व चेतना में भी अपना विशिष्ट स्थान पुनः प्राप्त कर सकता है। आज का यह दिवस हमें यही संदेश देता है कि भौतिक युग में भी सबसे बड़ी शक्ति मनुष्य की बुद्धि है, और उस बुद्धि की सबसे बड़ी सुरक्षा बौद्धिक संपदा है। भारत जब अपनी ज्ञान-परंपरा और आधुनिक नवाचार को एक साथ लेकर चलेगा, तब वह केवल विश्व से प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा, बल्कि विश्व को दिशा भी देगा।

राम मंदिर में दर्शन के लिए पुरुषों को धोती-कुर्ता तो महिलाओं को साड़ी पहनने की सलाह,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या के राम मंदिर में दर्शन को लेकर नई एडवाइजरी जारी की गई है, जिसमें ऑनलाइन पास बुकिंग के फॉर्मेट में बदलाव और भारतीय परिधान में दर्शन की अपील शामिल है।

अयोध्या केराम मंदिर दर्शन के एडवाइजरी

वीएन दास, अयोध्याः भीषण गर्मी और बढ़ती श्रद्धालु संख्या के बीच श्री राम मंदिर अयोध्या में दर्शन व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने के लिए ट्रस्ट ने नई एडवाइजरी जारी की है। ऑनलाइन दर्शन पास बुकिंग के फॉर्मेट में बदलाव किया गया है, जबकि समग्र व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। इसके साथ ही श्रद्धालुओं से भारतीय परिधान में दर्शन करने की अपील भी की गई है। गर्मी के कारण दर्शन के समय और भीड़ के पैटर्न में भी बदलाव देखने को मिल रहा है, जिसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन और ट्रस्ट दोनों स्तर पर व्यवस्थाएं लगातार अपडेट की जा रही हैं।

भारतीय परिधान में दर्शन की अपील

मंदिर ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे भारतीय परिधान में मंदिर में प्रवेश करें। पुरुषों के लिए धोती-कुर्ता या धोती-पजामा और महिलाओं के लिए साड़ी, पंजाबी ड्रेस या चूड़ीदार-दुपट्टा पहनने की सलाह दी गई है।

ऑनलाइन दर्शन पास के फॉर्मेट में बदलाव

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट पर दर्शन पास बुकिंग के फॉर्मेट में बदलाव किया गया है। अब सामान्य दर्शन पास के साथ अन्य श्रेणियों के विकल्प भी दिए गए हैं, जिससे श्रद्धालुओं को अपनी सुविधा के अनुसार पास चुनने में आसानी होगी।

ट्रस्ट के वरिष्ठ ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र के अनुसार, सुगम और विशिष्ट दर्शन पास की व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सामान्य श्रद्धालुओं के लिए भी पास जारी किए जा रहे हैं, जिससे वे रामलला और राम दरबार के साथ अन्य मंदिरों के दर्शन कर पा रहे हैं। किस पास से कहां तक दर्शन सामान्य दर्शन पास वाले श्रद्धालु रामलला, राम दरबार के साथ परिसर में स्थित सप्त ऋषि मंदिर और शेषावतार कुबेर टीला मंदिर तक दर्शन कर सकते हैं। वहीं सुगम और विशिष्ट दर्शन पास धारकों को परकोटा के छह मंदिरों सहित सभी प्रमुख स्थलों के दर्शन की सुविधा मिल रही है। वर्तमान में रोजाना 15 से 20 हजार श्रद्धालु दर्शन पास के माध्यम से मंदिर में दर्शन कर रहे हैं। भीषण गर्मी का असर, दोपहर में घटी भीड़ चिलचिलाती धूप का असर अब मंदिर में दर्शन के समय पर भी साफ दिख रहा है। दोपहर के समय श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आई है,

सेंट्रल मार्केट में 350 से ज्यादा भवनों पर चिपका नोटिस, 15 दिन का मिला समय,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। उत्तरप्रदेश के मेरठ स्थित सेंट्रल मार्केट पिछले कई दिनों से चर्चा में है। बीते 9 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आवास एवं विकास परिषद ने 44 दुकानों को सील कर दिया था। इस दौरान अफरातफरी के बीच एक व?यापारी को हार्ट अटैक भी आ गया था। अब एक बार फिर शुक्रवार को पुलिस बल के साथ 350 से ज?यादा भवनों पर हुए अवैध निर्माण के लिए नोटिस चिपका दिया गया है। व?यापारियों को अवैध निर्माण तोड़ने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। इसके बाद बुलडोजर से अवैध निर्माण हटाया जाएगा और इसका खर्च दुकान मालिक से वसूला जाएगा।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में सील की गई 44 संपत्तियों के अलावा बाकी बची आवासीय संपत्तियों के सेटबैक पर किए गए अवैध निर्माण को दो महीने के भीतर हटाने का आदेश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि कई व?यापारियों ने खुद से सेटबैक के अवैध निर्माण हटा दिए हैं। पिछले कई महीनें से क्षेत्र में दुकानों पर हथौड़ा चल रहा है।

धरने पर बैठीं महिलाओं से मिलने आए अरुण गोविल

आपको बता दें कि सेंट्रल मार्केट में सीलिंग विवाद के बीच कई व?यापारी परिवार की महिलाएं 15 दिनों से धरने पर बैठी हैं। शुक्रवार को उनसे मुलाकात करने मेरठ सांसद अरुण गोविल पहुंचे। उनके आश?वासन के बाद महिलाओं ने फिलहाल अपना आंदोलन स?थगित कर दिया है। अरुण गोविल ने कहा कि सरकार इस मामले को गंभीरता से देख रही है। किसी को भी परेशान होने की जरूरत नहीं है। उनके इस आश?वासन के बाद महिलाओं ने धरना समाप?त करने के बजाय अस?थाई रूप से स?थगित करने का निर्णय लिया।

1989 से चला रहा विवाद

शास्त्री नगर स्थित सेंट्रल मार्केट विवाद 1989 से चले आ रहे अवैध निर्माण और सेटबैक के उल?लंघन का मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने आवासीय जमीन पर दुकानें, बैंक और ऑफिस को हटाने का आदेश दिया है। व?यापारियों ने इस बीच प्रशासन पर कई आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि प्रशासन ने 56 भवनों की सूची से कुछ नाम हटा लिए हैं और चुनिंदा लोगों को राहत पहुंचाई है।

यमुना में ट्रैक्टर समेत डूब रहा था परिवार,

ग्रामीणों ने दो मासूमों समेत 4 जिंदगियां बचाईं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में तरबूज की फसल देखने जा रहा एक परिवार यमुना नदी में ट्रैक्टर समेत डूब गया. ट्रैक्टर गहर में फंसते ही उसमें सवार दो मासूम बच्चों समेत चार लोग पानी में समाने लगे. तभी ग्रामीणों ने जान पर खेलकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. इस रेस्क्यू का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. उत्तर प्रदेश के बागपत में शुक्रवार को एक परिवार ट्रैक्टर समेत यमुना नदी में डूब गया. कुछ ही पलों में खुशियों भरा सफर चीख-पुकार में बदल गया. ट्रैक्टर नदी के भीतर बने गहरे में फंसकर पलट गया, जिससे उसमें सवार परिवार के सदस्य पानी में डूबने लगे. गनीमत रही कि ग्रामीणों की सूझबूझ और बहादुरी ने चार जिंदगियों को बचा लिया. बदरखा गांव का रहने वाला गुफरान अपने दो बेटों और भाभी के साथ ट्रैक्टर से यमुना पार कर तरबूज की फसल देखने जा रहा था.

किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ ही देर में यह सफर खौफनाक बन जाएगा. यमुना के बीच पहुंचते ही ट्रैक्टर अचानक एक गहरे में फंस गया. इससे बैलेंस बिगड़ा और ट्रैक्टर पलटकर पानी में समा गया. ट्रैक्टर पलटते ही उसमें सवार दोनों मासूम बच्चे, गुफरान और उनकी भाभी गहरे पानी में डूबने लगे. अचानक मची चीख-पुकार से आसपास मौजूद लोगों का ध्यान गया. परिवार मदद के लिए चीख रहा था. शोर सुनते ही आसपास के ग्रामीण बिना समय गंवाए मौके पर पहुंच गए. कई लोग तुरंत यमुना में कूद पड़े. कड़ी मशक्कत और बहादुरी से ग्रामीणों ने एक-एक कर सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आया है. वीडियो में देखा जा सकता है कि ट्रैक्टर पानी में डूबा हुआ है और ग्रामीण बच्चों को गोद में उठाकर बाहर ला रहे हैं. ग्रामीणों के साहस और इंसानियत की लोग सराहना कर रहे हैं. स्थानीय लोगों का आरोप है कि यमुना में अवैध खनन के कारण कई गहरे और खतरनाक बन गए हैं. यही इस हादसे की मुख्य वजह बने. ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को कई बार इसकी जानकारी दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. फिलहाल, सभी लोग सुरक्षित हैं और किसी को गंभीर चोट नहीं आई है. लेकिन इस घटना ने एक बार फिर यमुना में अवैध खनन और प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

मऊ में भीषण सड़क हादसा, स्कॉर्पियो और ट्रेलर में भिड़ंत... मां-बेटे और पिता समेत 5 की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मऊ। जिले में शुक्रवार रात एक दर्दनाक हादसा हो गया. यहां एक स्कॉर्पियो और ट्रेलर में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई. जिससे स्कॉर्पियो में सवार 5 लोगों की मौत हो गई. उत्तर प्रदेश के मऊ जिले में शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया. जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई. हादसा दोहरीघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाईवे पर बरसातपुर अहिरानी गांव के पास हुआ. जहां स्कॉर्पियो और टेलर (ट्रेलर ट्रक) की आमने-सामने की टक्कर हो गई. मरने वालों में एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल हैं. इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है. प्राप्त जानकारी के अनुसार स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में हाईवे से गुजर रही थी, तभी सामने से

आ रहे टेलर से उसकी भिड़ंत हो गई. टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग वाहन के अंदर ही फंस गए. हादसे में पति, पत्नी और उनके बेटे समेत कुल पांच लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े. स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही दोहरीघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. काफी मशक्कत के बाद वाहन में फंसे शवों को बाहर निकाला गया. पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल के मर्चरी हाउस भेज दिया है. पुलिस अधिकारियों के अनुसार हादसे के कारणों की जांच की जा रही है. शुरुआती जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि तेज रफ्तार और लापरवाही इस दुर्घटना की मुख्य वजह हो सकती है. हालांकि, टेलर चालक से पूछताछ और तकनीकी जांच के बाद ही स्पष्ट कारण सामने आ पाएंगे. मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया भी जारी है. इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. हाईवे पर बढ़ती दुर्घटनाओं के बीच प्रशासन द्वारा समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन इसके बावजूद लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण इस तरह की घटनाएं सामने आती रहती हैं.

सराफा व्यापारी की सरेआम गोली मारकर हत्या,

2 घंटे बाद मुठभेड़ में पकड़ा गया आरोपी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। यूपी के बांदा में शुक्रवार की रात सराफा व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई. इस घटना के बाद पुलिस ने दो घंटे में घेराबंदी के बाद मुठभेड़ में आरोपी को दबोच लिया. मुठभेड़ में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी. घायल आरोपी को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया. दोनों पैरों में गोली लगने के बाद आरोपी कहता रहा- बाबूजी, गलती हो गई... माफ कर दीजिए. उत्तर प्रदेश के बांदा में शुक्रवार रात सनसनीखेज वारदात सामने आई है. यहां बबेरू कस्बे में एक सराफा व्यापारी की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई. घटना के बाद व्यापारियों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया. इस घटना के बाद पुलिस ने घेराबंदी कर दी और मुठभेड़ के दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. उसके दोनो पैरों में गोली लगी है. पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया. उस दौरान आरोपी कहता रहा- बाबू जी गलती हो गई, माफ कर दीजिए. बबेरू कोतवाली क्षेत्र के दुलथोक के

रहने वाले तेज सोनी प्रतिष्ठित सराफा व्यापारी थे. शुक्रवार रात वह किसी काम से बाजार गए थे. इसी दौरान हमलावर ने उन पर फायरिंग कर दी. एक गोली सीधे उनके सीने में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े. गोली चलने की आवाज सुनते ही बाजार में अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी. पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. सूचना पर एसपी पलाश बंसल पुलिस टीमों के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की. पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. घटना के बाद परिजन और व्यापारी आक्रोशित हो गए, उन्होंने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी. मौके पर पुलिस अफसरों ने सख्त एक्शन लेने की बात कहकर मामले को शांत कराया. घटना के बाद एसपी ने कई टीमों का गठन किया. चारों तरफ से घेराबंदी कर दी और महज दो घंटे में आरोपी 60 वर्षीय असलम को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया. उसके दोनों पैरों में गोली लगी है. पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है. इस दौरान आरोपी चिल्लाता रहा- बाबू जी माफ कर दीजिए, गलती हो गई. पुलिस का कहना है कि आरोपी और मृतक कुछ साल पहले मुंबई में काम करते थे. लौटने के बाद आरोपी मृतक से हिसाब करने को कह रहा था. मृतक सब बराबर हो जाने की बात कह रहा था. इसी को लेकर कहासुनी हुई और गोली मार दी. इसके बाद मौके से भाग निकला. जब पुलिस ने घेराबंदी की और पकड़ने की कोशिश की तो उसने पुलिस पर फायर झोंक दिया. जवाबी कार्रवाई में उसके दोनों पैरों में गोली लगी है. एसपी पलाश बंसल ने घटना की सूचना मिली थी. पुलिस पहुंची तो मौके पर शराब की बोतल व अन्य सामान मिला. इसके बाद पुलिस टीमों ने आरोपी को 2 घंटे के भीतर मुठभेड़ में अरेस्ट कर लिया. आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी है. उसका इलाज चल रहा है. पीड़ित परिवार से तहरीर लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

दिल्ली के पंजाबी बाग और लक्ष्मीनगर में भीषण आग से कोहराम, 100 से ज्यादा झुग्गियां जलकर हुई राख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली : पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग थाना क्षेत्र स्थित शकूरबस्ती और पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर जे एक्सटेंशन इलाके में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिग्रेड मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार, पंजाबी बाग थाना क्षेत्र के शकूरबस्ती इलाके में आग की सूचना दमकल विभाग को करीब 11:15 बजे मिली, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए 16 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन सैकड़ों झुग्गियां जलकर पूरी तरह खाक हो गईं।

दिल्ली में आग का तांडव

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। देखते ही देखते लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी बस्ती को अपनी चपेट में ले लिया। कई परिवारों का

सारा सामान जलकर राख हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया और कड़ी मेहनत के बाद स्थिति को नियंत्रण में लाया। स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और राहत और बचाव कार्य में सहयोग किया।

पंजाबी बाग और लक्ष्मी नगर की घटना

स्थानीय निवासी ने बताया कि मैं काम के सिलसिले में बाहर गया था। जब लौटा तो सब कुछ जलकर राख हो चुका था। अब हमारे पास कुछ भी नहीं बचा है। इस हादसे के बाद प्रभावित परिवारों के सामने रहने और खाने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। पंजाबी बाग के डीसीपी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गई थीं। फिलहाल आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। लक्ष्मीनगर में ट्रांसफॉर्मर में आग से बिगड़े हालात वहीं, पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर जे एक्सटेंशन इलाके में भी एक ट्रांसफार्मर में आग लगने की घटना सामने आई, जो पास की चार इमारतों तक फैल गई। इस घटना में आठ दमकल गाड़ियों को तैनात किया गया। दमकल अधिकारियों के अनुसार, करीब 14 फ्लैट प्रभावित हुए हैं, हालांकि यहां भी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। किसी के हताहत होने की खबर नहीं सहायक मंडल अधिकारी राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि शुरुआत में, हमें ट्रांसफार्मर में आग लगने की रिपोर्ट करने वाले फोन आए थे। असल में, हमें अलग-अलग जगहों से कई फोन आए और कुछ लोगों ने तो अपने निजी मोबाइल फोन से भी फोन किया। पहला फोन लगभग 12:45 बजे आया। शुरुआत में, चार फायर टेंडर भेजे गए। हालांकि, मौके पर पहुंचने और यह देखने के बाद कि आग ट्रांसफार्मर से फ्लैट तक फैल गई थी, स्थिति को अपग्रेड कर दिया गया। आग पर काबू पा लिया गया, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

सेलम डिवीजन की महिला लोको पायलट से छेड़खानी, अकेला देख सीनियर ने किया बैड टच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अपनी शुरुआती शिकायत में महिला ने आरोप लगाया था कि ओरिएंटेशन कोर्स की परीक्षा के दौरान उसे अकेला पाकर सेल्वराज ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया. इसी आधार पर सेलम के सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ने ICC का गठन किया. पीड़ित महिला ने समिति को बताया कि परीक्षा पूरी होने के बाद जब वह घर लौटी तो सेल्वराज ने उसे फोन किया और अपने किए के लिए माफी मांगी. उसने कहा कि ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी और महिला से इस घटना को 'भूल जाने' का अनुरोध किया.

आरोप सिद्ध होने पर भी नहीं हुई आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई

महिला द्वारा जमा की गई कॉल रिकॉर्डिंग के ज़रिए इन दावों की पुष्टि करते हुए समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सेल्वराज ने सभी आरोपों को पूरी तरह से स्वीकार कर लिया है. रिपोर्ट में कहा गया कि ICC का मानना है कि टी. सेल्वराज (CLI/ED) के खिलाफ लगाए गए आरोप सिद्ध होते हैं. ICC ने सेल्वराज का तबादला सेलम डिवीजन के इरोड डिपो से करने और भविष्य में इसी तरह के दुराचार या शिकायतें सामने आने पर सख्त कार्रवाई की कड़ी चेतावनी जारी करने की सिफारिश की. ICC द्वारा की गई तथ्य-खोज जांच की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए दक्षिणी रेलवे ने आरोपी कर्मचारी का तबादला कोयंबटूर कर दिया और भविष्य में इसी तरह के दुराचार की पुनरावृत्ति होने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी जारी की. समिति ने कार्यस्थल पर सुरक्षा, पारदर्शिता और निगरानी को बेहतर बनाने के लिए कार्यालय परिसर के भीतर उपयुक्त स्थानों पर CCTV कैमरे लगाने की भी सिफारिश की. अपनी अपील में महिला ने समिति की सिफ़ारिशों पर गंभीर आपत्तियां उठाते हुए कहा कि अपराध साबित होने के बाद भी अपराधी को केवल चेतावनी देना, अपने आप में काफ़ी तकलीफ़देह है.ICC पर इस मामले को हल्के में लेने का आरोप लगाते हुए महिला ने कहा कि उन्हें जिस उत्पीड़न का सामना करना पड़ा,

दिल्ली में चली तबादला एक्सप्रेस, तीन असिस्टेंट कमिश्नर सहित 162 अधिकारी-कर्मचारियों का तबादला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भ्रष्टाचार, लापरवाही और प्रशासनिक अनियमितताओं को देखते हुए ट्रेड ऐंड टैक्सेस (जीएसटी) विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। उन्होंने विभाग में तीन साल से भी अधिक समय से जमे हुए तीन असिस्टेंट कमिश्नर समेत कुल 162 अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला कर दिया है। उन्होंने यह कार्रवाई बीते स8 अप्रैल को आईटीओ स्थित स्टेट जीएसटी कार्यालय के औचक निरीक्षण के दौरान मिली गंभीर अनियमितताओं के बाद की है।

क्यों की गई कार्रवाई?

मुख्यमंत्री के आदेश के बाद हाई तबादले की कार्रवाई में ग्रेड 1 के 58 सेक्शन ऑफिसर, ग्रेड-2 के 22 असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर, ग्रेड-3 के 74 सीनियर असिस्टेंट और ग्रेड- 4 के 5 जूनियर असिस्टेंट शामिल हैं। इसके अलावा 3असिस्टेंट कमिश्नर शामिल हैं।

यह लंबे समय से इसी विभाग में जमे हुए थे। इसलिए सीएम ने उन पर तबादले की यह कार्रवाई की है। उन्होंने आफिस में सभी स्तर के अधिकारियों की बायोमैट्रिक हाजिरी भी अनिवार्य की है।

सीएम रेखा गुप्ता ने क्या कहा?

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दिल्ली में प्रचंड गर्मी! रेखा गुप्ता सरकार ने स्कूलों से मांगी सेफ्टी रिपोर्ट, डेडलाइन भी दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली. में बढ़ती गर्मी को देखते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्कूलों को हीटवेव से बचाव के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं. स्कूलों को सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने, वॉटर बेल सिस्टम लागू करने और जागरूकता कक्षाएं आयोजित करने के लिए कहा गया है. दिल्ली में तापमान में बढ़ोतरी की आशंका के बीच, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्कूलों में हीटवेव से निपटने की तैयारियों को मजबूत करने के लिए नए निर्देश जारी कर दिए हैं. यह कदम भारतीय मौसम विभाग (IMD) की येलो अलर्ट के बाद उठाया गया है,

जिसमें राजधानी में भीषण गर्मी की आशंका जताई गई है. CM रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी करते हुए कहा कि सभी स्कूलों (सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी) को 2 मई तक शिक्षा निदेशालय को कंप्लायंस रिपोर्ट सौंपनी होगी. इस रिपोर्ट में यह सुनिश्चित करना होगा कि भारतीय मौसम विभाग की ओर से जारी हीटवेव सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन किया जा रहा है.

नए निर्देशों के तहत स्कूलों को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है. इसमें सुरक्षित पीने के पानी की लगातार उपलब्धता और हीट से जुड़ी सावधानियों की निगरानी के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति शामिल है.

स्कूलों को अपनी रोजाना की टाइम-टेबल में बदलाव करने के लिए भी कहा गया है, ताकि बच्चों को कम से कम गर्मी का सामना करना पड़े. आउटडोर असेंबली को घटाने या इनडोर आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं. साथ ही, हीटवेव के चलते बाहर होने वाली शैक्षणिक और शारीरिक गतिविधियां फिलहाल रोक दी गई हैं. इसके अलावा, छात्रों में डिहाइड्रेशन से बचाव के लिए वॉटर बेल सिस्टम लागू किया गया है, जिसके तहत हर 45 से 60 मिनट में पानी पीने के लिए नियमित ब्रेक दिए जाएंगे.

माता-पिता को भी दी जाएगी जानकारी

स्कूलों में बच्चों को जागरूक करने पर भी जोर दिया गया है. इसके तहत छोटी-छोटी जागरूकता कक्षाएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें बच्चों को हीट से जुड़ी समस्याओं के शुरुआती लक्षण पहचानने और बेसिक फर्स्ट-एड के बारे में जानकारी दी जाएगी.

निगरानी बेहतर करने के लिए बडी सिस्टम शुरू किया गया है. इसमें बच्चों का जोड़ा बनाया जाएगा, ताकि वे एक-दूसरे में थकान या पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) के संकेत पहचान सकें.

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने नागपुर में मोहन भागवत के सामने कहा, चार बच्चे पैदा करो, एक RSS को दे दो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री हमेशा अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। इस बार फिर उन्होंने एक ऐसा बयान दिया जिसका वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है। नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पूरे भारत को हम एक बात कहना चाहते हैं। पूरे भारत में कही आपदा आती है तो लोग प्राण बचाकर भागते हैं, लेकिन हमारे आरएसएस का एक-एक कार्यकर्ता प्राण बचाकर नहीं भागता है, वहां जाकर प्राण बचाता है। यह है आरएसएस। हम पूरे भारत से प्रार्थना करेंगे बच्चे तो चार पैदा करो एक आरएसएस को दो ताकि दूसरों को बचाने के काम करेंगे।

मोहन भागवत से कही ये बात

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जमकर तारीफ की। इसके बाद वो मोहन भागवत की और देखकर बोलते हैं कि हम चाहते हैं आप ऐसे ही मुस्कराते रहो। ताकि जल्दी अखंड भारत हो जाए तो आनंद आ जाएगा। वैसे भरोसा है आपके होते हुए कुछ बड़ा होगा। बालाजी आपसे कुछ बड़ा करवाएंगे। दरअसल इस कार्यक्रम में संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत खुद मौजूद थे। साथ ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस,केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित कई साधु संत भी मौजूद थे। चार बच्चे पैदा करें और उनमें से एक को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए समर्पित करें। धीरेंद्र शास्त्री

शिवाजी महाराज को लेकर भी बड़ा बयान दिया

इस दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज युद्ध करते-करते थक गए थे। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि वे समर्थ रामदास स्वामी के पास गए और कहा कि अब युद्ध नहीं करना चाहते और मुकुट एवं सत्ता सौंपना चाहते हैं। जिस पर रामदास स्वामी ने कहा कि शिष्य का कर्तव्य गुरु के आदेशों का पालन करना होता है, इसलिए सत्ता आप ही संभालें। इससे पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज बयान दिया था कि सनातन धर्म के ऊपर बहुत बड़ा संकट है और सभी सनातनियों को एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का लक्ष्य बहुत कठिन है और ये लक्ष्य बलिदान मांगता है।

BJP के लिए बनाया अड्डा और क्क्के लिए खोदा नाम है राघव शिवसेना यूबीटी प्रवक्ता आनंद दुबे का तंज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। राज्यसभा सांसद राघव समेत कई सांसदों के आम आदमी पार्टी को छोड़कर बीजेपी में शामिल होने पर सियासी बायनबाजी तेज है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रवक्ता आनंद दुबे ने शायराना अंदाज में तंज कसा। शिवसेना (यूबीटी) प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि जिन्होंने बीजेपी के लिए बना दिया नया अड्डा और 'आप' के लिए खोद दिया उनका नाम है राघव बीजेपी ने देश में ऐसा माहौल बना दिया है कि उन्हें विपक्ष चाहिए ही नहीं। अगर 10 में से सात राज्यसभा सांसद 'आप' में से बीजेपी में शामिल हो गए, तो उनके पास बचा क्या? उनकी पार्टी आम आदमी के लिए बनी थी। लेकिन अगर उनके सदस्य ही राज्यसभा सांसद ही खास आदमी हो गए और सभी बीजेपी में चले गए तो सवाल हमसे नहीं, बीजेपी से बनता है।

सपा और कांग्रेस का भी होगा ये हाल उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी में क्या चल रहा है और क्या नहीं चल रहा है, यह तो वही बताएंगे। लेकिन जिस प्रकार के ऑपरेशन लोटस के बारे में हमने सुना था, 2022 में हमारी शिवसेना को तोड़कर कैसे दो शिवसेना बनाई गई, कैसे कई सारे सांसद और विधायक चले गए, वही आज आम आदमी पार्टी में हो रहा है और कल समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में होगा। बीजेपी को विपक्ष-मुक्त भारत चाहिए। केजरीवाल अपनी पार्टी संभाल नहीं पा रहे हैं। वो जिन नीतियों को लेकर आए थे, अगर उस पर खरे उतरते तो आज यह दिन देखना नहीं पड़ता। आनंद दुबे मराठी आने वाला फरमान हर किसी को जारी हो आनंद दुबे ने मराठी भाषा के मुद्दे पर कहा कि महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने रिक्शा और ऑटो चालकों को मराठी आने वाला जो फरमान दिया है। मेरा कहना है कि यह सभी को आना चाहिए। बॉलीवुड एक्टर और बड़े-बड़े उद्योगपतियों को भी आना चाहिए। हमारी मांग है कि मुंबई में अगर कोई फ्लैट खरीदता है, तो उसका रजिस्ट्रेशन उसी को दिया जाए, जिसे मराठी बोलने, लिखने और समझने आता हो। बल्कि मराठी का छोटा सा एग्जाम हो। सिर्फ रिक्शा और टैक्सी वाले ही क्यों, सभी को मराठी सीखनी चाहिए। बंगाल में हुए बंपर मतदान पर क्या कहा उन्होंने पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक वोटर टर्नआउट पर कहा कि ज्यादा वोटिंग सरकार बदलने के लिए होती है, लेकिन यह भी हो सकता है कि सरकार बचाने के लिए वोटिंग हो रही हो। ज्यादा वोटिंग एसआईआर का खेल है। हालांकि पश्चिम बंगाल में कांटे की टक्कर है और 4 मई को ही साफ हो पाएगा कि जनता ने क्या रुख अपनाया है।

शादी के इन्विटेशन पर दूल्हा-दुल्हन की बर्थ डेट लिखना जरूरी, महाराष्ट्र पैनल ने दिया सुझा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई : महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बाल विवाह पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से राज्य सरकार को यह सिफारिश करने का निर्णय लिया है कि शादी के निमंत्रण पत्रों पर दूल्हा-दुल्हन की जन्मतिथि का उल्लेख अनिवार्य किया जाए। आयोग ने कहा कि बाल विवाह तथा बाल यौन शोषण को रोकने के लिए पूरे राज्य में जागरुकता अभियान को तेज किया जाना चाहिए। आयोग ने राजस्थान की तर्ज पर शादी कार्ड पर दूल्हा और दुल्हन की जन्मतिथि अनिवार्य रूप से छापने की सिफारिश करने का भी फैसला किया है। बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य संजय लाखे पाटिल ने बताया कि सोलापुर जिले में नाबालिग लड़कियों के मां बनने के संदिग्ध मामलों की संयुक्त जांच के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने इस मामले को बाल अधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताया। बैठक के बाद फैसला संजय विष्णु पुराणिक की अध्यक्षता में 23 अप्रैल को हुई सुनवाई में आयोग ने मामलों की समीक्षा की और जिला प्रशासन को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पाटिल ने कहा कि यह मामला अत्यंत संवेदनशील और चिंताजनक है और इसमें तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार कुछ मामलों में बाल विवाह और यौन शोषण के संकेत मिले हैं,

अर्धनग्न हालत में चौकी में ही जाम छलका रहे थे गुना ASI, वीडियो देख भड़क गईं स्क्कहितिका वासल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। जिले के मृगवास थाना अंतर्गत बांसाहेड़ा पुलिस चौकी एक बार फिर विवादों के केंद्र में है। सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहे एक वीडियो ने पुलिस महकमे में हडकंप मचा दिया है। इस वीडियो में चौकी प्रभारी एएसआई जगदीश जाटव पुलिस चौकी परिसर के भीतर ही आपत्तिजनक और अर्धनग्न स्थिति में नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली और अनुशासन पर गंभीर सवालिया निशान लग गए हैं। चौकी परिसर के भीतर नशे में धुत होने का आरोप प्रत्यक्षदर्शियों और वायरल वीडियो के हवाले से बताया जा रहा है कि वीडियो उस समय का है जब एएसआई जाटव चौकी के ही एक कक्ष में मौजूद थे। आरोप है कि वे शराब के नशे में इतने धुत थे कि उन्हें अपनी वर्दी और पद की गरिमा का भी ख्याल नहीं रहा। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है, जब बांसाहेड़ा चौकी प्रभारी विवादों में आए हों। क्षेत्र में चर्चा है कि संबंधित अधिकारी पूर्व में भी एनडीपीएस के मामलों में लोगों पर दबाव बनाने, डराने-धमकाने और अवैध वसूली जैसी गतिविधियों में शामिल रहे हैं। हालांकि इन भ्रष्टाचार संबंधी आरोपों की पुष्टि विभागीय जांच के बाद ही हो पाएगी। विभाग की छवि पर लगा दाग जैसे ही यह वीडियो स्थानीय व्हाट्सएप ग्रुपों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैला। पुलिस के उच्च अधिकारियों तक मामला पहुंच गया। आम जनता में इस घटना को लेकर काफी आक्रोश है और लोग अनुशासनहीनता बरतने वाले अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि पुलिस अधीक्षक लगातार जिले में पुलिस की छवि सुधारने और गलत कार्यों में लिप्त कर्मियों पर गाज गिराने का काम कर रही हैं, ऐसे में इस घटना ने विभाग की साख को बट्टा लगाया है। अशोभनीय आचरण पर तत्काल लाइन हाजिर पुलिस विभाग की छवि धूमिल करने और घोर अनुशासनहीनता बरतने के मामले में गुना पुलिस अधीक्षक हितिका वासल ने कड़ा रुख अपनाया है। बांसाहेड़ा चौकी प्रभारी जगदीश जाटव का आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने के चंद घंटों के भीतर ही एसपी ने आदेश जारी कर उन्हें तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन, गुना संबद्ध कर दिया है। जारी आदेश में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि चौकी प्रभारी का परिसर में अशोभनीय स्थिति में पाया जाना पुलिस विभाग की गरिमा के विरुद्ध है। वीडियो मेरे संज्ञान में आया है। पुलिस विभाग में अनुशासनहीनता और अशोभनीय आचरण के लिए कोई जगह नहीं है। संबंधित अधिकारी को लाइन हाजिर कर दिया गया है और SDOP को प्राथमिक जांच के निर्देश दिए हैं। जो भी दोषी होगा, उस पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। हितिका वासल, पुलिस अधीक्षक , गुनाजांच के आदेश भी जारी मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चांचौड़ा को पूरे घटनाक्रम और वायरल वीडियो की प्राथमिक जांच के निर्देश दिए हैं।

अस्पताल के बाहर पंचर खड़ी थी एंबुलेंस, 100 KM दूर से आई दूसरी, 5 घंटे इंतजार कर गर्भवती ने तोड़ा दम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छिंदवाड़ा। जिले के तामिया ब्लॉक से एक बेहद दुखद और चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां समय पर एम्बुलेंस न मिलने और स्वास्थ्य सुविधाओं की लापरवाही के कारण एक गर्भवती महिला की जान चली गई। घटना टॉपरवानी गांव की है, जिसने एक बार फिर ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल दी है।

प्रसव पीड़ा के बाद शुरू हुआ संघर्ष

गुरुवार को टॉपरवानी निवासी शारदा उइके, पति देवी सिंह उइके को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों ने तुरंत जननी 108 एम्बुलेंस को कॉल किया, लेकिन उन्हें जवाब मिला कि चावलपानी में एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं है। PHC के सामने खड़ी थी पंचर एम्बुलेंस हैरानी की बात यह रही कि

चावलपानी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने ही जननी एक्सप्रेस एम्बुलेंस पंचर हालत में खड़ी थी। समय रहते उसे ठीक नहीं कराया गया, जिससे आपात स्थिति में उसका उपयोग नहीं हो सका।

100 किमी दूर से आई एम्बुलेंस

इसके बाद पगारा से एम्बुलेंस भेजी गई, जो करीब 100 किलोमीटर दूर से 4 से 5 घंटे में गांव पहुंची। तब तक महिला की घर पर ही डिलीवरी हो चुकी थी। महिला के पति ने आरोप लगाया कि पगारा से आई एम्बुलेंस में ऑक्सीजन की व्यवस्था भी नहीं थी। बाद में चावलपानी स्वास्थ्य केंद्र से ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था की गई और महिला को तामिया रेफर किया गया।

108 में ही होता रहा इलाज

जब महिला को चावलपानी स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, तो उसे एम्बुलेंस से नीचे तक नहीं उतारा गया। जननी एक्सप्रेस में मौजूद नर्स ने करीब 2 घंटे तक 108 एम्बुलेंस में ही प्राथमिक उपचार दिया और डॉक्टर से फोन पर सलाह लेकर इलाज करती रहीं। हालत गंभीर होने पर महिला को तामिया रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मामला मेरे संज्ञान में आया है और यह बेहद गंभीर है। एम्बुलेंस का पंचर होना और ऑक्सीजन की कमी जैसे बिंदुओं पर जानकारी ली जा रही है।

IMD ने जारी किया येलो अलर्ट, सोमवार से बदलेगा मौसम

दिल्ली। इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है. शुक्रवार को मौसम ने इस सीजन की पहली हीटवेव दर्ज की है. राजधानी के कई हिस्सों में तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे जनजीवन प्रभावित होने लगा है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने इसके मद्देनजर शनिवार के लिए भी येलो अलर्ट जारी किया है और चेतावनी दी है कि हालात अभी कुछ और दिनों तक ऐसे ही बने रह सकते हैं. हालांकि, दिल्ली के प्रमुख मौसम केंद्र सफदरजंग में आधिकारिक तौर पर हीटवेव दर्ज नहीं की गई, लेकिन शहर के अन्य दो स्टेशनों पर स्थिति गंभीर रही. लोदी रोड और रिज स्टेशन पर तापमान ने हीटवेव की श्रेणी को पार कर लिया. सफदरजंग में अधिकतम तापमान 41.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक था. वहीं न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस रहा. दूसरी ओर लोदी रोड में तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 4.8 डिग्री अधिक) और रिज में 43.1 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 4.7 डिग्री अधिक) दर्ज हुआ. ढ्ढरूष्ठ के अनुसार, किसी भी स्टेशन पर जब अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो और सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री अधिक हो, तो उसे हीटवेव माना जाता है. दिन में लू और रातें गर्म, दिल्ली में इस हफ्ते गर्मी से नहीं मिलेगी राहत ढ्ढरूष्ठ ने शुक्रवार के लिए जारी येलो अलर्ट को शनिवार के लिए भी जारी रखा है. विभाग के

अनुसार, दिल्ली के कुछ हिस्सों में हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है. मौसम विभाग ने यह भी बताया कि दिन के समय 15-25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जो कभी-कभी 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं.

सोमवार से मौसम में बदलाव के संकेत

हालांकि सोमवार से आसमान में बादल छाने लगेंगे और मंगलवार को बहुत हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है. इसके बाद तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आने की संभावना है.

E-FIR से आरोपियों के नाम हटाने पर पुलिस को फटकार, जस्टिस बीपी शर्मा बोले- बयान दर्ज करो तो वीडियो भी बनाओ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर: डिजिटल इंडिया के दौर में ई-एफआईआर की सुविधा इसलिए दी गई थी ताकि आम जनता को पुलिस थानों के चक्कर न काटने पड़ें, लेकिन मध्य प्रदेश पुलिस ने इसे अपनी पसंद-नापसंद का जरिया बना लिया। जबलपुर हाईकोर्ट ने भोपाल की डॉ. अंजलि मिश्रा की याचिका पर सुनवाई करते हुए पुलिस की इस कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मामला इतना गंभीर हो गया कि कोर्ट ने अब बयान दर्ज करने के दौरान वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य कर दी है ताकि खाकी अपनी कलम से सच को दबा न सके।

क्या है पूरा मामला?

भोपाल की डॉ. अंजलि मिश्रा ने कुछ रसूखदार पदाधिकारियों के खिलाफ ई-एफआईआर दर्ज कराई थी। उनकी शिकायत में कई आरोपियों के नाम स्पष्ट रूप से दर्ज थे। लेकिन, जब पुलिस ने असल में केस दर्ज किया, तो खेल हो गया। पुलिस ने सिलेक्टिव अप्रोच अपनाते हुए केवल कुछ ही लोगों को आरोपी बनाया और बाकी के नाम गायब कर दिए। आरोप है कि ऐसा पुलिस ने केस को कमजोर करने और रसूखदारों को बचाने के लिए किया। कोर्ट में पुलिस की खिंचाई याचिकाकर्ता की ओर से

वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद अली ने कोर्ट को बताया कि घटना के इतने समय बाद भी पुलिस ने धारा 161 CrPC (पुलिस द्वारा गवाहों की जांच) के तहत पीड़िता के बयान तक दर्ज नहीं किए हैं। जस्टिस बीपी शर्मा की एकलपीठ ने इसे पुलिस की घोर लापरवाही माना। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए राज्य सरकार से विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। जब भी याचिकाकर्ता का बयान दर्ज किया जाए, वह वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ होना चाहिए, ताकि प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे। पुलिस अपनी मर्जी से आरोपियों को चुन नहीं सकती। जस्टिस बीपी शर्मा, मप्र हाईकोर्ट (आदेश का सारांश)

पारदर्शिता के लिए वीडियो का पहरा कोर्ट ने इस मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक ऐतिहासिक निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि जब भी याचिकाकर्ता के बयान दर्ज किए जाएं, उसकी पूरी वीडियो रिकॉर्डिंग की जाए। यह आदेश इसलिए महत्वपूर्ण है

गुना में बिना नंबर की थार के अंदर चल रहा था आईपीएल सट्टा, पुलिस ने दबोचे कुख्यात बदमाश, करोडों का हिसाब मिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। आईपीएल के रोमांच के बीच सट्टे का अवैध कारोबार करने वाले माफियाओं के विरुद्ध गुना पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी और प्रभावी कार्यवाही को अंजाम दिया है। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के कुशल नेतृत्व में धरनावदा थाना पुलिस और सायबर सेल की संयुक्त टीम ने एक बिना नंबर की थार गाड़ी में बैठकर ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्यवाही में पुलिस ने जिला बदर कुख्यात बदमाश विकास पाटिल और उसके दो साथियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

हाईवे पर मिडवे ट्रीट के पास घेराबंदी पुलिस को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि धरनावदा थाना क्षेत्र के अंतर्गत रूठियाई चौकी क्षेत्र में हाईवे पर स्थित मिडवे ट्रीट के पास कुछ

संदिग्ध व्यक्ति एक बिना नंबर की थार कार में बैठकर मोबाइल के जरिए आईपीएल मैचों पर दांव लगवा रहे हैं। सूचना की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी ने तत्काल डीएसपी आनंद राय के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की। पुलिस ने जब मौके पर घेराबंदी की, तो कार में सवार आरोपी भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन मुस्तैद जवानों ने उन्हें चारों तरफ से घेरकर दबोच लिया।

मोबाइल में मिलीं सट्टे की आईडी

पकड़े गए आरोपियों की पहचान विकास पाटिल बलवंत नगर, दिव्यांशु उर्फ नैनो विकास नगर और शुभम उर्फ टीआई जाट मोहल्ला के रूप में हुई है। आरोपियों के मोबाइल की जांच करने पर उनमें कई ऑनलाइन सट्टा वेबसाइट्स और आईडी संचालित मिलीं। पूछताछ में पता चला कि ये लोग विभिन्न जिलों के व्यक्तियों को आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराकर बड़े पैमाने पर सट्टा खिला रहे थे। पुलिस ने मौके से 3.50 लाख के 4 मोबाइल, 31,700 रुपये नगद और 20 लाख की थार कार सहित कुल 24 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया है। सट्टा और अवैध गतिविधियों के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है। जिला बदर नियमों का उल्लंघन करने वालों और सट्टा माफियाओं को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। यह कार्रवाई केवल शुरुआत है। गुना पुलिस प्रशासन (आधिकारिक पक्ष)

कुख्यात अपराधी हैं विकास और दिव्यांशु

पकड़े गए आरोपियों का पुराना आपराधिक इतिहास बेहद डरावना है। आरोपी विकास पाटिल पर हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और धोखाधड़ी जैसे 20 गंभीर प्रकरण दर्ज हैं। उसे मई 2025 में एक साल के लिए जिला बदर किया गया था, लेकिन उसने आदेश का उल्लंघन कर अपराध जारी रखा। वहीं, दिव्यांशु उर्फ नैनो पर भी 17 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मोहन सरकार का अन्नदाता को मेगा गिफ्ट, ग्रामीण कृषि भूमि का फैक्टर हुआ '2', अब मिलेगा 4 गुना तक मुआवजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल: मध्य प्रदेश में अब किसी भी सरकारी प्रोजेक्ट के लिए जमीन देना किसानों के लिए घाटे का सौदा नहीं होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों की कृषि भूमि के अधिग्रहण मामले में 'फैक्टर 1' को समाप्त कर 'फैक्टर 2' लागू करने का बड़ा फैसला किया है। यह केवल एक तकनीकी बदलाव नहीं है, बल्कि किसानों की आय को सीधे तौर पर दोगुना करने वाला कदम है।

क्या है यह 'फैक्टर' का गणित?

अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण के समय बाजार मूल्य (कलेक्टर गाइडलाइन) को 1 से गुणा किया जाता था, जिससे किसानों को पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाता था। लेकिन अब 'फैक्टर 2' होने से गणना का आधार दोगुना हो जाएगा। सरल शब्दों में कहें तो, सोले नियम के अनुसार अब किसानों को उनकी जमीन की बाजार दर से 4 गुना तक मुआवजा मिलना सुनिश्चित होगा। हमारी सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों को विकास में भागीदार बनाने के लिए हमने फैक्टर-2 लागू करने का निर्णय लिया है। अब हमारे अन्नदाता को उनकी मेहनत की जमीन का हक बाजार दर से चार गुना ज्यादा मिलेगा। डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश

किन किसानों को मिलेगा सीधा लाभ?

मुख्यमंत्री का यह फैसला 24 अप्रैल 2026 की समय सीमा के साथ आया है। यह प्रावधान उन सभी मामलों पर लागू होगा जिनमें 24 अप्रैल 2026 तक अंतिम अवार्ड पारित नहीं किया गया है। यानी जिन परियोजनाओं की प्रक्रिया अभी चल रही है, उन हजारों किसानों को अब बढ़ी हुई राशि मिलेगी। इससे सिंचाई परियोजनाओं, सड़कों, पुलों और रेलवे लाइनों के लिए जमीन देने वाले परिवारों को अपनी नई जमीन खरीदने और समृद्ध होने में आसानी होगी। मंत्रियों की उप-समिति ने तैयार की थी जमीन यह फैसला अचानक नहीं लिया गया। इसके पीछे मंत्री तुलसीराम सिलावट, राकेश सिंह और चेतन्य कुमार काश्यप की उप-समिति का गहरा अध्ययन है। समिति ने FICCI, क्रेडाई और विभिन्न किसान संगठनों से चर्चा की और अन्य राज्यों की नीतियों को परखा।

हर ऐप पर अलग पासवर्ड, TCS के आरोपी दानिश शेख के मोबाइल में लगा एडवांस सिक्योरिटी सिस्टम,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नासिक। में TCS केस की जांच के दौरान एक बड़ा तकनीकी मोड़ सामने आया है, जहां आरोपी दानिश शेख के हाई सिक्योर मोबाइल ने पुलिस और फोरेंसिक टीम की जांच को काफी मुश्किल में डाल दिया था. मामला अब और आगे बढ़ते हुए आरोपी को सीधे फोरेंसिक साइंस लैब ले जाने तक पहुंच गया है. जानकारी के अनुसार, आरोपी दानिश शेख ने अपने मोबाइल में बेहद एडवांस सिक्योरिटी सिस्टम लगाया हुआ था. मोबाइल की हर एप्लीकेशन और हर फाइल के लिए अलग-अलग पासवर्ड सेट किए गए थे. इसके अलावा Face ID सिक्योरिटी भी लागू थी, जिससे बिना उसकी अनुमति के मोबाइल का डेटा एक्सेस करना लगभग नामुमकिन हो गया था. पुलिस जांच में सामने आया कि मोबाइल में मौजूद डेटा केस से जुड़े कई अहम सबूतों को उजागर कर सकता है, लेकिन तकनीकी सुरक्षा इतनी मजबूत थी कि सामान्य तरीके से डेटा निकालना संभव नहीं हो पा रहा था. इसी कारण फोरेंसिक टीम को भी लगातार कठिनाई का सामना करना पड़ा. नासिक की रीजनल फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी में जब मोबाइल का तकनीकी विश्लेषण शुरू किया गया, तो विशेषज्ञों को भी डिवाइस को अनलॉक करने में समस्या आने लगी. हर बार पासवर्ड और फेस लॉक सिस्टम जांच को रोक देता था, जिससे जांच की प्रक्रिया धीमी पड़ गई. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कोर्ट में आवेदन किया और अनुमति मांगी कि आरोपी को स्वयं फोरेंसिक लैब लाया जाए ताकि फेस आईडी के माध्यम से मोबाइल अनलॉक किया जा सके. कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद आरोपी दानिश शेख को फोरेंसिक साइंस लैब ले जाया गया. फोरेंसिक टीम अब आरोपी के फेस आईडी का इस्तेमाल कर मोबाइल को अनलॉक करने की प्रक्रिया में जुटी हुई है. माना जा रहा है कि मोबाइल खुलते ही केस से जुड़े कई महत्वपूर्ण डिजिटल सबूत सामने आ सकते हैं, जो जांच की दिशा बदल सकते हैं.

अशोक खारत के बाद नासिक में एक और गॉडमैन अरेस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अशोक खरात। महाराष्ट्र में चर्चित स्वयंभू गॉडमैन अशोक खरात से जुड़े मामले की चर्चा अभी थमी भी नहीं थी कि नासिक से एक और चौंकाने वाला मामला सामने आ गया है. यहां एक स्वयंभू गॉडमैन को यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने आरोपी की पहचान महेशगिरी उर्फ महेश काकड़े उम्र 31 वर्ष के रूप में की है. आरोपी को 28 वर्षीय महिला से दुष्कर्म और यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है और कोर्ट ने उसे पुलिस कस्टडी में भेज दिया है. पारिवारिक समस्या के बहाने पहुंची थी पीड़िता पीड़िता अपने पारिवारिक समस्याओं से परेशान थी. उसके माता-पिता उसे 2024 में नासिक मौजूद एक मठ लेकर गए थे, जहां उसकी मुलाकात आरोपी से हुई. आरोपी ने खुद को दिव्य शक्तियों वाला बताकर महिला को भरोसे में लिया. उसने दावा किया कि उसके पास अलौकिक शक्तियां हैं और वह हर समस्या का समाधान कर सकता है. इसके बाद उसने महिला को बुरी शक्तियों के प्रभाव में बताकर कई धार्मिक क्रियाएं करवाने के लिए मजबूर किया. कुछ समय बाद आरोपी ने महिला को अश्लील और आपत्तिजनक संदेश भेजने शुरू कर दिए. धीरे-धीरे उसने उसका यौन शोषण किया और एक लॉज में ले जाकर दुष्कर्म किया. इस दौरान उसने महिला की आपत्तिजनक तस्वीरें भी लीं. पीड़िता लंबे समय तक डर और सामाजिक दबाव में चुप रही. बाद में अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के कार्यकर्ताओं ने उसे भरोसे में लेकर हिम्मत दी, जिसके बाद उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई.

इंस्टाग्राम-टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर हो रही नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री

-खास कोडवर्ड का हो रहा इस्तेमाल, आम लोगों व एजेंसियों का समझा मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिजिटल युग में जहां सोशल मीडिया लोगों को जोड़ने का माध्यम है, वहीं अब यह नशे की तस्करी का नया केंद्र बनता जा रहा है। इंस्टाग्राम और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री का नेटवर्क तेजी से फैल रहा है, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। तस्कर सोशल मीडिया का इस्तेमाल ग्राहकों तक पहुंच बनाने के लिए कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खासकर इंस्टाग्राम पेज और टेलीग्राम ग्रुप्स के जरिए नशे को आकर्षक तरीके से पेश किया जा रहा है। कई मामलों में ड्रग्स को चॉकलेट या कैंडी जैसे रूप में दिखाकर युवाओं को लुभाया जा रहा है, जिससे पहली बार इस्तेमाल करने वालों को भी जाल में फंसाया जा सके। इस अवैध कारोबार में पहचान छिपाने के लिए खास कोडवर्ड का इस्तेमाल हो रहा है। ये कोडवर्ड्स ऐसे बनाए जाते हैं कि आम लोगों या एजेंसियों के लिए उन्हें समझ पाना आसान न हो। इससे तस्कर आसानी से निगरानी से बच निकलते हैं। भुगतान के तरीकों में भी बड़ा बदलाव आया है। पारंपरिक नकद लेनदेन की जगह अब क्रेप्टोकरंसी और ई-वॉलेट का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे लेन-देन का पता लगाना मुश्किल हो जाता है और तस्करी का नेटवर्क ज्यादा सुरक्षित और गुप्त बन जाता है। इस नेटवर्क का सबसे बड़ा निशाना युवा वर्ग है। सोशल मीडिया के जरिए नए और कम उम्र के लोगों तक आसानी से पहुंच बनाकर उन्हें नशे की दुनिया में धकेला जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। एनसीबी और पुलिस सोशल मीडिया आधारित नेटवर्क पर नजर बनाए हुए हैं और डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए तस्करों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। 2026 के शुरुआती तीन महीनों में एनसीबी द्वारा 73 तस्करों को दोषी ठहराया जाना इस दिशा में की जा रही सख्त कार्रवाई को दर्शाता है। इसके साथ ही सरकार और एजेंसियां युवाओं को जागरूक करने के लिए अभियान भी चला रही हैं, ताकि वे इस खतरे से बच सकें। विशेषज्ञों का मानना है कि इस नई चुनौती से निपटने के लिए उन्नत तकनीक, बेहतर खुफिया तंत्र और सामाजिक जागरूकता तीनों की जरूरत है।

350 से ज्यादा भवनों पर नोटिस चिपका, अवैध निर्माण पर चलेगा बुलडोजर

-सीलिंग विवाद के बीच कई महिलाएं 15 दिनों से धरने पर बैठीं

मेरठ (एजेंसी)। यूपी के मेरठ स्थित सेंट्रल मार्केट पिछले कई दिनों से चर्चा में है। बीते 9 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आवास एवं विकास परिषद ने 44 दुकानों को सील कर दिया था। इस दौरान अफरातफरी के बीच एक ट्यापारी को हार्ट अटैक भी आया था। अब एक बार फिर शुक्रवार को पुलिस बल के साथ 350 से ज्यादा भवनों पर हुए अवैध निर्माण के लिए नोटिस चिपका दिया गया है। व्यापारियों को अवैध निर्माण तोड़ने के लिए 15 दिन का समय दिया। इसके बाद बुलडोजर से अवैध निर्माण हटाया जाएगा और इसका खर्च दुकान मालिक से वसूला जाएगा। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में सील की गईं 44 संपत्तियों के अलावा बाकी बची आवासीय संपत्तियों के सेटबैक पर किए गए अवैध निर्माण को दो महीने के अंदर हटाने का आदेश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि कई ट्यापारियों ने खुद से सेटबैक के अवैध निर्माण हटा दिए हैं। पिछले कई महीनें से क्षेत्र में दुकानों पर हथौड़ा चल रहा है। बता दें सेंट्रल मार्केट में सीलिंग विवाद के बीच कई व्यापारी परिवार की महिलाएं 15 दिनों से धरने पर बैठी हैं। शुक्रवार को उनसे मुलाकात करने मेरठ सांसद अरुण गोविल पहुंचे थे। उनके आश्वासन के बाद महिलाओं ने फिलहाल अपना आंदोलन स्थगित कर दिया है। गोविल ने कहा कि सरकार इस मामले को गंभीरता से देख रही है। किसी को भी परेशान होने की जरूरत नहीं है। उनके इस आश्वासन के बाद महिलाओं ने धरना खत्म करने के बजाय अस्थाई रूप से स्थगित करने का निर्णय लिया।

बेटी की शादी कर लौट रहा परिवार हुआ हादसे का शिकार, पति-पत्नी, इकलौते बेटे समेत 5 की मौत

मऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के दोहरीघाट थाना क्षेत्र में शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात एक ऐसा हृदयविदारक सड़क हादसा हुआ, जिसने एक परिवार की शादी की खुशियों को उम्र भर के मातम में बदल दिया। झारखंड के रांची से अपनी लाडली बेटी की शादी संपन्न कराकर वापस गोरखपुर लौट रहे एक ही परिवार के तीन सदस्यों और दो चालकों समेत कुल पांच लोगों की इस दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। हादसा कुसुम्हा-बशारतपुर के पास वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन पर हुआ, जहां एक तेज रफ्तार स्कार्पियो अनियंत्रित होकर डिवाइडर लांघते हुए सामने से आ रहे ट्रेलर से जा टकराई। मृतकों की पहचान गोरखपुर के खोराबार निवासी विनय श्रीवास्तव, उनकी पत्नी अर्चना श्रीवास्तव और उनके 27 वर्षीय इकलौते बेटे कृतार्थ के रूप में हुई है। इनके साथ ही वाहन चला रहे गया निवासी मुख्य चालक पुरुषोत्तम और सहायक चालक नितीश ने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, विनय श्रीवास्तव अपनी बेटी विमन्सा की शादी के लिए 20 अप्रैल को रांची गए थे। विवाह समारोह संपन्न होने के बाद शनिवार को वे किराए की स्कार्पियो से वापस घर लौट रहे थे। आधी रात करीब 2:30 बजे जैसे ही उनकी गाड़ी दोहरीघाट क्षेत्र में पहुंची, अचानक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई और उछलकर दूसरी लेन में चली गई, जहां सामने से आ रहे भारी ट्रेलर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया।

सागर में भीषण हादसा : खदान में साथी को बचाने उतरे 3 युवक डूबे, 1 शव मिला

सागर(एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सागर जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां पत्थर क्रशर की एक खदान के गहरे गड्ढे में नहाते समय तीन युवक डूब गए। अपने एक साथी को पानी में डूबता देख उसे बचाने के लिए दो अन्य दोस्त भी गहरे पानी में कूद गए, लेकिन तीनों ही फंसकर डूब गए। इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है। बहेड़िया पुलिस थाने के अनुसार, यह हादसा हाल ही में गुड़ा गांव में हुआ। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि तनिष कोरी पानी में डूबने लगा, जिसे बचाने के लिए अभिषेक उर्फ अड्डा और तेजराम पटेल कूदे। गहरे पानी में फंसने से तीनों की मौत हो गई।

बीजेपी के लिए बनाया अड्डा, आप के लिए खोद दिया गड्ढा...

चड्ढा के बीजेपी में शामिल होने पर शिवसेना यूबीटी ने कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई,(ईएमएस)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा समेत कई सांसदों के आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल होने पर सियासी बायनबाजी तेज हो गई है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रवक्ता आनंद दुबे ने शायराना अंदाज में तंज कसा। उन्होंने कहा कि जिन्होंने बीजेपी के लिए बना दिया नया अड्डा और आप के लिए खोद दिया गड्ढा, उनका नाम है राघव चड्ढा। बीजेपी ने देश में ऐसा माहौल बना दिया है कि उन्हें विपक्ष चाहिए ही नहीं। अगर 10 में से सात राज्यसभा सांसद आप से बीजेपी में शामिल हो गए, तो उनके पास बचा क्या? उनकी पार्टी आम आदमी के लिए बनी थी, लेकिन अगर उनके सदस्य ही राज्यसभा सांसद ही खास आदमी हो गए और सभी बीजेपी में चले गए तो सवाल हमसे नहीं, बीजेपी से बनता है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी में क्या चल रहा है यह तो वही बताएंगे, लेकिन जिस प्रकार के ऑपरेशन लोटस के बारे में हमने सुना था, 2022 में हमारी शिवसेना को तोड़कर कैसे दो शिवसेना बनाई गई, कैसे कई सारे सांसद और विधायक चले गए, वही आज आम आदमी पार्टी में हो रहा है और कल समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में होगा। बीजेपी को विपक्ष-मुक्त भारत चाहिए। केजरीवाल अपनी पार्टी संभाल नहीं पा रहे हैं। वह जिन नीतियों को लेकर आए थे, अगर उस पर खरे उतरते तो आज यह दिन देखना नहीं पड़ता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आनंद दुबे ने मराठी भाषा के मुद्दे पर कहा कि महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने रिक्शा और ऑटो चालकों को मराठी आने वाला जो फरमान दिया है। मेरा कहना है कि मराठी सभी को आना चाहिए। बॉलीवुड एक्टर और बड़े-बड़े उद्योगपतियों को भी आना चाहिए। हमारी मांग है कि मुंबई में अगर कोई फ्लैट खरीदता है, तो उसका रजिस्ट्रेशन उसी को दिया जाए, जिसे मराठी बोलने, लिखने और समझना आता हो। बल्कि मराठी का छोटा सी परीक्षा हो। सिर्फ रिक्शा और टैक्सी वाले ही क्यों, सभी को मराठी सीखनी चाहिए।

उन्होंने पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक वोटर टर्नआउट पर कहा कि ज्यादा वोटिंग सरकार बदलने के लिए होती है, लेकिन यह भी हो सकता है कि सरकार बचाने के लिए वोटिंग हो रही हो। ज्यादा वोटिंग एसआईआर का खेल है। हालांकि पश्चिम बंगाल में कांटे की टक्कर है और 4 मई को ही साफ हो पाएगा कि जनता ने क्या रुख अपनाया है।

असम में सेंचुरी तो पश्चिम बंगाल में डबल सेंचुरी बनाएंगे : सीएम सरमा

कोलकाता (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि इस बार हम असम में सेंचुरी और बंगाल में डबल सेंचुरी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि भरोसे से कह सकता हूं कि बंगाल में पहले चरण में ही बीजेपी 110 सीटें जीत चुकी है। उन्होंने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि बांग्लादेश से आने वालों के कारण अगले दो दशकों में असम और बंगाल में हिंदू अपना बहुमत का दर्जा खो देंगे। सीएम हिमंता ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठ यहीं से आएंगे। इससे पश्चिम बंगाल और पूरे देश की जनसंख्या संरचना बदलेगी। पश्चिम बंगाल चुनाव में हर भारतीय की हिस्सेदारी है, क्योंकि इसका असर पूरे देश पर पड़ेगा, खासकर बंगाल और असम पर।

उन्होंने कहा कि जब संख्या 50फीसदी से ऊपर जाती है तो शरिया कानून की मांग भी शुरू होती है। धर्मनिरपेक्षता तब तक सुरक्षित है, जब तक जनसंख्या संतुलन बना रहता है। सीएम ममता कहती हैं कि बीजेपी सांप्रदायिकता फैला रही है, लेकिन बीजेपी देश के किसी भी राज्य में गीता या भागवत का शासन लागू करने की मांग नहीं करती। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वहीं टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि पार्टी को पहले फेज के 152 सीटों में से 125 से 135 सीटें मिलेगी। ममता बनर्जी के नेतृत्व में सरकार बनेगी। इधर चुनाव आयोग ने चुनाव आयोग ने लापरवाही बरतने और निष्पक्षता नहीं रखने पर पांच पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। संस्पेड अधिकारियों में एएसपी और एसडीएपीओ भी शामिल हैं।

जोधपुर जिले में बजेंगे सायरन, होंगे हवाई हमले और होगा ब्लैकआउट!

-भारत सरकार के निर्देश पर सुरक्षा तैयारियों को जांचने होगी मार्कड्रिल

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर जिले में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने और आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने के उद्देश्य से अगले दो-तीन दिनों में हवाई हमले की चेतावनी और ब्लैकआउट की मॉकड्रिल की जाएगी। नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा सुरक्षा तैयारियों को सुदृढ़ करने के लिए इस पूर्व निर्धारित अभ्यास में सायरन बजाने और ब्लैकआउट की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह अभ्यास भारत सरकार के निर्देशानुसार जिला कलेक्टर एवं नियंत्रक नागरिक सुरक्षा आलोक रंजन के मार्गदर्शन में किया जाएगा। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य किसी भी संभावित आपदा की स्थिति में सरकारी विभागों की तत्परता, आपसी समन्वय और प्रतिक्रिया क्षमता का मूल्यांकन करना है। नागरिक सुरक्षा विभाग ने इसे संस्थागत रूप देने के लिए पूरी योजना तैयार की है। इस मॉकड्रिल में जिला प्रशासन के साथ नागरिक सुरक्षा, पुलिस, फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और होमगार्ड्स की सक्रिय भागीदारी रहेगी। इनके अलावा एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस, नेहरू युवा केन्द्र, चिकित्सा विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग और जोधपुर डिस्कॉम सहित अन्य संबंधित विभागों के बीच कॉर्डिनेशन की टेस्टिंग की जाएगी।

जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि मॉकड्रिल में एयर रेड सायरन बजने या ब्लैकआउट की स्थिति होने पर घबराए नहीं। नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन कर इस अभ्यास को सफल बनाने में सहयोग करें।

कांग्रेस बोली- पार्टी पवन खेड़ा के साथ खड़ी: हाईकोर्ट ने की पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत खारिज, कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट में देगी चुनौती

-रमेश ने कहा-धमकी, डराने व उत्पीड़न की राजनीति के खिलाफ न्याय की ही जीत होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा की गुवाहाटी हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। इसके बाद कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वह हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए पवन खेड़ा का मजबूती से समर्थन किया। उन्होंने लिखा- पूरी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपने मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के साथ मजबूती से खड़ी है। गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी को पूरा भरोसा है कि धमकी, डराने-धमकाने और उत्पीड़न की राजनीति के खिलाफ अंततः न्याय की ही जीत होगी।

यह विवाद पवन खेड़ा द्वारा की गई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद शुरू हुआ। खेड़ा ने आरोप लगाया था कि असम के सीएम हिमंत विश्व सरमा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट हैं और विदेशों में उनकी अघोषित संपत्तियां हैं। इन गंभीर आरोपों के बाद सीएम की पत्नी रिनीकी भुइयां ने गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में पवन खेड़ा के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया था।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद पवन खेड़ा ने सोमवार को गुवाहाटी हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया था, जिसे शुक्रवार को जस्टिस पार्थिव ज्योति सैकिया की एकल पीठ ने खारिज कर दिया। कोर्ट ने अपने फैसले में कई अहम बातें कहीं। कोर्ट ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए इसे केवल मानहानि का साधारण मामला नहीं माना जा सकता, जिसमें दुर्भावना या साजिश न हो। कोर्ट के मुताबिक प्रथम दृष्टया यह मामला फर्जी दस्तावेजों या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड रखने से संबंधित है।

कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता पुलिस जांच से बच रहे हैं। इस मामले में पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर पूछताछ करना जरुरी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनके सहयोगी कौन हैं, उनके लिए ये दस्तावेज किसने जुटाए और ये दस्तावेज कहां से और कैसे हासिल किए गए। इस मामले में पवन खेड़ा ने कई अदालतों का दरवाजा खटखटाया है। हैदराबाद के निवासी होने के कारण, मामला दर्ज होने के बाद पवन खेड़ा ने सबसे पहले तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया था। वहां से उन्हें सात दिन की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मिल गई थी। इसके बाद असम पुलिस ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर अंतरिम रोक लगा दी और पवन खेड़ा को संबंधित राज्य यानी असम के गुवाहाटी हाईकोर्ट जाने का निर्देश दिया था। अब गुवाहाटी हाईकोर्ट से राहत न मिलने के बाद कांग्रेस ने वापस सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर ली है।

न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि जो आरोप उन्होंने लगाए हैं, वे कुछ दस्तावेजों पर आधारित हैं, जो उनके पास हैं जबकि पुलिस ने दावा किया कि उन दस्तावेजों को पहले ही फर्जी साबित किया जा चुका है। कोर्ट ने कहा कि मामला दर्ज होने के बाद याचिकाकर्ता ने यह कहीं नहीं कहा कि पुलिस ने झूठे या मनगढ़ंत दावे किए हैं। न्यायाधीश ने कहा कि महाधिवक्ता का यह दावा कि याचिकाकर्ता का मामला जाली दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड रखने की श्रेणी में आता है, प्रथम दृष्टया सही प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि रिंकी भुइयां असम के मुख्यमंत्री की पत्नी हैं, लेकिन स्वयं मुख्यमंत्री नहीं हैं। आदेश में कहा गया है, यदि खेड़ा ने ये आरोप मुख्यमंत्री के खिलाफ लगाए होते, तो यह मामला राजनीतिक बयानबाजी माना जा सकता था, लेकिन राजनीतिक लाभ लेने के लिए उन्होंने एक निर्दोष महिला को विवाद में घसीट लिया।

जम्मू कश्मीर से स्थानीय आतंकियों का सफाया, पर बाहरी अभी भी मौजूद, भर्ती में गिरावट

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के विरुद्ध सुरक्षा बलों की रणनीति अब एक निर्णायक और रणनीतिक मोड़ पर पहुंच गई है। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा एजेंसियों ने बदलते सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए अपने ऑपरेशंस का मुख्य केंद्र शहरी बस्तियों से हटाकर घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों की ओर स्थानांतरित कर दिया है। सुरक्षा बलों के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि स्थानीय युवाओं की आतंकी संगठनों में भर्ती में आई भारी गिरावट है। आधिकारिक आंकड़ों और सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में घाटी में स्थानीय आतंकी न के बराबर रह गए हैं। यदि कहीं से इक्का-दुक्का भर्ती की सूचना मिलती भी है, तो सुरक्षा बल तुरंत सक्रिय होकर उसे विफल कर देते हैं।

सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, स्थानीय समर्थन और भर्ती में कमी आना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि घाटी में आतंकवाद के प्रति सामाजिक नजरिया बदला है। हालांकि, विदेशी आतंकियों की चुनौती अब भी बनी हुई है, जिनकी संख्या लगभग 65 के आसपास आंकी गई है। सुरक्षा एजेंसियां केवल आतंकियों को ही नहीं, बल्कि उनके पीछे काम करने वाले सपोर्ट सिस्टम और कट्टरपंथ फैलाने वाले तत्वों पर भी कड़ी नजर रख रही हैं। हालिया घटनाओं के बाद से अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है ताकि नए युवाओं का ब्रेनवॉश कर उन्हें गलत रास्ते पर न धकेला जा सके। आतंकी संगठनों द्वारा अपनी रणनीति बदलते हुए घने जंगलों और ऊंचे पहाड़ों को सुरक्षित ठिकाना बनाने की कोशिशों के जवाब में सुरक्षा बलों ने जंगल वॉरफेयर पर ध्यान केंद्रित किया है। अब सात हजार फीट तक की ऊंचाई वाले दुर्गम इलाकों में नए ऑपरेटिंग बेस स्थापित किए गए हैं। विशेष रूप से जम्मू के चिनाब वैली जैसे क्षेत्रों में, जहाँ हाल के दिनों में हलचल बढ़ी थी, सुरक्षा बलों की मौजूदगी और सर्च ऑपरेशन को और अधिक सघन बनाया गया है। इस नई मुहिम को प्रभावी बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप का पुनर्गठन किया गया है। इसमें ऊर्जावान युवा अधिकारियों को शामिल किया गया है जिन्हें जंगल युद्ध और काउंटर-इंसर्जेंसी ऑपरेशंस के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन टीमों को आंध्र प्रदेश की प्रसिद्ध ग्रे हाउंड्स यूनिट और सेना की पैरा स्पेशल फोर्सेज के साथ समन्वय कर प्रशिक्षित किया गया है। तकनीक, युवा नेतृत्व और दुर्गम क्षेत्रों में मजबूत पकड़ की यह त्रिआयामी रणनीति जम्मू-कश्मीर में शांति बहाली की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रही है।

गर्मी के बीच मूसलाधार बारिश की आहट, 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान, 7 राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अधिकांश हिस्से इन दिनों सूरज की तपिश और भीषण गर्मी की चपेट में हैं। कई राज्यों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को पार कर चुका है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त है। इसी बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एक ओर राहत भरी खबर दी है, तो दूसरी ओर कुछ राज्यों के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग का अनुमान है कि देश के कुछ हिस्सों में आंधी-तूफान के साथ होने वाली बारिश तापमान में गिरावट लाएगी, जिससे तपती गर्मी से जूझ रहे लोगों को सुकून मिल सकता है।

राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में वर्तमान में स्थिति काफी चिंताजनक बनी हुई है। बीते 24 अप्रैल को उत्तर प्रदेश का प्रयागराज 45.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ देश का सबसे गर्म शहर दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले दो-तीन दिनों तक पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भीषण लू चलने का अलर्ट जारी किया है। विशेषकर उत्तर प्रदेश में 27 अप्रैल तक तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोत्तरी होने की आशंका जताई गई है, जिससे दोपहर के समय बाहर निकलना जोखिम भरा हो सकता है। मैदानी इलाकों में जहां गर्मी का सितम है, वहीं पूर्वोत्तर के राज्यों के लिए मूसलाधार बारिश की चेतावनी दी गई है। अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 27 से 30 अप्रैल के दौरान भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। असम और मेघालय में 26 और 27 अप्रैल को 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और भीषण तूफान की भी आशंका है। इस भारी बारिश की वजह से पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और निचले इलाकों में जलभराव का खतरा बढ़ गया है। इसके अतिरिक्त, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और झारखंड में भी मौसम के मिजाज में बदलाव दिखेगा। झारखंड में 26 अप्रैल को ओलावृष्टि की संभावना है। वहीं दक्षिण भारत के केरल, तटीय आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में मौसम उमस भरा बना रहेगा। मौसम विभाग ने भारी बारिश वाले क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने और लू प्रभावित इलाकों में दोपहर के वक्त घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। साथ ही, किसानों को ओलावृष्टि से पहले फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया है।

जापान ने 75 साल पुरानी परंपरा तोड़ी, दुनिया के लिए खोला अपने हथियारों का बाजार

इस फैसले से भारत को होगा फायदा, चीन आक्रमता पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान ने अपनी दशकों पुरानी शांतिवादी नीति में बड़ा बदलाव कर अन्य देशों को घातक हथियारों के निर्यात की अनुमति दे दी है। यह निर्णय जापान के युद्धोत्तर संवैधानिक ढांचे से महत्वपूर्ण बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है, जिसे ढांचे ने लंबे समय तक केवल आत्मरक्षा तक सीमित रखा था। इस कदम के पीछे बदलते वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य की बड़ी भूमिका है, विशेष रूप से चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता और उत्तर कोरिया की उकसाने वाली गतिविधियां प्रमुख है। बदलते घटनाक्रम में जापान को अहसास होने लगा कि अब अमेरिका के भरोसे रहना ठीक नहीं है। इस लिए जापान ने अपनी 75 साल पुरानी रणनीति में व्यापक बदलाव किए है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान ने 1947 में नया संविधान अपनाया था, जिसमें अनुच्छेद 9 के तहत युद्ध करने के अधिकार का त्याग किया गया। यह संविधान अमेरिका के प्रभाव में तैयार हुआ था। युद्ध के दौरान हिरोशिमा और नागासिकी पर परमाणु हमलों और व्यापक विनाश के बाद जापान ने शांतिवाद को अपनी राष्ट्रीय नीति बना लिया था। 1951 की सुरक्षा संधि के तहत उसकी सुरक्षा काफी हद तक अमेरिका पर निर्भर रही, और 1954 में गठित आत्मरक्षा बलों की भूमिका भी सीमित रखी गई।

हालांकि, समय के साथ बदलते परिदृश्य को देखते हुए जापान ने अपनी नीतियों में धीरे-धीरे बदलाव करना शुरू किया। 2009 में सामूहिक आत्मरक्षा के अधिकार की नई व्याख्या की गई, जिससे वह अपने सहयोगियों की रक्षा में भाग ले सकता है। 2015 में विदेशी सैन्य अभ्यासों में भागीदारी को आसान किया गया और 2022 में लंबी दूरी की मिसाइलों के अधिग्रहण के जरिए प्रति आक्रमण क्षमता विकसित करने की दिशा में कदम उठाया गया।

इतना ही नहीं जापान ने रक्षा बजट में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2024 में जापान ने जीडीपी के 1 प्रतिशत की सीमा समाप्त की और 2027 तक 2 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा। 2026 तक उसका रक्षा बजट लगभग 52 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो बीते वर्षों की तुलना में बड़ी छलांग है। यह वृद्धि उसकी नई रणनीतिक प्राथमिकताओं को दिखाती है।

बात दें कि जापान के पास अत्याधुनिक सैन्य तकनीक है, जिसमें उन्नत पनडुब्बियां, युद्धपोत, वायु रक्षा प्रणाली और निगरानी उपकरण शामिल हैं। अब हथियार निर्यात की अनुमति मिलने से वह वैश्विक रक्षा बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी बन सकता है। इस बदलाव से न केवल उसकी अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी रणनीतिक भूमिका भी बढ़ेगी। इस बदलाव का असर जापान के पुराने मित्र भारत जैसे देशों पर भी पड़ेगा। भारत और जापान पहले से ही क्वाड समूह के सदस्य हैं, जिसमें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। यह समूह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने का प्रयास करता है। भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है, जिसमें संयुक्त सैन्य अभ्यास, तकनीकी सहयोग और सह-उत्पादन शामिल हैं।

भारत के 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों ने रक्षा उत्पादन में नई संभावनाएं पैदा की हैं। इसके बाद जापानी कंपनियां भारत में निवेश कर उत्पादन कर सकती हैं और वैश्विक बाजार तक पहुंच बना सकती हैं। इससे दोनों देशों को आर्थिक और सामरिक लाभ मिल सकता है। सामरिक दृष्टि से यह निर्णय एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को प्रभावित करेगा। इससे चीन के प्रभाव को चुनौती मिल सकती है और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। साथ ही, जापान और अमेरिका के संबंध और मजबूत हो सकते है। जापान का यह कदम केवल नीति परिवर्तन नहीं, बल्कि एक बड़े रणनीतिक बदलाव का संकेत है। इसके प्रभाव आने वाले वर्षों में वैश्विक राजनीति, सुरक्षा व्यवस्था और आर्थिक साझेदारियों में स्पष्ट रूप से देखने को मिलने वाले है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

जियोस्टार का राजस्व 2025-26 में 36,248 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली ।

मीडिया और मनोरंजन मंच जियोस्टार ने कहा कि मार्च तिमाही के दौरान उससे 9,784 करोड़ रुपये का सकल राजस्व और 419 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। रिलायंस के मीडिया व्यवसाय और वैश्विक मीडिया दिग्गज वॉल्ट डिज्नी के भारतीय व्यवसाय के विलय के बाद बने संयुक्त उद्यम जियोस्टार का वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक सकल राजस्व 36,248 करोड़ रुपये रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अनुसार जियोस्टार की सदस्यता राजस्व वृद्धि पूरे वर्ष डिजिटल और टीवी दोनों में मजबूत रही। बयान में कहा गया कि यह वृद्धि खेल कार्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला और प्रमुख मनोरंजन फ्रेंचाइजी में रिकॉर्ड जुड़ाव के कारण हुई है। इस संयुक्त उद्यम के पास अधिकांश प्रमुख क्रिकेट प्रसारण अधिकार हैं और उसने तिमाही के दौरान औसतन 50 करोड़ मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता दर्ज किए।

क्या फ्लैक्सी कैप और लार्ज एंड मिड कैप में निवेश से मिल रहा दोहरा फायदा?

निवेशकों को लग सकता है झटका, एक ही एएमसी में निवेश का जोखिम

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच फ्लैक्सी कैप और लार्ज एंड मिड केप फंड्स की लोकप्रियता बढ़ रही है। कई निवेशक मानते हैं कि दोनों कैटेगरी में निवेश से उनका पोर्टफोलियो सुरक्षित और डाइवर्सिफाइड हो जाएगा, लेकिन असल तस्वीर थोड़ी अलग है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इन फंड्स के पोर्टफोलियो में काफी ओवरलैप देखा जा रहा है, खासकर एक ही एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के फंड्स में, जिससे डाइवर्सिफिकेशन का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता। वैल्यू रिसर्च के विश्लेषण में सामने आया है कि करीब 31 फंड पेयर्स में से 16 में 40 प्रतिशत से अधिक स्टॉक्स का ओवरलैप था। इसका मतलब है कि निवेशक अनजाने में एक ही स्टॉक्स में दो बार पैसा लगा रहे होते हैं। बाजार के विश्लेषक बताते हैं कि फ्लैक्सी केप फंड्स को बाजार की स्थिति के अनुसार लार्ज, मिड या स्मॉल कैप में निवेश बदलने की आजादी होती है, जबकि लार्ज एंड मिड कैप फंड्स को न्यूनतम 35 फीसदी लार्ज कैप और 35 फीसदी मिड कैप में निवेश करना अनिवार्य है। हालांकि फ्लैक्सी कैप फंड्स अक्सर लार्ज कैप की ओर ज्यादा झुकाव रखते हैं, जिससे दोनों फंड्स के पोर्टफोलियो में समानता बढ़ जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि निवेशक अपने पोर्टफोलियो को ठीक से मॉनिटर करें और अलग-अलग एएमसी के फंड्स में निवेश करें, तो सीमित ओवरलैप के साथ भी बेहतर संतुलन बन सकता है। एक ही एएमसी के फ्लैक्सी केप और लार्ज एंड मिड कैप फंड्स में निवेश करने से एएमसी कंसंट्रेशन रिस्क बढ़ता है, क्योंकि एएमसी अक्सर एक जैसी निवेश रणनीति अपनाते हैं। ऐसे में सलाह दी जाती है कि किसी एक एएमसी में कुल पोर्टफोलियो का 25-30 प्रतिशत से अधिक निवेश न करें।

रिलायंस का मुनाफा 12 फीसदी घटा, आय हुई मजबूत

चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ घटकर 16,971 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) को वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में पश्चिम एशिया संघर्ष और उच्च कच्चे तेल की कीमतों के कारण मुनाफे में बड़ी गिरावट का सामना करना पड़ा है। कंपनी का संचयी मुनाफा 12.6 फीसदी घटकर 16,971 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 19,407 करोड़ रुपए से कम है। यह पिछले 14 तिमाहियों में दर्ज सबसे बड़ी गिरावट है। वैश्विक उथल-पुथल और ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद, आरआईएल ने मजबूत राजस्व वृद्धि प्रदर्शित की। चौथी तिमाही में कंपनी की संचयी आय 12.5 फीसदी बढ़कर 2.94 लाख करोड़ रुपए रही, जो 13 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। पूरे वित्त वर्ष 2026 में, रिलायंस 10.57 लाख करोड़ रुपये की कुल शुद्ध बिक्री के साथ 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक आय अर्जित करने वाली पहली भारतीय कंपनी बनी।

उतार-चढ़ाव की सुनामी, सेंसेक्स और निफ्टी 2.5 फीसदी से नीचे लुढ़के

अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध और 100 डॉलर के पार कच्चे तेल ने बाजार पर डाला दबाव

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह बेहद निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में 2 से 2.5 फीसदी तक की भारी गिरावट दर्ज की गई।

कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल और अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत में देर या गतिरोध ने वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव को हवा दी, जिसका सीधा असर निवेशकों के सेंटिमेंट पर पड़ा। पूरे हफ्ते बाजार भारी उतार-चढ़ाव से जूझता रहा, लेकिन अंततः लाल निशान पर बंद होकर निवेशकों के लाखों करोड़ रुपये को बहा ले गया। सोमवार को बाजार ने अस्थिर शुरुआत की। पहले प्री-ओपनिंग की बढ़त गंवाकर सेंसेक्स में 200 अंक से अधिक की गिरावट आई और निफ्टी 24,300 से नीचे पहुंच गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक और आरआईएल ने बाजार पर सबसे ज्यादा दबाव डाला। हालांकि, बाद में खरीदारी लौटने से बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर लौट आए और मामूली बढ़त के साथ बंद हुए।

भू-राजनीतिक चुनौतियों और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बावजूद सेंसेक्स 26.76 अंक और निफ्टी 11.30 अंक बढ़कर बंद हुए। मंगलवार को भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद बाजार में जोरदार तेजी दिखी। अमेरिका-ईरान वार्ता की खबरों और ब्रेंट क्रूड के 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने की उम्मीद ने निवेशकों के सेंटिमेंट को बढ़ावा दिया।

सेंसेक्स 753.03 अंक चढ़कर 79,273.33 पर और निफ्टी 211.75 अंक बढ़कर 24,576.60 पर बंद हुआ, जिसमें अदाणी पोर्ट्स और आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयर दो फीसदी तक चढ़े।

हालांकि, यह तेजी अल्पकालिक साबित हुई। तीन दिन की बढ़त के बाद बुधवार को आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के चलते बाजार ने गिरावट दर्ज की। सेंसेक्स 756.84 अंक गिरकर 78,516.49 पर और निफ्टी 198.50 अंक की गिरावट के साथ 24,378.10 पर बंद हुआ।

एलपीजी सिलेंडर संकट गहराया- देशभर में डिलीवरी में भारी देरी, उपभोक्ता परेशान

बुकिंग नियमों की अस्पष्टता और बढ़ती मांग ने बढ़ाई मुश्किलें

नई दिल्ली । देशभर में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत और डिलीवरी में देरी ने उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित कई राज्यों में लोग समय पर गैस न मिलने से परेशान हैं, जबकि बुकिंग नियमों की अस्पष्टता और शादी के सीजन की बढ़ती मांग ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। सरकार की कोशिशों के बावजूद सोशल मीडिया पर भी उपभोक्ताओं की नाराजगी साफ दिख रही है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में सिलेंडर बुकिंग के लिए 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की समय-सीमा तय की है। हालांकि, गैस कंपनियां अगली बुकिंग की तारीख को सप्लाई की तारीख से जोड़ रही हैं, जिससे उपभोक्ताओं को 7-10 दिन का अतिरिक्त इंतजार करना पड़ रहा है। इस प्रक्रिया ने डिलीवरी को और धीमा कर दिया है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली, बस्ती, कानपुर और प्रयागराज जैसे जिलों में सिलेंडर की भारी किल्लत और डिलीवरी में देरी की शिकायतें आम हैं। शादी के सीजन के कारण कॉमर्शियल सिलेंडरों की मांग तेजी से बढ़ी है, लेकिन आपूर्ति सीमित है। प्रयागराज में कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत सुरक्षा राशि सहित 4,600 रुपये से अधिक हो गई है। बिहार के पटना सहित कई इलाकों में बड़ी संख्या में बुकिंग लंबित हैं, जिसके मद्देनजर कुछ जगहों पर राशन दुकानों के माध्यम से कोयले की आपूर्ति शुरू की गई है। मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच गैस की कमी ने हालात बदतर कर दिए हैं। भोपाल में लोग घंटों लाइनों में खड़े रहने को मजबूर हैं, जबकि मैहर में विरोध प्रदर्शनों के चलते सड़कों को जाम कर दिया गया। राजस्थान में शादियों के लिए सिलेंडर लेने हेतु आवेदन के साथ शादी का कार्ड जमा करने जैसी अतिरिक्त औपचारिकताएं लागू की गई हैं, साथ ही लकड़ी और कोयले के इस्तेमाल की सलाह भी दी जा रही है।

अनुभवी अर्थशास्त्री अशोक लाहिड़ी नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष बनेंगे

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार सुमन बेरी की जगह लेंगे

नई दिल्ली।

वरिष्ठ अर्थशास्त्री अशोक लाहिड़ी को जल्द ही नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया जाएगा। इस महत्त्वपूर्ण नियुक्ति के साथ वह एक बार फिर केंद्र सरकार की नीतिगत भूमिका में वापसी करेंगे। लाहिड़ी देश के शीर्ष थिंक टैंक में सुमन बेरी का स्थान लेंगे। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब भारत वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अपनी आर्थिक वृद्धि और सुधारों को गति देने पर केंद्रित है। उनकी नियुक्ति से देश की आर्थिक रणनीति को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। अशोक लाहिड़ी का अनुभव नीतिगत और अकादमिक दोनों क्षेत्रों में दशकों पुराना है। वह दिसंबर 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाए गए थे और जून 2007 तक इस पद पर कार्यरत रहे। इस कार्यकाल का एक हिस्सा मनमोहन सिंह की सरकार के अधीन भी रहा, जहां उन्होंने देश की वित्तीय नीतियों और आर्थिक सुधारों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सार्वजनिक वित्त और आर्थिक विश्लेषण में उनके गहरे अनुभव को देखते हुए, उम्मीद है कि वे देश की प्राथमिकताओं को तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के पूर्व छात्र रहे लाहिड़ी ने एशियन डेवलपमेंट बैंक, बंधन बैंक और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी जैसी संस्थाओं में भी अहम जिम्मेदारियां संभाली हैं। उन्होंने विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में भी सलाहकार और वरिष्ठ अर्थशास्त्री के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी के विधायक के रूप में राजनीति में सक्रिय रहे लाहिड़ी की यह वापसी उन्हें फिर से देश की नीतिगत दिशा तय करने वाली भूमिका में ले आएगी। नीति आयोग में उपाध्यक्ष के तौर पर लाहिड़ी केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उनकी प्राथमिकता लंबी अवधि की आर्थिक योजनाओं और नीतियों को मजबूत करना होगा, जिससे नीति आयोग की सलाहकार भूमिका और अधिक प्रभावी हो सके। सरकार ने लाहिड़ी के साथ जाने-माने वैज्ञानिक गोबर्धन दास

को भी नीति आयोग का सदस्य नियुक्त किया है। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों से जुड़े दास के वैज्ञानिक अनुभव से भी नीति निर्माण में लाभ मिलने की उम्मीद है। यह नियुक्तियां भारत के आर्थिक और वैज्ञानिक विकास के लिए एक मजबूत नींव प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारतीय सोलर पर अमेरिकी शुल्क का असर, विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

नई दिल्ली।

भारत के आर्थिक मोर्चे पर इस सप्ताह मिली-जुली खबरें रहीं। अमेरिका ने भारतीय सोलर सेल और पैनल पर 123.04 फीसदी प्रारंभिक एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की घोषणा की है, जिससे मुंद्रा सोलर जैसी चार भारतीय कंपनियां प्रभावित होंगी। यह कार्रवाई अमेरिकी कंपनियों की शिकायत पर की गई है, जिसमें भारतीय उत्पादों पर वास्तविक लागत से कम पर बेचने का आरोप है। सकारात्मक पक्ष पर भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.362 अरब डॉलर बढ़कर 703.308 अरब डॉलर हो गया, जो अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत संकेत है। हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव के कारण आरबीआई को रुपये को सहारा देने के लिए डॉलर बेचकर हस्तक्षेप करना पड़ा। घरेलू स्तर पर सेबी ने निवेशकों की सुरक्षा के लिए अनपेड सिक्योरिटीज के नियमों में बदलाव सुझाए हैं, जिससे भुगतान के लिए 5 ट्रेडिंग दिन का समय मिल सकेगा। वहीं एसबीआई कैप्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का पावर ट्रांसमिशन सेक्टर वित्त वर्ष 2027 में 7.6 लाख करोड़ रुपये के निवेश के साथ पांच सुस्त वर्षों के बाद रिकवरी की ओर बढ़ सकता है।

कच्चे तेल के बाद अब पाम तेल की किल्लत का खतरा

खाने से लेकर रोजमर्रा के उत्पादों तक पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली ।

वैश्विक तनावों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के बीच भारत एक और बड़े संकट की ओर बढ़ रहा है। कच्चे तेल की आपूर्ति में संभावित बाधाओं के साथ-साथ अब देश के लिए पाम तेल की उपलब्धता पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है, जिससे रोजमर्रा के जीवन पर गहरा असर पड़ने की आशंका है। भारत दुनिया में पाम तेल का सबसे बड़ा आयातक है, अपनी अधिकांश जरूरतों के लिए इंडोनेशिया और मलेशिया पर निर्भर करता है। हाल ही में इंडोनेशिया द्वारा पाम तेल के निर्यात पर संभावित प्रतिबंध लगाने की घोषणा से भारत की खाद्य सुरक्षा पर संकट गहरा गया है। भारत हर साल लगभग 95 लाख टन पाम तेल का उपयोग करता है, जबकि उत्पादन 4 लाख टन से भी कम है। यह देश के कुल खाद्य तेल का 40 फीसदी है, जो सस्ता होने और लंबे समय तक स्थिर रहने के कारण आधे से अधिक परिवारों की रसोई का अभिन्न अंग है। पाम तेल सिर्फ घरों तक सीमित नहीं है। तले हुए चिप्स, नमकीन, बिस्कुट, केक, इंस्टेंट नूडल्स, चॉकलेट, आइसक्रीम और सभी रेडी-टू-ईट खाद्य पदार्थों में इसका व्यापक उपयोग होता है।

होटल, रेस्तरां और स्ट्रीट फूड विक्रेता भी तलने व मसाला बनाने के लिए इसे प्राथमिकता देते हैं। खाद्य उद्योग में 70 फीसदी से

अधिक पाम तेल खपत होता है। इसके अलावा, साबुन, शैम्पू, सौंदर्य प्रसाधन, लोशन और यहां तक कि टूथपेस्ट जैसे गैर-खाद्य उत्पादों में भी इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। पाम तेल की आपूर्ति में किसी भी बाधा से महंगाई बढ़ने और दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है।

इन्फोसिस ने सीईओ पारेख को दिया 51 करोड़ से अ धिक का शेयर प्रोत्साहन

बोर्ड ने प्रदर्शन आधारित रिस्ट्रिक्टेड स्टॉक यूनिट को मंजूरी दी, कर्मचारियों को भी मिलेगा लाभ।

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इन्फोसिस ने अपने मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक सलील पारेख को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कुल 51.75 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर प्रोत्साहन के तौर पर देने को मंजूरी दी है। कंपनी के निदेशक मंडल ने हाल ही में इस संबंध में फैसला लिया। यह प्रोत्साहन कंपनी की 2015 और 2019 की शेयर प्रोत्साहन योजनाओं के तहत रिस्ट्रिक्टेड स्टॉक यूनिट (आरएसयू) के रूप में दिया जाएगा। पारेख को इसमें 34.75 करोड़ रुपए के आरएसयू मिलेंगे जो प्रदर्शन लक्ष्यों की पूर्ति के आधार पर एक वर्ष बाद दिए जाएंगे। इसके अलावा, उन्हें 2019 की विस्तारित शेयर स्वामित्व योजना के तहत 10 करोड़ रुपए मूल्य के आरएसयू भी प्रदान किए गए हैं। कंपनी ने पर्यावरण, सामाजिक एवं प्रशासन (ईएसजी) लक्ष्यों से जुड़े 2 करोड़ रुपए और कुल शेयरधारक प्रतिफल (टीएसआर) से जुड़े 5 करोड़ रुपए के अतिरिक्त प्रोत्साहन को भी हरी झंडी दी है। साथ ही इन्फोसिस ने अपने कर्मचारियों के लिए भी शेयर प्रोत्साहन की घोषणा की है, जिसमें 27,193 आरएसयू और 1.90 करोड़ रुपए मूल्य के प्रदर्शन-आधारित शेयर शामिल हैं।

कच्चे तेल में उबाल, कई शहरों में महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल

होरमुज तनाव से ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर पार, नोएडा, गुरुग्राम व पटना में बढ़ी कीमतें

नई दिल्ली।

होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें फिर उछल गई हैं। ब्रेंट क्रूड 105 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है, जिसका असर भारत के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर दिखने लगा है। शनिवार को जारी नई कीमतों के अनुसार नोएडा में पेट्रोल 2 पैसे महंगा होकर 94.90 रुपए और डीजल 3 पैसे चढ़कर 88.01 रुपए प्रति लीटर हो गया। गुरुग्राम में पेट्रोल 52 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए और डीजल 50 पैसे बढ़कर 88.10 रुपए लीटर पर पहुंच गया। वहीं पटना में भी पेट्रोल 11 पैसे (105.59 रुपए) और डीजल 10 पैसे (91.82 रुपए) महंगा हुआ है।

हालांकि, देश के प्रमुख महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल-डीजल के दाम फिलहाल स्थिर बने हुए हैं। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड 105.30 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 94.40 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है।

होर्मुज पर अमेरिकी घेराबंदी ईरान पर दबाव, वैश्विक ऊर्जा बाजार में हड़कंप

यूएस नेवी ने ईरानी जहाज रोका, पोर्ट नाकेबंदी से जहाजों की आवाजाही ठप

नई दिल्ली ।

पश्चिम-एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी नौसेना ने समुद्री प्रतिबंधों को लागू करने के लिए 24 अप्रैल को एक ईरानी झंडे वाले जहाज को रोक दिया। यह कार्रवाई अप्रैल की शुरुआत से चल रही ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी रणनीति का हिस्सा है, जिसने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर गहरा असर डाला है। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार, अमेरिकी गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर यूएसएस राफेल पेराल्टा ने ईरान के एक बंदरगाह की ओर बढ़ रहे जहाज को रोका। यह कदम अमेरिकी प्रतिबंधों को कड़ाई से लागू करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

अप्रैल की शुरुआत से ही अमेरिका ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी को सख्त कर रहा है, जिसके तहत अब तक दर्जनों जहाजों को या तो रोका गया है या उन्हें वापस लौटा दिया गया है। इस नाकेबंदी का सीधा असर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर दिख रहा है, जो सामान्यतः एक बेहद व्यस्त समुद्री मार्ग है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 22-23

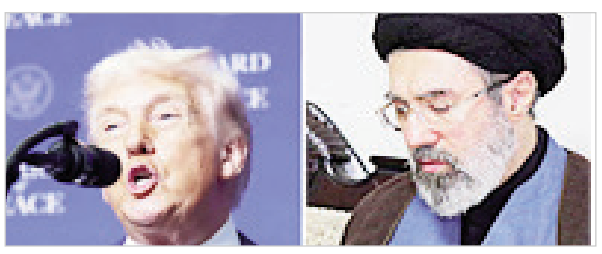

अप्रैल के बीच इस रास्ते से सिर्फ सात जहाज गुजर पाए, जिनमें से छह ईरान से संबंधित व्यापार में शामिल थे। यह मार्ग वैश्विक तेल और एलएनजी आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी वहन करता है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक तरह के संकट की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव लगातार बढ़ रहा है। पाकिस्तान में युद्ध विराम के प्रयासों के बावजूद, आर्थिक प्रतिबंधों, क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री आवाजाही जैसे मुद्दों पर गहरे मतभेदों के कारण कोई ठोस बातचीत नहीं हो पा रही है।

आरबीआई ने बंधन बैंक पर 41.8 लाख का जुर्माना लगाया

केवाईसी और जोखिम मूल्यांकन में कमी के लिए बंधन बैंक पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक मानदंडों का उल्लंघन करने पर सख्त रुख अपनाया है। केंद्रीय बैंक ने बंधन बैंक और मुथूट हाउसिंग फाइनेंस कंपनी पर अलग-अलग मौद्रिक जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई केवाईसी नियमों, जोखिम मूल्यांकन और निष्पक्ष व्यवहार संहिता के अनुपालन में कमी के कारण की गई है, जिसका उद्देश्य वित्तीय प्रणाली में अनुशासन बनाए रखना है। आरबीआई ने बंधन बैंक पर 41.8 लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) नियमों और जोखिम मूल्यांकन से जुड़े दिशानिर्देशों का सही तरीके से पालन न करने के कारण लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने पाया कि बैंक कुछ खातों की जोखिम श्रेणी की समय-समय पर समीक्षा करने में विफल रहा और निदेशक से जुड़े ऋण को भी मंजूरी दी गई। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल नियामकीय कमियों के लिए है, इसका बैंक और ग्राहकों के बीच के किसी लेनदेन से कोई संबंध नहीं है। इसी क्रम में भारतीय रिजर्व बैंक ने मुथूट हाउसिंग फाइनेंस कंपनी पर भी 80,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई फेयर प्रैक्टिस कोड (निष्पक्ष व्यवहार संहिता) के कुछ प्रावधानों का पालन न करने के चलते की गई है। आरबीआई ने दोनों संस्थानों पर यह जुर्माना नियामकीय अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए लगाया है। आरबीआई ने दोनों मामलों में दोहराया कि इन जुर्मानों का मुख्य उद्देश्य वित्तीय संस्थानों को नियमों के प्रति अधिक जिम्मेदार बनाना और भविष्य में ऐसी अनुपालन संबंधी कमियों को रोकना है। केंद्रीय बैंक वित्तीय क्षेत्र में पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

जेएफई स्टील 15,750 करोड़ का निवेश कर 50 फीसदी हिस्सेदारी लेगा

संबलपुर संयंत्र की क्षमता 45 लाख टन से बढ़कर 1 करोड़ टन प्रति वर्ष होगी

भुवनेश्वर ।

ओडिशा सरकार ने राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने भारतीय दिग्गज जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड और जापान की जेएफई स्टील कॉरपोरेशन के बीच एक संयुक्त उद्यम की स्थापना में सहयोग किया। इस ऐतिहासिक साझेदारी के तहत, संबलपुर जिले में इस्पात संयंत्र के विस्तार के लिए कुल 32,000 करोड़ रुपये का विशाल निवेश किया जाएगा, जिससे राज्य में उच्च मूल्य वाले इस्पात निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि यह समान साझेदारी वाला संयुक्त उद्यम, भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड के रेंगाली स्थित एकीकृत इस्पात संयंत्र का विस्तार करेगा, जिसे अब जेएसडब्ल्यू समूह संचालित कर रहा है। जापानी भागीदार जेएफई स्टील लगभग 15,750 करोड़ रुपये का निवेश कर इस संयुक्त उपक्रम में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी लेगा। परियोजना की कुल लागत 32,000 करोड़ रुपये होगी और इससे संयंत्र की उत्पादन क्षमता 45 लाख टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़कर 10 एमटीपीए हो जाएगी। विस्तारित संयंत्र में हॉट-रोल्ड स्टील, कोल्ड-रोल्ड स्टील, बार, वायर रॉड और पाइप जैसे उच्च मूल्य वाले उत्पादों का उत्पादन होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल और जेएफई स्टील के अध्यक्ष मसायुकी हिरोसे सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि यह परियोजना ओडिशा को लौह अयस्क उत्पादक राज्य से एक उच्च मूल्य वाले इस्पात निर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने में सहायक होगी।

उन्होंने दोहराया कि राज्य का लक्ष्य 2030 तक 10 करोड़ टन वार्षिक इस्पात उत्पादन क्षमता हासिल करना है, जो इस तरह के निवेश से संभव होगा।

पौधे को कैसे होता है पुष्पित होने का एहसास

वैज्ञानिकों ने अंततः 80 साल पुरानी एक पहेली को हल करने का दावा किया है कि पौधों को यह बात कैसे पता चलती है कि उन्हें कब पुष्पित होना है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह उनके जीन्स में होता है। वाशिंगटन विश्वविद्यालय के एक दल के अनुसार फूल खिलने की प्रक्रिया किसी पौधे के पुष्पित पल्लवित होने के लिए महत्वपूर्ण होती है और इसके उचित समय का पता लगाने में आणविक घटनाक्रमों का सिलसिला होता है। जिसमें पौधे की जैविक घड़ी और धूप शामिल है। दल का नेतृत्व करने वाले प्रोफेसर ताकातो इमाइजुमी ने कहा कि अरबीडोप्सिस नामक अध्ययन में यह समक्षने का प्रयास किया गया कि किसी सामान्य पौधे में फूलों के खिलने का काम कैसे होता है। इससे यह समक्षने में बेहतरी होगी कि धान, गेहूं और जौ जैसी फसलों के तौर पर उगे और जटिल पौधों में ये ही जीन्स किस तरह काम करते हैं। उन्होंने कहा, यदि हम फूल उगने के समय को नियमित कर सकते हैं तो इसे बढ़ाकर या इसमें देरी कर उपज बढ़ाने में सक्षम हो सकते हैं। प्रणाली को समझने से हमें इसमें बदलाव की सहजता होती है। साल में विशेष समयों पर पौधों के पुष्पित होते समय उनकी पत्तियों में फ्लोवरिंग लोकस टी नामक प्रोटीन बनता है जो इस प्रक्रिया को प्रेरित करता है। यह प्रोटीन पत्तियों से शूट एपेक्स में पहुंचता है जो पौधे का वह हिस्सा है जहां कोशिकाएं एक जैसी होती हैं। इसका मतलब है कि ये कोशिकाएं पत्तियां या फूल बन सकती हैं। इस शूट एपेक्स में प्रोटीन में आणविक बदलाव होते हैं जो कोशिकाओं को फूल बनने की दिशा में बढ़ाते हैं।

क्या तुम्हें पता है कि हम इनसानों की तरह ही पेड़-पौधे भी आपस में बातें करते हैं! वो हमारी बात समझ सकते हैं। पेड़-पौधों को म्यूजिक सुनना भी पसंद है। वैज्ञानिक शोध में भी यह बात सामने आई है कि पेड़, फूलों के माध्यम से बातचीत करते हैं। पेड़ों के कम्युनिकेशन से जुड़ी कुछ मजेदार बातें

फूल और पौधे भी करते हैं बातें

हमने भारत के महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस का नाम सुना है न। उन्होंने ही सबसे पहले यह बात बताई थी कि पौधे यानी प्लांट भी संवेदनशील होते हैं और जब कोई उन्हें प्यार करता है, तो वे महसूस करते हैं। उन्हें भी अच्छा संगीत प्रभावित करता है। और पता है? पौधे न सिर्फ किसी चीज को महसूस करते हैं, बल्कि अपनी बात कहते हैं। लेकिन बोल कर नहीं, कुछ दूसरे तरीकों से। वे हमारी तरह ही एक्टिव रहते हैं। वे खतरे को भांप कर अपनी रक्षा के उपाय भी करते हैं। अपने साथी पौधों को इसकी सूचना भी देते हैं। ये कोई कल्पना भर नहीं है, बल्कि इसे लेकर कई रिसर्च हुए हैं और उनसे ये बातें पता चली हैं। आज हम तुम्हें पौधों के बारे में कुछ ऐसी ही दिलचस्प बातें बता रहे हैं।

अपनी रक्षा के लिए आवाज लगाते हैं पौधे

फूल-पौधे कई बार अपनी सुगंध के जरिये अपनी रक्षा के लिए मदद मांगते हैं। जब कोई कीट पत्तियों, डालियों, फूलों को खा रहा होता है, तो अपनी महक के जरिये पौधे अपने मददगार इन्सेक्ट को आकर्षित करते हैं। ये इन्सेक्ट महक से आकर्षित होकर पौधे के पास आते हैं और उसे नुकसान पहुंचाने वाले कीटों (पेस्ट्स) को खा जाते हैं। जैसे कि तंबाकू का पौधा अपने सलाइवा की मदद से हॉर्नवर्म के कैटरपिलर को पहचान लेता है और फिर एक केमिकल सिग्नल छोड़ता है, जो कैटरपिलर के दुश्मन को आकर्षित करता है। फिर कुछ ही घंटों में कैटरपिलर का दुश्मन इन्सेक्ट यानी कीट पौधे के पास आ जाता है और उसे कैटरपिलर से छुटकारा दिला देता है।

खतरे को देख अपनी सुरक्षा बढ़ा देते हैं पौधे

पता है, पौधे अपने आसपास के पौधों के केमिकल सिग्नल्स को समझ सकते हैं और कई बार दूसरे पौधों पर कोई खतरा मंडराता है, तब उस सिग्नल को देख अपनी सुरक्षा को बढ़ा देते हैं, क्योंकि उन्हें पता चल जाता है कि कोई भूखा इन्सेक्ट आसपास ही है। करीब पांच-छह साल पहले 48 स्टडी का विश्लेषण किया गया था, जिनमें यह बात पता चली कि पौधे अपनी सुरक्षा बढ़ा देते हैं, जब उनके आसपास के पौधों को नुकसान पहुंचता है। जैसे कि जब सेजब्रश को हॉर्नवर्म नुकसान पहुंचाता है, तो वह अपनी सुरक्षा में ट्रिप्सीन प्रोटीनेज इन्हिबिटर्स (टीपीआईज) प्रोटीन रिलीज करता है। टीपीआईज इन्सेक्ट को प्रोटीन डाइजेस्ट करने से रोक देते हैं और इन्सेक्ट की ग्रोथ को भी रोक देते हैं। जब आसपास के पौधे, यहां तक कि दूसरी प्रजाति के पौधे, सेजब्रश के नुकसान को भांप लेते हैं तो अपनी सुरक्षा की तैयारी कर लेते हैं।

एक-दूसरे से मुकाबला करते हैं पौधे

तुम्हें पता है! पौधे सूरज की रोशनी, अपनी पोजीशन के लिए आसपास के पौधों के साथ धक्कामुक्की भी करते हैं। यह बात अलग है कि ऐसा वे अपने तरीके से करते हैं। एक झगड़ालू प्लांट है नैपवीड। नैपवीड की जड़ें एक खास किस्म का केमिकल रिलीज करती हैं, जो उसे मिट्टी से पोषक तत्व प्राप्त करने में मदद करता है। साथ ही वो केमिकल नैपवीड के आसपास की देसी घास को भी खत्म कर देता है। इस तरह नैपवीड अपने आसपास की जगह हथिया लेता है। है न यह स्वार्थी और बदमाश पौधा! लेकिन कुछ प्लांट स्मार्ट भी होते हैं और इस केमिकल के खिलाफ सुरक्षा कवच बना लेते हैं। ल्यूपिन की जड़ें ऑक्जेलिक एसिड निकालती हैं, जो नैपवीड द्वारा रिलीज किए जाने वाले नुकसानदायक केमिकल के खिलाफ एक बैरिकेड बना देती है। यहां तक कि ल्यूपिन आसपास के पौधों की भी नैपवीड जैसे आक्रामक पौधों से रक्षा करता है।

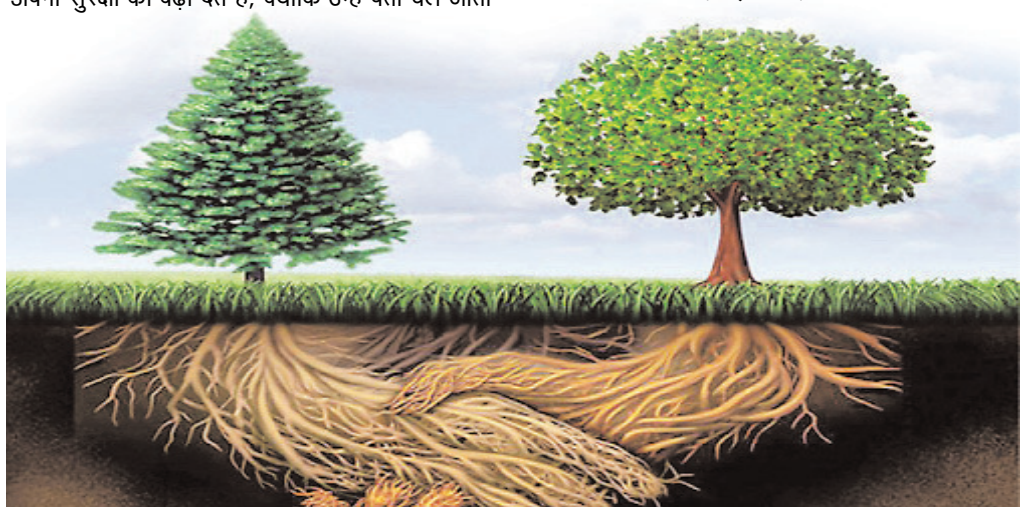

अपने सहोदर को पहचानते हैं पौधे

जब किसी पौधे के पास दूसरा कोई पौधा या पौधे उग रहे होते हैं, तो वह उसे महसूस कर सकता है। जानवरों की तरह उनमें भी अपने सहोदर को पहचानने और मदद करने की प्रवृत्ति होती है। वे सूरज की रोशनी और दूसरी चीजों को हासिल करने में एक-दूसरे की मदद करते हैं और जब कोई दूसरा पौधा उनके ऊपर छाने लगता है, तो वे भी और बढ़ने लगते हैं।

एक पौधा है 'सी रॉकेट'। उसके साथ एक प्रयोग किया गया। जब उसे एक गमले में अपने 'सिबलिंग' के साथ उगाया गया, तो उसकी जड़ें कम फैलीं। जब उसे 'अपरिचित पौधों' के साथ दूसरे गमले में उगाया गया, तो उसने अपनी जड़ें ज्यादा फैला लीं, ताकि वह मिट्टी से अपने लिए पोषक तत्व ज्यादा ले सके, सूरज की रोशनी ज्यादा ले सके। यानी जब पौधे अपने सिबलिंग के साथ उगते हैं, तो एक-दूसरे की जरूरतों का ज्यादा ध्यान रखते हैं। एक और एक्सपेरिमेंट से यह पता चला कि पौधे अपने सिबलिंग को केमिकल सिगनल के जरिये पहचानते हैं।

मैमल्स के साथ भी संपर्क करते हैं पौधे

पौधे केवल इनसेक्ट को ही आकर्षित नहीं करते, चमगादड़ जैसे मैमल्स को संदेश भेज कर अपने पास बुला लेते हैं। एक मांसाहारी पिचर प्लांट है- नेपेंथेस हेम्सलेना। उसके पास चमगादड़ (बैट) को आकर्षित करने का एक अनूठा सिस्टम है। इस प्लांट का आकार कटोरे या घड़े जैसा होता है। एक नई स्टडी के मुताबिक, इस प्लांट का स्ट्रक्चर ऐसा होता है कि उसके कारण चमगादड़ उसके पास खिंचे चले आते हैं और अपने मल-मूत्र के जरिये इस पिचर प्लांट को पोषक तत्व प्रदान करते हैं।

कितने तरह की स्केटिंग

रोलर स्केटिंग, आइस स्केटिंग, इन लेन स्केटिंग। रोलर स्केटिंग का भारत में बहुत चलन है। इसे सीखना आसान है।

स्केटिंग करो फिट रहो

स्केटिंग उतनी ही आसान और सुरक्षित है जितना कि दूसरे गेम खेलना, जैसे साइकिल चलाना, बास्केटबॉल या अन्य गेम खेलना। आजकल बहुत से स्कूलों में स्केटिंग सिखाई जाती है। स्केटिंग केवल मनोरंजन का ही साधन नहीं है, बल्कि तुम इसे अपना कॅरियर भी बना सकते हो। स्केटिंग के भारत में बहुत से प्रक्षिशण केंद्र हैं, जो बच्चों को चुनकर उन्हें दूसरे देशों में चैम्पियनशिप के लिए भेजते हैं। लेकिन ये सब बातें करने से पहले यह जानो कि स्केटिंग के क्या फायदे हैं - स्केटिंग एक ऐसी व्यायाम की मशीन है, जिसको करने से तुमको मजा भी आता है और चुस्त और स्वस्थ रहते हो। पैरों की ताकत बढ़ती है। शरीर की सभी मसल्स की एक्सरसाइज हो जाती है। रीढ़ की हड्डी भी सही रहती है। हाथों और पैरों का सामंजस्य बनाए रखने में मदद मिलती है। दिमाग और समझने की क्षमता बढ़ती है। चौकन्ना रहकर सीखते हो। स्केटिंग करना भागना और साइकिल चलाने से अधिक फायदेमंद है। तुमको सब बच्चों से मिलने का और बात करने का मौका मिलता है और नई जानकारी मिलती है।

वृहस्पति का नया चंद्रमा!

दोस्तों, तुम्हें तो पता ही होगा कि वृहस्पति के पास सबसे अधिक उपग्रह हैं। अब ताजा खबर यह है कि वैज्ञानिकों ने इसका एक और नया उपग्रह खोज निकालने का दावा किया है। इसे वृहस्पति का 17वां उपग्रह माना जा रहा है। दरअसल, पिछले साल अरीजोना यूनिवर्सिटी और मैसाचुसेट्स के वैज्ञानिकों ने वृहस्पति के चारों ओर एक आकृति को चक्कर काटते देखा था। फिर स्पेसवॉच कार्यक्रम के तहत धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों को स्कैन कर दिया गया। जब उन्होंने इस नए उपग्रह को देखा तो उन्हें लगा कि यह या तो कोई क्षुद्रग्रह है या कोई धूमकेतु।

(क्षुद्रग्रह बर्फ और धुएं का छोटा सा हिस्सा होता है और सूर्य के चारों तरफ घूमता रहता है। जब यह सूर्य के पास पहुंचता है तो यह धूमकेतु वाष्पीकृत होकर सिर और पूंछ में तब्दील हो जाता है। सौर मंडल में क्षुद्रग्रह मंगल और बृहस्पति के बीच बड़े पैमाने पर पाए जाते हैं।)

वैज्ञानिकों ने इस बात पर विचार किया कि जो यह नई चीज दिखाई दे रही है, वह अगर क्षुद्रग्रह और धूमकेतु नहीं है तो आखिर क्या है? वैज्ञानिक इस बात को लेकर बड़ी उलझन में थे। वे सोच रहे थे कि हमने जो पिछले महीने ऑर्बिट में देखा था, वह आखिर क्या था? (सौर मंडल में ऑर्बिट एक ऐसा रास्ता है, जिसमें एक वस्तु दूसरी वस्तु के चारों ओर घूमती है। ऑर्बिट में हर चीज अपने आप में खास होती है।) वैज्ञानिकों ने पाया कि वृहस्पति ग्रह के चारों ओर घूमने वाला यह नया उपग्रह है, जो पहले नहीं देखा जा सका था। यही वजह है कि वैज्ञानिकों ने इस उपग्रह के लिए कोई खास नाम नहीं रखा है। फिलहाल इसे एस/1999 जे नाम से पुकारा जा रहा है।

नए पाए गए उपग्रह का व्यास 5 किमी है। इसका मतलब यह है कि इस उपग्रह के एक छोर से दूसरे छोर तक पैदल चलने में केवल 5 किमी का सफर करना होगा। इस तरह देखा जाए तो यह वृहस्पति ग्रह का सबसे छोटा उपग्रह है। केवल वृहस्पति का ही नहीं, बल्कि इस सौर मंडल का यह सबसे छोटा उपग्रह होगा। इस उपग्रह के पाए जाने से पहले वृहस्पति का जो सबसे छोटा उपग्रह था, उसका नाम लेडा था। लेडा का व्यास 8 से 16 किमी तक था। अगर तुम ध्यान से देखोगे तो यह देखोगे कि इससे पहले भी वृहस्पति के उपग्रहों में हलचल दिखाई दी है। कुछ दिनों पहले वृहस्पति का सबसे बड़ा उपग्रह भी खोजा गया था। सबसे बड़े उपग्रह ने बहुत हलचल मचाई। यह उपग्रह हमारे सौर मंडल में पाया जाने वाला अकेला उपग्रह है, जहां धरती की तुलना में ज्वालामुखी गुण कहीं ज्यादा पाए जाते हैं। हम सभी यह जानते हैं कि यह वृहस्पति का आखिरी उपग्रह नहीं है। यह उपग्रह अपने अंदर बहुत से रहस्य समेटे हुए है, जो वक्त के साथ खोजने पर सामने आएंगे।

हमारा चांद सबसे अनूठा

हमारे पास यानी पृथ्वी के पास एक ही चांद है, जिसे हम चंदा मामा कहते हैं। अपने सौरमंडल का सबसे चमकीला है अपना चंद्रमा। तुम्हें तो मालूम ही है कि हमारे और सूर्य के बीच में दो और ग्रह हैं। सूर्य के सबसे करीब बुध है और दूसरे स्थान पर शुक्र। हम तीसरे स्थान पर हैं। बुध और शुक्र के पास कोई चंद्रमा नहीं है, लेकिन हमारे पास एक चंद्रमा है। उस पर सूर्य की रोशनी पड़ती है और वह चमकता रहता है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि हम कभी भी पूरे चांद को नहीं देख पाते। हमेशा उसका एक ही हिस्सा हम देख पाते हैं। जानते हो ऐसा क्यों होता है? ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि जितने समय में वह हमारी पृथ्वी का एक चक्कर लगाता है, उतने ही समय में अपनी धुरी पर भी एक चक्कर लगा लेता है। इस कारण हमें उसका एक ही हिस्सा दिखता है और दूसरा हिस्सा हमेशा अंधेरे में रहता है। चांद को पृथ्वी का एक चक्कर लगाने में लगभग 27 दिन 7 घंटे और 43 मिनट का समय लग जाता है। यह हमारी पृथ्वी से काफी करीब भी है। पृथ्वी से इसकी औसत दूरी लगभग 3 लाख 84 हजार 400 किलोमीटर है। यानी पृथ्वी से चंद्रमा की दूरी कभी कम और कभी अधिक हो जाती है। जब चंद्रमा पृथ्वी से दूर होता है, उस समय यह दूरी लगभग 4 लाख 5 हजार 500 किलोमीटर होती है और जब चंद्रमा पृथ्वी के करीब आ जाता है तो दोनों के बीच की दूरी 3 लाख 56 हजार 300 किलोमीटर हो जाती है। शायद तुम्हें यह मालूम नहीं होगा कि समुद्र में बड़ी-बड़ी लहरें कब और क्यों उठती हैं। यह अपने चंद्रमा के कारण ही होता है। जब चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी कम होती है तो समुद्र में ऐसी लहरें उठती हैं। इसका कारण है चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल। वैसे तो यह बल पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल के छठे हिस्से के बराबर है, लेकिन समुद्र के पानी पर उसका असर हो ही जाता है। अगर तुम वहां जाना चाहो तो रॉकेट से सिर्फ 13 घंटे में पहुंच सकते हैं। प्रकाश को तो इतनी दूरी तय करने में दो सेकेंड भी नहीं लगते हैं। चंद्रमा का व्यास 3476 किलोमीटर है। अगर तुम ऐसे चार चंद्रमाओं को मिला दोगे तो जितना बड़ा चंद्रमा बनेगा, उतनी ही बड़ी है हमारी पृथ्वी। यानी हमारी पृथ्वी का लगभग एक चौथाई आकार है चंद्रमा का। यहां न तो हवा है और न ही मौसम। वैज्ञानिकों ने यह भी पता लगा लिया है कि पृथ्वी की एक बड़ी टक्कर से चंद्रमा बना। यह टक्कर आज से लगभग 4.5 अरब वर्ष पहले हुई थी।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

दिल्ली कैपिटल्स नहीं तोड़ पाई पंजाब किंग्स का तिलिस्म, श्रेयस अय्यर की टीम ने रचा इतिहास, सबसे बड़ी रन चेज को दिया अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाने के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स पंजाब किंग्स का तिलिस्म नहीं तोड़ पाई। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स ने दिल्ली के खिलाफ 265 रनों का टारगेट हासिल कर इतिहास रच दिया है। पंजाब कि टीम अब सिर्फ आईपीएल में ही नहीं बल्कि टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ा टारगेट चेज करने वाली टीम बन गई है। इस दौरान पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर ने धमाकेदार पारी खेली।

इस दौरान प्रभसिमरन सिंह ने 26 गेंदों पर 76 रनों की धमाकेदार पारी खेली तो अय्यर ने 36 गेंदों में नाबाद 71 रन बनाए। दोनों टीमों के बीच खेले गए इस मुकाबले में कुल 529 रन बने जो आईपीएल इतिहास में एक मैच में दोनों टीमों द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है।

इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल ने 152 रनों की नाबाद पारी खेली और टीम को 264 के स्कोर तक पहुंचाया। ये राहुल के आईपीएल करियर का छठा शतक था। राहुल आईपीएल के इतिहास में बतौर भारतीय 150 रन बनाने वाले पहले भारतीय बने। वहीं दूसरी तरफ नीतिश राणा का दिल टूटा। वह शतक के करीब पहुंचे, मगर पूरा नहीं कर पाए। राणा 91 के निजी स्कोर पर आउट हुए।

DC vs PBKS मैच के दौरान बड़ा हादसा, लुंगी एनगिडी सिर के बल बुरी तरह गिरे, मैदान पर बुलानी पड़ी एम्बुलेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुण जेटली स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ कैच लेते समय लुंगी एनगिडी सिर पर जोरदार गिर पड़े जिस कारण माहौल गंभीर हो गया और एनगिडी को अस्पताल ले जाने के लिए मैदान पर एम्बुलेंस बुलानी पड़ गई।

पंजाब किंग्स जब 265 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो 2.3 ओवर में कैच लेने की कोशिश में एनगिडी बुरी तरह गिर पड़े। एनगिडी ने प्रियांश आर्य के बल्ले से निकली एक ऊंची गेंद को पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह गेंद का अंदाजा ठीक से नहीं लगा पाए और जमीन पर गिर पड़े; उनके सिर का पिछला हिस्सा जोर से जमीन पर लगा।

गिरने की गंभीरता तुरंत बाद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ उनकी ओर दौड़ पड़े; इस घटना से कई लोग साफ तौर पर घबराए हुए दिख रहे थे। कुलदीप यादव, डेविड मिलर और अन्य खिलाड़ी पास ही खड़े थे और उनके चेहरों पर चिंता साफ झलक रही थी, जबकि फिजियो इस दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज का इलाज करने के लिए दौड़ते हुए मैदान पर पहुंचे।

मेडिकल स्टाफ ने तुरंत एनगिडी के गले में नेक ब्रेस (गले का पट्टा) पहना दिया, और मैदान पर स्ट्रेचर लाया गया; इसके तुरंत बाद एक एम्बुलेंस भी आ गई, जो चोट की गंभीरता का साफ संकेत था। एक शुरुआती सकारात्मक संकेत के तौर पर, लाइव विजुअल्स में एनगिडी इलाज के दौरान डॉक्टरों से बात करते हुए दिखे, जबकि सभी जरूरी सावधानियां बरती जा रही थीं।

जैसे-जैसे स्थिति सामने आ रही थी, पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग भी मैदान पर आ गए, जबकि दुश्मंथा चमीरा संभावित %कनकशन सब्स्टीट्यूट% (चोट लगने पर बदलने वाले खिलाड़ी) के तौर पर वार्म-अप करने लगे। मैदान के बीच में कई तनावपूर्ण मिनटों के बाद एनगिडी को सावधानीपूर्वक स्ट्रेचर पर लेटाकर मैदान से बाहर ले जाया गया और आगे की मेडिकल जांच के लिए एम्बुलेंस में अस्पताल भेजा गया।

अभिषेक शर्मा की वृंदावन में चप्पल चोरी, भड़के भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से गेंदबाजों के छक्के छुड़ा रहे सनराइजर्स हैदराबाद के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा के साथ वृंदावन में एक अजीबोगरीब घटना हो गई। अपनी मां के साथ बांके बिहारी मंदिर दर्शन करने गए अभिषेक की चप्पलें मंदिर परिसर से गायब हो गईं, जिससे वह काफी नाराज और परेशान नजर आए। यह घटना एक प्रशंसक द्वारा बनाए गए वीडियो के माध्यम से सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह वीडियो इसी आईपीएल सीजन का है या पहले का।

जानकारी के अनुसार, अभिषेक शर्मा अपनी मां के साथ भगवान बांके बिहारी जी के दर्शन करने पहुंचे थे। जब वह पूजा-अर्चना के बाद मंदिर से बाहर निकले, तो जहां उन्होंने अपनी चप्पलें उतारी थीं, वे वहां नहीं मिलीं। वीडियो में सनराइजर्स के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज को मंदिर के बाहर इधर-उधर अपनी चप्पलों की तलाश करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो बनाने वाले प्रशंसक ने इसमें पीछे से कमेंट्री करते हुए पूरे वाकये को बयां किया। उसने कहा कि अभिषेक शर्मा और उनकी माताजी की चप्पलें भीड़भाड़ के कारण कहीं इधर-उधर हो गई हैं और लाख तलाशने के बावजूद नहीं मिल रही हैं। इस घटना से भारतीय बल्लेबाज अभिषेक काफी नाराज और परेशान दिखे, क्योंकि उन्हें नंगे पैर ही रहना पड़ रहा था। प्रशंसक ने आगे बताया कि किसी ने जानबूझकर अभिषेक शर्मा की चप्पलें गायब नहीं की थीं, बल्कि अत्यधिक भीड़ के कारण वे अपनी जगह से हट गई थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मंदिर प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप किया और अभिषेक शर्मा के लिए नई चप्पलों की व्यवस्था की, जिसके बाद ही वह वहां से निकल पाए। यह घटना एक ऐसे समय में हुई है जब अभिषेक शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 (स्रोत के अनुसार) में बल्ले से धमाल मचा रहे हैं।

अभिषेक ने मौजूदा आईपीएल सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक सात मैचों में कुल 323 रन बनाए हैं, जिसमें उनकी सबसे बड़ी और विस्फोटक पारी 135 रनों की रही थी, जो उन्होंने हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए पिछले ही मैच में बनाई थी। इस दमदार प्रदर्शन के साथ वह लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर काबिज हैं। वृंदावन में हुई इस मामूली लेकिन असहज घटना ने निश्चित रूप से उन्हें कुछ देर के लिए परेशान किया होगा, लेकिन उम्मीद है कि इसका असर उनके शानदार खेल पर नहीं पड़ेगा। यह घटना दर्शाती है कि आम लोगों की तरह ही खिलाड़ी भी ऐसी परेशानियों का सामना करते हैं।

आईपीएल 2026: पंत और रहाणे के बीच करो या मरो की जंग

-प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए जीतना जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का घमासान जारी है और इस बीच लखनऊ सुपर जायंट्स तथा कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होने वाला मुकाबला सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि कप्तानों के धैर्य और नेतृत्व क्षमता की असली परीक्षा बन गया है। दोनों ही टीमों के कप्तान, ऋषभ पंत और अजिंक्य रहाणे, अपनी-अपनी टीमों के निराशाजनक प्रदर्शन के चलते भारी दबाव में हैं। यह भिड़ंत दोनों टीमों के लिए प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए करो या मरो का युद्ध साबित होगी, जहाँ एक हार उन्हें टूर्नामेंट से लगभग बाहर कर सकती है।

कोलकाता नाइट राइडर्स का इस सीज़न में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। आईपीएल 2025 के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद टीम प्रबंधन ने अजिंक्य रहाणे पर अपना भरोसा बरकरार रखा था, लेकिन इस सीज़न में भी टीम अपेक्षित लय हासिल करने में नाकाम रही है। उन्हें अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए सात मैच खेलने पड़े, और वह भी टीम के सामूहिक प्रयास के बजाय रिंकू सिंह की शानदार पारी की बदौलत ही संभव हो पाई थी। टीम की तेज गेंदबाजी और स्पिन विभाग में साफ तौर पर कमजोरी दिखाई दे रही है, जिससे विरोधी बल्लेबाज आसानी से रन बटोर रहे हैं। वरुण चक्रवर्ती का फॉर्म टीम के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है, और लगातार प्लेइंग इलेवन में बदलाव करने से टीम का संतुलन बिगड़ गया है। अजिंक्य रहाणे ने व्यक्तिगत रूप से कुछ मैचों में रन अवश्य बनाए हैं, लेकिन टी20 प्रारूप के हिसाब से उनकी स्ट्राइक रेट उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है, जो टीम को तेज शुरुआत देने में बाधा डालती है। लगभग 38 वर्ष की आयु को देखते हुए, इस तेज-तर्रार फॉर्मेट में लंबे समय तक कप्तानी की जिम्मेदारियां निभाना उनके लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो रहा है, और उनके फैसलों पर भी अब सवाल उठने लगे हैं।

दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स का हाल भी कुछ ठीक नहीं है। टीम ने अब तक खेले गए मैचों में सिर्फ दो जीत दर्ज की हैं और प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने का खतरा उन पर लगातार मंडरा रहा है। लगातार चार हार ने टीम का मनोबल पूरी तरह से तोड़ दिया है और वे आत्मविश्वास की कमी से जूझते दिख रहे हैं। कप्तान ऋषभ पंत खुद भी खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं, जो टीम के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 67 रन की एक अच्छी पारी खेलने के बाद, पंत अगली पांच पारियों में सिर्फ 72 रन ही बना पाए हैं, जो उनकी क्षमता से बहुत कम है। हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ वे मात्र तीन गेंदों का सामना कर शून्य पर आउट हो गए थे, जिससे उनकी आलोचना में और भी इजाफा हुआ है। लखनऊ का अपने घरेलू मैदान पर रिकॉर्ड भी बेहद खराब रहा है; पिछले सीज़न में उन्होंने 8 में से 6 मैच गंवाए थे, और इस सीज़न में भी वे 3 मैच हार चुके हैं। कुल मिलाकर, 24 मैचों में उन्हें केवल 9 जीत मिली हैं, जो घरेलू लाभ न उठा पाने की कहानी कहती है। निकोलस पूरन और एडेन मार्करम जैसे विदेशी खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है, जिससे टीम की बल्लेबाजी और संतुलन दोनों प्रभावित हुए हैं।

हालांकि, कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए एक अच्छी खबर यह है कि श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना की वापसी से उनकी गेंदबाजी मजबूत हुई है। उनकी सटीक यॉर्कर गेंदबाजी टीम के लिए एक बड़ा हथियार साबित हो सकती है, जो आखिरी ओवरों में रन रोकने में मददगार होगी। इन दोनों कप्तानों के रिकॉर्ड भी उनकी टीमों की मौजूदा स्थिति को बखूबी दर्शाते हैं- अजिंक्य रहाणे ने केकेआर के लिए 20 मैचों में 6 जीत और 12 हार देखी हैं, जबकि ऋषभ पंत ने एलएसजी के लिए 21 मैचों में 8 जीत और 13 हार का सामना किया है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि दोनों ही कप्तानों को न सिर्फ अपनी टीमों को जीत की राह पर लाना होगा, बल्कि अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन से भी मिसाल कायम करनी होगी, वरना उनके कप्तानी करियर पर तलवार लटक सकती है।

टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट से पहले पाकिस्तान दौरे पर जाएंगी जिम्बाब्वे

हरारे । 12 जुलाई से इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्वकप महिला क्रिकेट टूर्नामेंट की तैयारी के लिए जिम्बाब्वे की टीम पाकिस्तान दौरे पर जाएगी। यह पहली बार होगा जब जिम्बाब्वे की महिला टीम पाक का दौरा करेगी। इसे दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में एक नया दौर शुरु होगा। इस दौरे से जहां दोनो टीमों को अभ्यास का अवसर मिलेगा। वहीं महिला क्रिकेट के वैश्विक विकास में भी इससे सहयोग मिलेगा।इस दौरे में जिम्बाब्वे तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय और इतने ही टीम 20 मुकाबले खेलेगी। सभी मैच पाकिस्तान के कराची स्थित प्रतिष्ठित नेशनल बैंक स्टेडियम में खेले जाएंगे। कार्यक्रम के अनुसार, जिम्बाब्वे की टीम 29 अप्रैल को कराची पहुंचेगी। इसके बाद, 3 मई से एकदिवसीय मैचों के साथ दौरे की आधिकारिक शुरुआत होगी। एकदिवसीय सीरीज के बाद, 12 मई से तीन मैचों की टी-20 सीरीज शुरु होगी। इससे दोनो ही टीमों को खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी क्षमताओं को आंकने का अवसर मिलेगा। पिछले कुछ समय से लगातार खराब प्रदर्शन से परेशान पाक टीम के लिए भी यह सीरीज तैयारी के लिहाज से बेहद अहम रहेगा। जो 12 जून से शुरु होगी। घरेलू हालातों में एक अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ खेलना, टीम को अपनी रणनीति को परखने, विभिन्न खिलाड़ियों को आजमाने और विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले अपनी लय हासिल करने का बेहतरीन अवसर होता है।

आरसीबी ने लगाई अंक तालिका में छलांग, दूसरे स्थान पर पहुंची

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 34वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एक रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से मात देकर अंक तालिका में बड़ी छलांग लगाई है। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में विराट कोहली की 81 और देवदत्त पडिक्कल की 55 रन की शानदार पारियां गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन के शतक पर भारी पड़ गईं। गुजरात टाइटंस द्वारा दिए गए 206 रनों के पहाड़ जैसे लक्ष्य को आरसीबी ने 18.5 ओवर में ही आसानी से हासिल कर लिया। कोहली और पडिक्कल के बीच दूसरे विकेट के लिए हुई 115 रन की साझेदारी इस जीत का मुख्य कारण बनी। इस जीत के साथ, आरसीबी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है, जिससे प्लेऑफ की दौड़ और भी रोमांचक हो गई है। रन चेज के उस्ताद विराट कोहली ने जैकब बेथेल के जल्दी आउट होने के बाद गुजरात के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। गुजरात के बल्लेबाजों ने पहली पारी में काफी संभलकर रन बनाए थे, लेकिन कोहली ने पिच की उछाल और गति को बखूबी समझा। उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा और कगिसो रबाडा जैसे तेज गेंदबाजों का आसानी से सामना किया और मैदान के चारों ओर रन बटोरे। इस जीत के साथ आरसीबी ने राजस्थान रॉयल्स को नेट रन रेट के आधार पर पीछे छोड़ते हुए अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। मौजूदा चैंपियन टीम ने अब सात मैचों में पांच जीत दर्ज कर ली हैं और वे सीजन के महत्वपूर्ण दौर में मजबूत स्थिति में दिख रहे हैं। अंक तालिका की ताजा स्थिति पर नजर डालें तो श्रेयस अय्यर की टीम पंजाब किंग्स 6 मैच खेलकर 5 जीत और एक बेनतीजा रहे मुकाबले के दम पर 11 अंकों के साथ टॉप पोजिशन पर काबिज है। गुजरात को हराने के बाद, नेट रन रेट में सुधार के चलते आरसीबी 7 मैचों में 5 जीत और 10 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर आ चुकी है। तीसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स की टीम है, जिनके पास भी 7 मैच खेलने के बाद 5 जीत से 10 अंक हैं। इस मुकाबले में अपनी शानदार पारी के दम पर विराट कोहली ऑरेंज कैप की रेस में पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। इतने ही मुकाबले के बाद 4 जीत से 8 अंक लेकर सनराइजर्स हैदराबाद चौथे नंबर पर है, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 3 जीत हासिल करने के बाद पांचवें स्थान पर है।

बांग्लादेश की नाहिदा और शर्मिन पर आईसीसी आचार संहिता उल्लंघन का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के खिलाफ बुधवार को राजशाही में खेले गए दूसरे एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के अलग-अलग स्तर 1 के उल्लंघनों के लिए बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर और शर्मिन सुल्ताना पर उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। दोनों खिलाड़ियों को एक-एक डिमेरिट पॉइंट भी मिला है, जो पिछले 24 महीनों में उनका पहला ऐसा अपराध है। यह घटनाएँ खेल भावना और क्रिकेट के सम्मान को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करती हैं।

स्पिनर नाहिदा को श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू को 17वें ओवर में आउट करने के बाद एक एनिमेटेड सेंड-ऑफ देने के लिए दंडित किया गया था। इस तरह का व्यवहार अक्सर विपक्षी खिलाड़ी के प्रति असम्मानजनक माना जाता है और खेल की गरिमा के विरुद्ध होता है। दूसरी ओर, बल्लेबाज शर्मिन को बांग्लादेश की पारी के 16वें ओवर में एलबीडब्ल्यू आउट दिए जाने के बाद अपना असंतोष व्यक्त करने के लिए दंडित किया गया। उन्होंने मैदान से जाने में देरी की और फैसले से असहमति व्यक्त करते हुए अपने बल्ले की ओर इशारा किया, जो अंपायर के निर्णय पर सवाल उठाने के समान है।

मैच अधिकारियों ने इन उल्लंघनों को गंभीरता से लिया। आरोप ऑन-फील्ड अंपायरों एलोइस शेरिडन और रोकैया सुल्ताना, तीसरे अंपायर डॉली रानी सरकार और चौथे अंपायर शथिरा जाकिर जेसी द्वारा लगाए गए थे। एक औपचारिक सुनवाई से बचने के लिए, नाहिदा और शर्मिन दोनों ने अपने अपराधों को स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी सुप्रिया रानी दास द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को भी स्वीकार कर लिया। आईसीसी इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करता है, क्योंकि यह युवा खिलाड़ियों के लिए एक गलत उदाहरण स्थापित करता है और खेल की छवि को धूमिल करता है। यह घटनाएँ खिलाड़ियों को मैदान पर अपने आचरण के प्रति अधिक सचेत रहने की याद दिलाती हैं।

आरसीबी आक्रामक अंदाज में खेलती रहेगी : बोबाट

बेंगलुरु । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेट निदेशक मो बोबाट ने कहा है कि उनकी टीम इस सत्र में आगे भी आक्रामक रणनीति से ही खेलती रहेगी। बोबाट ने कहा कि कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में टीम जिस प्रकार से आगे बढ़ रही है उससे हम सभी उत्साहित हैं। कप्तान टीम की सभी योजनाओं को बेहतर तरीके से अमल में लाने में सफल हुए हैं। बोबाट ने कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी निडर होकर खेल रहे हैं और इसी कारण टीम को आगे भी सफल होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि हम आक्रामक क्रिकेट ही खेलते रहो मैं चाहता हूं कि हम साहसी बनें। बोबाट ने विशेष रूप से उन अवसरों पर ध्यान देने को कहा है जब साहस की सबसे अधिक जरुरत होती है। उनके अनुसार, ऐसे मौकों पर साहसी बनें जब सच में हिम्मत की जरूरत हो। जब मैच दांव पर लगा हो या हालात थोड़े कठि हो जाएं, अगर हम हर दौर में आक्रामक और साहसी बने रहें तो मुझे लगता है कि हम वैसा ही खेलेंगे जैसा हम खेलना चाहते हैं। यह टीम को हर प्रकार के हालातों में चाहे वह दबाव भरे हो या चुनौतीपूर्ण, अपनी स्वाभाविक आक्रामक शैली से न हटने को प्रेरित करता है। बोबाट ने पाटीदार को इस आक्रामक सोच का एक प्रमुख उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि पाटीदार टीम की रणनीति पर बने रहे हैं और मैदान पर लगातार आक्रामक तरीके से फैसले लेते रहे हैं। उन्होंनें कहा, हम अपनी रणनीति में आक्रामक तरीकों को प्राथमिकता देते हैं पर मैदान पर रजत को अपने फैसले स्वयं लेते हैं और वह इसमें काफी कुशल हो गये हैं। । पाटीदार की सबसे बड़ी खासियत उनका शांत स्वभाव है जिससे उनपर दबाव नहीं पड़ता है।। जब हालात थोड़े मुश्किल हो जाते हैं तो वह शांत रहने और अपनी सोची हुई योजनाओं पर टिके रहते हैं। बोबाट ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि बल्लेबाजी में पाटीदार का यह शांत और आक्रामक स्वभाव उन्हें आगे बढ़कर टीम की अगुवाई करने में बहुत अच्छा बनाता है।

विराट कोहली ने अभिषेक शर्मा से छीनी ऑरेंज कैप, आईपीएल 2026 में बने नंबर वन बल्लेबाज

नई दिल्ली ।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का रोमांच अपने चरम पर है, और हर गुजरते मैच के साथ ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस और भी दिलचस्प होती जा रही है। टूर्नामेंट के 34वें मुकाबले में जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) की टीमें आमने-सामने उतरीं, तो किसी ने नहीं सोचा था कि एक ही मैच के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में इतना बड़ा फेरबदल देखने को मिलेगा। इस मैच में विराट कोहली के बल्ले से निकली आतिशी पारी ने न केवल बेंगलुरु को एक महत्वपूर्ण जीत दिलाई, बल्कि किंग कोहली को एक बार फिर रनों के शिखर पर लाकर खड़ा कर दिया है, जिससे उन्होंने ऑरेंज कैप पर कब्जा कर लिया है। इस मैच के बाद आईपीएल 2026 की ऑरेंज कैप लिस्ट पूरी तरह बदल गई है। मैच से पहले जो विराट कोहली टॉप-5 से बाहर थे, अब वह सीधे पहले पायदान पर पहुंच गए हैं। विराट ने इस सीजन में अब तक 7 मैचों में 328 रन बना लिए हैं और वह फिलहाल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। विराट के ठीक पीछे सनराइजर्स हैदराबाद के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का नाम है। अभिषेक ने भी इस सीजन में अपनी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया है और वह 7 मैचों में 323 रनों के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हैं। उनके ही साथी और हैदराबाद के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 7 मैचों में 320 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। हैदराबाद के इन दो बल्लेबाजों और विराट कोहली के बीच रनों का अंतर बहुत कम है, जिससे आने वाले मैचों में यह जंग और भी रोचक होने वाली है। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 6 मैचों में 297 रनों के साथ चौथे नंबर पर आ गए हैं, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स के संजू सैमसन 7 मैचों में 293 रनों के साथ पांचवें पायदान पर खिसक गए हैं।

श्रीलंका को 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खिताबी दावेदार बनाना है लक्ष्य : कर्स्टन

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने अपना पद संभाल लिया है और श्रीलंकाई टीम को 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए तैयार करने की योजना भी बना ली है। कर्स्टन का कहना है कि वह एकदिवसीय विश्व कप के लिए एक ऐसी मजबूत टीम तैयार करना है, जो खिताब की दौड़ में एक प्रमुख दावेदार के तौर पर सामने आये। कर्स्टन ने टीम को बेहतर बनाने की अपनी रणनीति की जानकारी देते हुए कहा, हम सभी प्रारुप में टीम से बेहतर प्रदर्शन चाहते हैं क्योंकि आने वाले समय में विश्वकप के अलावा कई और मुकाबले भी हैं। । 2027 का एकदिवसीय विश्व कप अगले साल अक्टूबर और नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। श्रीलंका के लिए इसमें बेहतर प्रदर्शन करना आसान नहीं होगा। साल 2011 के बाद से टीम एक बार भी एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंच पाई है। वहीं कर्स्टन ने साफ कर दिया है कि उनकी प्राथमिकता सभी प्रारूपों के लिए एक सबसे संतुलित और सक्षम टीम तैयार करना है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस समय मेरी प्राथमिकता यही है, और मैंने इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। हमारा ध्यान अलग-अलग प्रारूपों में विभिन्न भूमिकाओं के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने पर केंद्रित है, जिससे टीम हर स्थिति में मजबूत दिख सके। इससे साफ है कि उका यह दिखाता है कि वह केवल एक-दिवसीय क्रिकेट पर नहीं, बल्कि सभी प्रारुपों के लिए बेहतर टीम तैयार करने पर जोर दे रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि श्रीलंका ने हाल ही में टी20 विश्व कप के कुछ मैचों में कुछ अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे यह पता चलता है कि खिलाड़ियों में काफी क्षमताएं मौजूद है। हमें बस इस क्षमता को निरंतरता में बदलने की जरूरत है, कर्स्टन ने जोर दिया। उनका मानना है कि सही मार्गदर्शन और दृढ़ता के साथ, श्रीलंकाई टीम निश्चित रूप से 2027 विश्व कप में अपना प्रभाव दिखा सकती है ।

राष्ट्रीय टीम से बाहर किए जाने पर खुशदिल शाह का फूटा गुस्सा, बोले- 700-800 रन बनाकर भी ड्रॉप किया

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज खुशदिल शाह राष्ट्रीय टीम में चयन न होने से गहरे हताश हैं। वर्तमान में पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स का प्रतिनिधित्व कर रहे खुशदिल ने हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और टीम प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए अपनी निराशा व्यक्त की। यह नाराजगी पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा के साथ एक बातचीत के दौरान सामने आई, जहां खुशदिल ने टीम से बाहर रखे जाने पर अपना पक्ष रखा। खुशदिल ने गुरुवार को लाहौर कलंदर्स के खिलाफ गद्दाफी स्टेडियम में कराची किंग्स को पांच विकेट से शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, जहां उन्होंने मात्र 14 गेंदों में 44 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली थी। इस मैच जिताऊ प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच के बाद खुशदिल शाह ने रमीज राजा से स्पष्ट शब्दों में कहा, मैं अन्य खिलाड़ियों से अलग हूँ। मैं न तो सोशल मीडिया पर सक्रिय रहता हूँ और न ही पुरानी बातों का रोना रोता हूँ कि मेरे साथ क्या गलत हुआ। मैंने हाल ही में पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 700-800 रन बनाए हैं, जिसमें एक दोहरा शतक और कई बड़ी पारियां शामिल हैं। इतने सब के बावजूद, मुझे टीम से ड्रॉप कर दिया गया। खुशदिल ने आखिरी बार सितंबर 2025 में यूएई के खिलाफ पाकिस्तान के लिए खेला था। उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए अब तक 15 वनडे और 38 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले में, लाहौर कलंदर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। उनके सलामी बल्लेबाज फखर जमां ने 41 गेंदों में 61 रन और अब्दुल्ला शफीक ने 36 गेंदों में 62 रन की शानदार पारियां खेलीं। मोहम्मद और सिकंदर रजा ने 18-18 रन का योगदान दिया, जबकि डेनियल सैम्स ने 20 और कप्तान शाहीन अफरीदी ने 10 रन बनाए। कराची किंग्स के लिए मोईन अली ने दो विकेट लिए, जबकि हसन अली और रिजवानुल्लाह को 1-1 विकेट मिला।

200 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी कराची किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जब डेविड वॉर्नर और जेसन रॉय सस्ते में आउट हो गए। रॉय 5 गेंद में 9 और रीजा हैंड्रिक्स 9 गेंद में 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। सलमान आगा ने 15 गेंद में 14 रन बनाए। हालांकि, मोईन अली ने 17 गेंद में 39 रन की दमदार पारी खेली और आजम खान ने 8 गेंद में 14 रन का योगदान दिया। कप्तान डेविड वॉर्नर ने

एक छोर संभाले रखा और 44 गेंदों में 9 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 63 रन बनाए। लेकिन यह खुशदिल शाह की विस्फोटक पारी थी, जिसने कराची किंग्स को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। लाहौर के लिए उबैद शाह ने तीन विकेट चटकाए, पर वे टीम को जीत नहीं दिला पाए। खुशदिल की यह पारी ऐसे समय में आई है जब वह राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह को लेकर जूझ रहे हैं, और उनके इस प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं पर निश्चित रूप से दबाव बढ़ा दिया है।

'स्टिल अलाइव' मेरे जीवन का सबसे सच्चा और दिल से बनाया गया काम है

स्टैंड अप कॉमेडी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुके समय रैना इन दिनों अपने कॉमेडी स्पेशल शो 'स्टिल अलाइव' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो को दुनिया भर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रहा है। साथ ही इसने एक ग्लोबल रिकॉर्ड भी बनाया है। दरअसल, यह शो अब दुनिया का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला फुल-लेंथ स्टैंड-अप कॉमेडी स्पेशल बन चुका है। इस पर समय रैना ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे सच्चा और दिल से बनाया गया काम है। 'स्टिल अलाइव' को 7 अप्रैल 2026 को रिलीज किया गया था। रिलीज होते ही इस शो ने इंटरनेट पर धमाल मचा दिया। महज 24 घंटे के अंदर इस कॉमेडी स्पेशल को 22 मिलियन से ज्यादा बार देखा गया। इतने कम समय में किसी फुल-लेंथ स्टैंड-अप शो के लिए ये व्यूज हासिल करना बड़ी उपलब्धि माना जाता है। इसके बाद यह शो लगातार रिकॉर्ड तोड़ता गया। रिलीज के एक हफ्ते के भीतर ही इसके व्यूज 48 मिलियन के पार पहुंच गए। अब यह आंकड़ा 53.4 मिलियन से ज्यादा हो चुका है। इसी के साथ यह दुनिया का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला स्टैंड-अप कॉमेडी स्पेशल बन गया है। इस पर समय रैना ने कहा, ''स्टिल अलाइव' दिल से बनाई सबसे ईमानदार चीज है। मैं हर एक व्यू का श्रेय उन लोगों को देता हूं, जिन्होंने कभी भी मेरा साथ नहीं छोड़ा।'

इस कॉमेडी स्पेशल में समय रैना ने अपनी जिंदगी के अनुभवों को बेहद खुलकर लोगों के सामने रखा है। शो में उन्होंने अपने संघर्ष, मुश्किल हालात और विवादों के बाद की जिंदगी को अपने खास अंदाज में पेश किया है। दरअसल, 'स्टिल अलाइव' उस बड़े विवाद के करीब एक साल बाद आया, जिसने समय रैना को सुर्खियों में ला दिया था। उनके शो 'इंडिया गॉट लेटेंट' के एक एपिसोड में पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया के एक कमेंट को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। हालांकि इन सब मुश्किलों के बावजूद समय रैना ने हार नहीं मानी। अगस्त 2025 में उन्होंने फिर से स्टेज पर वापसी की और 'स्टिल अलाइव एंज अनफिल्टर्ड' नाम से अपना नया टूर शुरू किया।

सारा अर्जुन ने दिल खोलकर की रणवीर सिंह की तारीफ

सारा अर्जुन ने 'धुरंधर' फ्रेचाइजी में यालीना की भूमिका से काफी सुर्खियां बटोरी हैं। हाल ही में उन्होंने रणवीर सिंह के साथ फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया। सारा अर्जुन ने बताया कि रणवीर से बेहतर को-स्टार कोई नहीं हो सकता। सारा के मुताबिक, रणवीर सिंह बतौर एक्टर सिर्फ अपनी भूमिका तक नहीं सीमित रहते, बल्कि पूरी फिल्म के बारे में सोचते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक एक्टर के तौर पर वे रणवीर की बहुत बड़ी फैन हैं।

'कभी बड़प्पन को हावी नहीं होने दिया'

सारा अर्जुन ने हाल ही में एक बातचीत में कहा, 'एक को-एक्टर के तौर पर रणवीर सिंह की बराबरी कोई नहीं कर सकता। वे सच में यह मानते हैं कि यह सिर्फ उनकी फिल्म नहीं, बल्कि सबकी फिल्म है। वे सिर्फ दूसरे एक्टर्स के साथ ही ऐसे नहीं हैं, बल्कि टेक्नीशियंस, स्पॉट बॉयज, क्रू के हर सदस्य और हर एक्टर के साथ उनका रवैया ऐसा ही रहता है। उन्होंने कभी भी अपनी सीनियरिटी को सुपीरियरिटी के तौर पर हावी नहीं होने दिया'।

रणवीर के समर्पण की कोई मिसाल नहीं

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'इसके अलावा एक एक्टर के तौर पर रणवीर सिंह, जिस तरह का काम करते हैं, उसे देखकर मैं हैरान रह जाती हूं। वे अपने काम में जिस तरह का डेडिकेशन है, उसकी कोई मिसाल नहीं है। इन्हीं सब वजहों से, एक को-एक्टर के तौर पर उनके साथ काम करने का मेरा अनुभव सबसे बेहतरीन रहा है। वह फिल्म के नतीजों को लेकर उतने ही प्रोटेक्टिव रहते हैं, जितना कोई बच्चा अपनी पसंदीदा चीज को लेकर प्रोटेक्टिव होता है'।

'धुरंधर 2' का बॉक्स ऑफिस

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में सारा अर्जुन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से रणवीर सिंह के लिए एक लंबा-चौड़ा नोट लिखा था। उन्होंने एक्टर की तारीफ में उन्हें निडर और एनर्जी से भरपूर ऐसा एक्टर बताया, जिसके अंदर सारी खूबियां हैं। बात करें फिल्म 'धुरंधर 2' के कलेक्शन की तो कल बुधवार को 35वें दिन इस फिल्म ने 1.70 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 1121.11 करोड़ रुपये हो चुका है।

संघर्ष के दौर ने आगे बढ़ने की हिम्मत दी

टीवी की दुनिया में जब भी कॉमेडी का नाम लिया जाता है, तो कीकू शारदा का चेहरा लोगों के सामने जरूर आता है। कभी 'पलक' बनकर तो कभी 'बंपर' और 'बच्चा यादव' के किरदार में उन्होंने दर्शकों को इतना हंसाया कि लोग उनके स्क्रीन पर आने का इंतजार करने लगे। उनकी कॉमिक टाइमिंग, मजेदार डांस और अलग अंदाज ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। आज भले ही कीकू शारदा टीवी और ओटीटी की दुनिया का बड़ा नाम बन चुके हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें मुंबई में अपना खर्च चलाने के लिए छोटी-मोटी नौकरियां करनी पड़ी थीं। संघर्ष के उसी दौर ने उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत दी। कीकू शारदा का असली नाम राघवेंद्र अमरनाथ शारदा है। कीकू पढ़ाई में भी अच्छे थे। उन्होंने ग्रेजुएशन करने के बाद मार्केटिंग में एमबीए की पढ़ाई पूरी की। परिवार चाहता था कि वह अच्छी नौकरी करें या बिजनेस में हाथ बंटाएं, लेकिन उनके दिल में एक्टिंग का सपना था। अपने सपनों को पूरा करने के लिए वह मुंबई आ गए। हालांकि मुंबई में शुरुआत आसान नहीं थी। यहां उन्हें लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा। काम न मिलने की वजह से उन्हें छोटी-मोटी नौकरी करनी पड़ीं, ताकि अपना खर्च चला सकें। करीब दो साल तक संघर्ष करने के बाद उन्हें छोटे-छोटे रोल मिलने शुरू हुए। साल 2003 में उन्हें बच्चों के मशहूर शो 'हातिम' में 'होबो' का किरदार निभाने का मौका मिला। इस किरदार ने उन्हें पहली पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कई टीवी शोज में काम किया, लेकिन असली सफलता उन्हें कॉमेडी शो 'एफआईआर' से मिली। इस शो में उन्होंने कॉन्स्टेबल मुलायम सिंह गुलगुले का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।

कीकू की जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ तब आया, जब वह 'कपिल शर्मा शो' से जुड़े। 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में उनका 'पलक' वाला किरदार लोगों के दिलों में बस गया। उनकी मजेदार बातें और अजीब डांस स्टेप्स देखकर दर्शक हंसते-हंसते लोटपोट हो जाते थे। इसके बाद 'द कपिल शर्मा शो' में उन्होंने 'बंपर', 'बच्चा यादव' और कई मजेदार किरदार निभाए। इन किरदारों ने उन्हें टीवी का बड़ा कॉमेडी स्टार बना दिया।

टीवी के अलावा कीकू शारदा फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। उन्होंने 'फिर हेरा फेरी', 'धमाल', 'रेस', 'हैप्पी न्यू ईयर', 'अंग्रेजी मीडियम' और 'जवानी जानेमन' जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी कॉमिक एक्टिंग को हर जगह पसंद किया जाता है।

पवन सिंह के नए गाने को मिला आम्रपाली का साथ

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह एक बार फिर अपने नए गाने के साथ तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। उनका गाना 'छिल देबू का' का टीजर रिलीज हो चुका है। मंगलवार को अभिनेत्री आम्रपाली दुबे भी गाने के सपोर्ट के लिए आगे आईं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर गाने का पोस्टर शेयर किया। पोस्टर में पवन सिंह अपनी सह-कलाकार प्रिया रघुवंशी के साथ नजर आ रहे हैं। आम्रपाली ने कैप्शन के जरिए गाने की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं और भरोसा जताया कि यह गाना चार्टबस्टर साबित होगा। आम्रपाली ने लिखा, 'जब पावर स्टार पवन सिंह की आवाज, खुशी कक्कड़ का साथ और प्रिया रघुवंशी की अदाएं एक साथ हों... तो गाना सुपरहिट तो होना ही है।' अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'गाने को पवन सिंह और खुशी कक्कड़ ने गाया है, जबकि इसके बोल आशुतोष तिवारी और निक्की निहाल ने लिखे हैं और संगीत प्रियांशु सिंह (मेलोडी मैन) ने तैयार किया है। 'छिल देबू का' का पूरा वीडियो बुधवार सुबह 6:30 बजे यूट्यूब पर रिलीज किया जाएगा।' टीजर में पवन सिंह का सिग्नेचर स्टाइल और प्रिया रघुवंशी के साथ उनकी केमिस्ट्री साफ नजर आ रही है। प्रियांशु सिंह के संगीत ने पहले ही लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया है।

पवन सिंह भोजपुरी सिनेमा से लेकर साउथ सिनेमा तक अपनी धाक जमा चुके हैं। हाल ही में पवन सिंह ने फिल्म डकैत के गाने 'टच बडी' में स्पेशल अपीयरेंस दी थी। गाने को पवन सिंह और जोनिता गांधी ने मिलकर गाया है जबकि लिरिक्स वायु श्रीवास्तव ने लिखे हैं और भीम्स सेसिरोलियो ने इसका संगीत तैयार किया है। गाना रिलीज होने के बाद पूरे भारत में खूब चर्चा में है। यह गाना फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' का दूसरा सिंगल है। फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज हो चुकी है। इसमें अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्मों के अलावा कारोबार में भी है इन अभिनेत्रियों का दबदबा

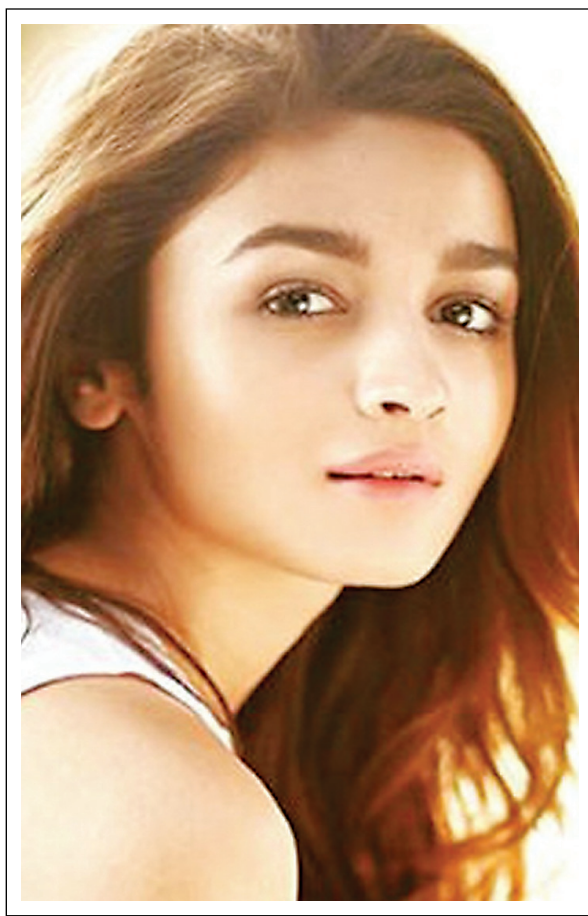

बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने अपनी जबरदस्त एक्टिंग से फिल्मी दुनिया में नाम कमाया है। कई ऐसी अभिनेत्रियां भी हैं, जिन्होंने बॉलीवुड के अलावा दूसरी इंडस्ट्रियों में काम करके अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है। इनमें से कई अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जिन्होंने एक्टिंग के अलावा कारोबार में भी हाथ आजमाया है और कामयाबी हासिल की है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने साल 2012 में फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी के लिए उन्हें नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला है। उन्होंने बच्चों के कपड़ों के एक ब्रांड की स्थापना की है। आलिया की इस पहल को समझदारी भरा निवेश माना जाता है।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा ने तमिल फिल्म 'थमिजान' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाया। उन्होंने हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। वह एक हेयर केयर ब्रांड की मालकिन हैं। उन्होंने हाल ही में न्यूयॉर्क में एक भारतीय रेस्टोरेंट भी खोला है। इससे पता चलता है कि अभिनेत्री एक कामयाब कारोबारी भी हैं।

सोनम कपूर

साल 2007 में फिल्म 'सांवरिया' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली अभिनेत्री सोनम कपूर भी एक कारोबारी हैं। उन्होंने अपनी बहन रिया के साथ मिलकर कपड़ों का एक ब्रांड बनाया है। अभिनेत्री को फिल्मों में काम करने के अलावा दूसरी चीजों का भी शौक है।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने 2006 में कन्नड़ फिल्म 'ऐश्वर्या' से एक्टिंग में डेब्यू किया। उन्होंने 2007 में 'ओम शांति ओम' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। उन्होंने एक ब्यूटी ब्रांड लॉन्च किया है। इस ब्रांड की भारत ही नहीं दुनियाभर में चर्चा है।

अनुष्का शर्मा

साल 2008 में अनुष्का शर्मा ने फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' से फिल्मों में डेब्यू किया। फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार भी जीता है। वह एक सफल कारोबारी भी हैं। वह एक प्रोडक्शन हाउस की सह-स्थापना हैं। इस प्रोडक्शन हाउस के तहत कई मशहूर सीरीज बनी हैं। भारत में वह एक सफल निर्माता के तौर पर उभरी हैं।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में आने वाली पीढ़ी के लिए सिगरेट पर रोक की तैयारी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की संसद ने एक नया बिल पास किया है, जिसके तहत 31 दिसंबर 2008 के बाद जन्मे लोग कभी भी सिगरेट नहीं खरीद पाएंगे। यह कानून लागू होने के बाद देश में धूम्रपान को कम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने इसे ऐतिहासिक फैसला बताया और कहा कि इससे लोगों की जान बचेगी और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव कम होगा। इस बिल के तहत वेपिंग (ई-सिगरेट) पर भी कई जगहों पर रोक लगाई जाएगी, जैसे स्कूल, पार्क और अस्पताल। हालांकि, लोग अपने घरों में धूम्रपान कर सकेंगे और कुछ खुले स्थानों पर भी इसकी अनुमति होगी। यह कदम ब्रिटेन को दुनिया के सबसे सख्त एंटी-स्मोकिंग देशों में शामिल कर सकता है।

अमेरिका में प्रदर्शन के दौरान अधिकारी पर हमला करने का आरोप

कोलोराडो, एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो में एक इमिग्रेशन अधिकारी पर एक महिला प्रदर्शनकारी के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। अधिकारी पर तीसरे दर्जे के हमले और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। घटना तब हुई जब लोग एक आईसीई केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। महिला ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने उसे पकड़कर गला दबाया और सड़क के दूसरी ओर फेंक दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। इस मामले की जांच कोलोराडो जांच ब्यूरो कर रही है। पुलिस ने इसे गंभीर मामला बताया है और आगे की कार्रवाई जारी है। यह घटना अमेरिका में पुलिस और जनता के बीच बढ़ते तनाव को भी दिखाती है।

भ्रष्टाचार के आरोपों में दक्षिण अफ्रीका के पुलिस प्रमुख निलंबित

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष पुलिस अधिकारी को गुरुवार को राष्ट्रपति द्वारा निलंबित कर दिया गया, उन पर कथित तौर पर भ्रष्ट पुलिस अनुबंध से संबंधित वित्तीय कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। फैनी मासेमोला मंगलवार को अदालत में पेश हुई और उनके साथ 12 अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी पेश होने वाले थे, जिन पर स्थानीय कंपनी को कथित तौर पर गैरकानूनी रूप से दिए गए अनुबंध के संबंध में धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग का संदेह है। मासेमोला पर लगे आरोप पुलिस सेवा में लेखा अधिकारी के रूप में उनकी जिम्मेदारियों से संबंधित हैं। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने गुरुवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि उन्होंने पुलिस सेवा में वित्तीय प्रबंधन सेवाओं के आयुक्त पुलेंग डिम्पाने को कार्यवाहक पुलिस आयुक्त नियुक्त किया है, जबकि मासेमोला पर मुकदमा चल रहा है। रामाफोसा ने कहा, 'मैंने जनरल मासेमोला से सहमति जताई है कि मामले के निष्कर्ष तक उन्हें एहतियाती निलंबन पर माना जाए।' उनका निलंबन देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद हुआ है, जिनका खुलासा पिछले साल रामाफोसा द्वारा नियुक्त एक जांच आयोग में हुआ था।

पाकिस्तान में गोलीबारी की घटनाओं में पांच की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में गोलीबारी की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम पांच लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा में संपत्ति विवाद और लंबे समय से चली आ रही दुश्मनी के चलते गुरुवार को अलग-अलग घटनाओं में कम से कम पांच लोग मारे गए और सात घायल हो गए। ये घटनाएं चारसद्दा जिले के खुबाई, गोंडा और शबकदर बाजार क्षेत्रों में हुईं, जहां सशस्त्र व्यक्तियों ने गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग हताहत हुए। घायलों को इलाज के लिए पास के चिकित्सा केंद्रों में ले जाया गया। शबकदर और बटग्राम थानों के पुलिस अधिकारियों ने मामले दर्ज कर घटनाओं की जांच शुरू कर दी है।

लुइसियाना के मॉल में गोलीबारी, एक की मौत ; पांच लोग घायल

लुइसियाना, एजेंसी। अमेरिका के लुइसियाना में एक मॉल में गोलीबारी की घटना सामने आई है। पुलिस ने बताया है कि मॉल के फूड कोर्ट के पास दो समूहों के बीच गोलीबारी हुई। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई, जबकि पांच लोगों के घायल होने की जानकारी पुलिस ने दी है। इससे पहले पुलिस ने 10 लोगों के घायल होने की जानकारी दी थी। लुइसियाना के गवर्नर ने गुरुवार को कहा कि बैटन रूज में मॉल ऑफ लुइसियाना में एक गोलीबारी की घटना हुई है। गवर्नर जेफ लैंड्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि मैं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ संपर्क में हूं और जैसे ही हमें अधिक जानकारी मिलेगी, हम आपको अपडेट करेंगे। कृपया उस क्षेत्र से दूर रहें। लैंड्री ने कहा कि वे और उनकी पत्नी पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए आभारी हैं।

ईरान ने खारिज किया ट्रंप का अंदरूनी मतभेद का दावा; ड्रोन हमले के बाद कुवैत एयरपोर्ट में लगी आग

तेहरान/वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघर गालिबाफ ने गुरुवार को देश के भीतर आंतरिक विभाजन के दावों को सख्ती से खारिज किया और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े बयानों का जवाब दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ईरान में किसी तरह का विभाजन नहीं है और सभी लोग एकजुट हैं तथा देश के नेतृत्व के प्रति वफादार हैं। उन्होंने लिखा कि ईरान में न तो कोई चरमपंथी है और न ही नरमपंथी, बल्कि सभी 'ईरानी' और 'क्रांतिकारी' हैं। गालिबाफ ने यह भी कहा कि देश बाहरी दबावों के बावजूद पूरी तरह एकजुट है और सरकार तथा जनता के बीच 'लोहे जैसी एकता' मौजूद है। उन्होंने इस्लामी गणराज्य के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के प्रति पूर्ण निष्ठा का भी जिक्र किया।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान किसी भी आक्रमण करने वाले को उसके कृत्यों पर पछताने पर मजबूर करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान का मार्ग एकता और जीत का मार्ग है, जिसमें एक अल्लाह, एक नेता और एक राष्ट्र शामिल हैं। यह बयान उस समय आया, जब ट्रंप ने पहले दावा किया था कि ईरान के नेतृत्व में कट्टरपंथियों और नरमपंथियों के बीच आंतरिक मतभेद और संघर्ष चल रहा है।

गुयाना का दावा: जब्त टैंकर गलत तरीके से उसके झंडे का इस्तेमाल कर रहा था दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना ने कहा है कि एशिया में अमेरिका द्वारा जब्त किया गया एक तेल टैंकर गलत तरीके से उसके देश का झंडा इस्तेमाल कर रहा था। यह टैंकर कथित तौर पर प्रतिबंधित ईरान के कच्चे तेल को ले जा रहा था, जिस कारण अमेरिका ने इसे जब्त किया। गुयाना के समुद्री प्रशासन विभाग ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि यह जहाज उनके देश में पंजीकृत (रजिस्टर्ड) नहीं है। इसलिए इसका गुयाना का झंडा दिखाना पूरी तरह गलत और धोखाधड़ी है। इस्राइली सेना का दावा- लेबनान में मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाया इस्राइल ने कहा कि उसने लेबनान में उस मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाकर हमला किया है, जिसने गुरुवार को इस्राइल की ओर मिसाइल दागी थी, जिसे इस्राइली एयर डिफेंस ने रोक दिया था। इस हमले की जिम्मेदारी हिजबुल्ला ने ली है। इस्राइल की ओर से यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि इस्राइल-लेबनान के बीच संघर्षविराम को तीन हफ्ते के लिए बढ़ा दिया गया है। हिजबुल्ला ने कहा कि उसने लेबनान के याते गांव पर हुए इस्राइली हमले के जवाब में इस्राइल पर रॉकेट दागे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस्राइली तोपखाने की गोलाबारी में एक बच्चे सहित दो लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि नबातिये क्षेत्र में इस्राइली हवाई हमले में तीन लोगों की मौत हुई। वहीं, इस्राइली सेना ने दावा किया कि उसने उन तीन लड़ाकों को मार गिराया है, जिन्होंने इस्राइली विमान पर मिसाइल दागी थी। ड्रोन हमले के बाद कुवैत के हवाई अड्डे पर लगी आग ड्रोन हमले के बाद कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आग लग गई। कुवैत के विमानन प्राधिकरण ने बताया कि ड्रोन ने हवाई अड्डे पर एक ईंधन टैंक को निशाना बनाया, जिससे यह आग लगी। हवाई अड्डा के प्रवक्ता अब्दुल्ला अल-राजही ने कुवैत न्यूज एजेंसी को बताया कि शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार नुकसान केवल संपत्ति तक सीमित है और कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने तुरंत आपातकालीन प्रक्रिया दी और दमकल दल व संबंधित एजेंसियां आग पर काबू पाने में जुटी हुई हैं। कुवैत ने अपना हवाई क्षेत्र फिर से खोला फरवरी के अंत में अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद कुवैत ने पहली बार अपना हवाई क्षेत्र फिर से खोल दिया है। कुवैत के विमानन प्राधिकरण के महानिदेशक हमूद मुबारक ने सरकारी समाचार एजेंसी केयूएनए को बताया कि कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का हवाई क्षेत्र गुरुवार से फिर से खोल दिया गया है। इसे 28 फरवरी से क्षेत्र की स्थिति के कारण अस्थायी और एहतियाती तौर पर बंद किया गया था। उन्होंने कहा कि यह कदम एक चरणबद्ध योजना का हिस्सा है, जिसके तहत धीरे-धीरे हवाई यातायात बहाल किया जा रहा है, ताकि आने वाले समय में हवाई अड्डे का संचालन पूरी तरह सामान्य किया जा सके। मुबारक ने यह भी बताया कि हवाई अड्डे की कुछ सुविधाओं को ईरान और उससे जुड़े सशस्त्र समूहों के हमलों से जो नुकसान हुआ था, उसका आकलन पूरा कर लिया गया है।

अमेरिकी वॉर कॉलेज के हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए भारतीय सेना प्रमुख

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अमेरिका के आर्मी वॉर कॉलेज कार्लाइल बैरक्स के अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। भारतीय सेना ने शुक्रवार को इसे उनकी सैन्य सेवा और नेतृत्व का महत्वपूर्ण सम्मान बताया। जनरल द्विवेदी इस सम्मान को पाने वाले तीसरे भारतीय सेना प्रमुख बन गए हैं। इससे पहले जनरल वी.के. सिंह और जनरल बिक्रम सिंह को यह गौरव मिल चुका है।

भारतीय सेना ने किया ट्वीट : भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा पोस्ट में लिखा, 'जनरल उपेंद्र द्विवेदी, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने आर्मी वॉर कॉलेज कार्लाइल बैरक्स, यूएसए का दौरा किया, जहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। यह सम्मान पाने वाले वह तीसरे भारतीय सेना प्रमुख हैं। पोस्ट में आगे कहा गया कि सेना प्रमुख ने वॉर कॉलेज की फैकल्टी और अंतरराष्ट्रीय सैन्य अधिकारियों को नेतृत्व, पेशेवर सैन्य शिक्षा और बदलते सुरक्षा परिदृश्य पर संबोधित किया। ख्रुष्ट के फेलो और इस प्रतिष्ठित संस्थान के पूर्व छात्र रहे जनरल द्विवेदी ने कॉलेज की प्रमुख सुविधाओं का दौरा किया और शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें पैनल चर्चा, शोध

परियोजनाओं की समीक्षा और संस्थान के विशेषज्ञों से संवाद शामिल रहा।

दूतावास ने कहा- भारत अमेरिका में बढ़ रही रणनीतिक साझेदारी : इससे पहले सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने वॉशिंगटन में इंडिया हाउस में जनरल उपेंद्र द्विवेदी की मेजबानी की। भारतीय दूतावास ने बताया कि यह दौरा हाल ही में नौसेना और वायु सेना प्रमुखों की यात्राओं के बाद हो रहा है, जो भारत-अमेरिका के बीच उच्चस्तरीय सैन्य सहयोग को दर्शाता है। दूतावास के अनुसार, रक्षा सहयोग भारत-अमेरिका वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का एक अहम स्तंभ है और ऐसे दौरे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के साथ-साथ मुक्त, खुले और समृद्ध हिंद प्रशांत क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में सहायक होंगे। इससे पहले, जनरल द्विवेदी को हवाई स्थित फोर्ट शाफ्टर में यूएस आर्मी पैसिफिक के दौरे के दौरान गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

जब तक ईरान समझौते पर सहमत नहीं हो जाता, तब तक अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट पर दबदबा बनाए रखेगा : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जब तक ईरान कोई समझौता नहीं करता, तब तक अमेरिका स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अपना नियंत्रण बनाए रखेगा। उन्होंने साफ कहा कि इस अहम तेल मार्ग को दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ट्रंप ने कहा, 'इस पर हमारा पूरा नियंत्रण है। यह रास्ता तभी खुलेगा जब वे कोई समझौता करेंगे या फिर कोई और सकारात्मक स्थिति बनेगी।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस रास्ते को बंद रखने का मकसद ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव डालना है। ट्रंप बोले, 'अगर हम यह रास्ता खोल देते हैं, तो ईरान रोज़ाना करीब 500 मिलियन डॉलर कमाएगा। जब तक मामला सुलझ नहीं जाता, मैं नहीं चाहता कि वे इतना पैसा कमाएं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ एक संकरा समुद्री रास्ता है, जो खाड़ी के तेल उत्पादक देशों को दुनिया के बाजारों से जोड़ता है। यहां किसी भी तरह की रुकावट से तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव आता है और सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ जाती है। ट्रंप ने माना कि इसका असर आम लोगों पर भी पड़ सकता है। ईंधन की कीमतों को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'थोड़े समय के लिए असर होगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि बाजार अभी स्थिर हैं। ट्रंप बोले, 'शेयर बाजार अपने उच्चतम स्तर पर है। मुझे लगा था कि तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और कीमतें उम्मीद से काफी अलग हैं। प्रशासन ने कहा कि देश में ज्यादा उत्पादन होने से स्थिति संभली हुई है। ट्रंप ने बताया, 'हम इस समय अपने इतिहास में सबसे ज्यादा तेल और गैस का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'जब तक यह रास्ता बंद है, दुनिया भर से जहाज टेक्सास, लुइसियाना और अलास्का आ रहे हैं, ताकि अमेरिका से तेल ले सकें।' ट्रंप ने इस पूरे दबाव को सुरक्षा से भी जोड़ा। उन्होंने कहा, 'हम उन्हें परमाणु हथियार नहीं रखने दे सकते।' उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इस मामले का हल जल्दी नहीं निकलेगा। ट्रंप ने कहा, 'मुझे कोई जल्दबाजी नहीं है, हमारे पास काफी समय है।' इससे साफ है कि तेल के सीमित प्रवाह के कारण ईरान पर दबाव बढ़ता जाएगा।

ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच युद्ध विराम को तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच युद्ध विराम को तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने की घोषणा की। इसके साथ ही इसे एक 'ऐतिहासिक' कदम बताया और वाशिंगटन में दोनों पक्षों के बीच संभावित सीधी बातचीत का संकेत दिया। यह फैसला ओवल ऑफिस में हुई एक बैठक के बाद सामने आया, जिसमें दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। अमेरिका में लेबनान की राजदूत नादा हमादेह मोवाद और इजरायल के राजदूत येचिएल लीटर बैठक में शामिल थे। ट्रंप ने कहा, 'वे तीन सप्ताह के अतिरिक्त युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं, अब और गोलीबारी नहीं होगी। दोनों देशों के नेता आने वाले सप्ताह में वाशिंगटन का दौरा कर सकते हैं।' उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस कदम को 'एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक क्षण' बताया

और दोनों पक्षों को एक साथ लाने का श्रेय राष्ट्रपति की सीधी भागीदारी को दिया। उन्होंने कहा कि इस विस्तार से दोनों देशों को दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए अवसर मिलेगा। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि इजरायल और लेबनान दोनों को हिजबुल्लाह को लेकर एक जैसी सुरक्षा चिंता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दोनों देश एक ही आतंकवादी संगठन के शिकार हैं, और आशा व्यक्त की कि युद्धविराम से दोनों देशों के बीच स्थायी शांति स्थापित हो सकती है। इजरायली राजदूत येचिएल लीटर ने कहा कि इजरायल शांति और नागरिकों की सुरक्षा चाहता है। दोनों सरकारें एकजुट हैं और हिजबुल्लाह के प्रभाव से देश को मुक्त कराना चाहती हैं। लेबनान की राजदूत नादा हमादेह मोवाद ने अमेरिकी समर्थन का स्वागत करते हुए कहा, 'आपकी मदद और समर्थन से हम लेबनान को फिर से स्थिर बना सकते हैं। ट्रंप ने युद्धविराम के प्रयास को व्यापक क्षेत्रीय कूटनीति से जोड़ा, जिसमें ईरान से संबंधित अमेरिकी प्रयास भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'इजरायल-लेबनान वार्ता, उन कुछ मुद्दों की तुलना में आसान होनी चाहिए जिन पर हम काम कर रहे हैं। दोनों पक्ष एक साझा खतरे के खिलाफ एकजुट हैं।' ट्रंप ने दोहराया कि हमले की स्थिति में इजरायल को जवाबी कार्रवाई का अधिकार है। उन्होंने कहा, 'इजरायल को अपनी रक्षा करनी होगी और वे करेंगे। कोई भी जवाबी कार्रवाई 'सतर्क' और 'सटीक' होगी। राष्ट्रपति ने यह भी संकेत दिया कि सऊदी अरब जैसे क्षेत्रीय देश भविष्य की वार्ताओं में भूमिका निभा सकते हैं। सऊदी अरब 'इससे बहुत खुश होगा' और शांति प्रयासों का समर्थन करेगा।

ट्रंप ने लेबनान में स्थिरता की संभावनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बहुत अच्छी संभावना है कि वार्ता बहुत जल्दी फिर से शुरू हो सकती है। यह युद्धविराम विस्तार इजरायल-लेबनान सीमा पर लगातार तनाव के बीच हुआ है, जहां हिजबुल्लाह एक प्रमुख सशस्त्र समूह बना हुआ है। ईरान समर्थित यह समूह लंबे समय से क्षेत्रीय संघर्षों का केंद्र रहा है और इसे संयुक्त राज्य अमेरिका और इजरायल द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक अगले हफ्ते करेंगी भारत का दौरा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक अगले हफ्ते भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगी। यह जानकारी उनकी प्रवक्ता ला नीस कॉलिन्स ने दी। प्रवक्ता ला नीस कॉलिन्स ने बताया कि भारत सरकार के निमंत्रण पर अपनी इस यात्रा के दौरान, बेयरबॉक अधिकारियों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। वह भारत में संयुक्त राष्ट्र की टीम से भी मिलेंगी, जिसका नेतृत्व रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर स्टीफन प्रीसनर कर रहे हैं। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की फरवरी में नई दिल्ली में 'एआई इम्पैक्ट समिट' में शामिल होने के बाद यह भारत में संयुक्त

राष्ट्र की दूसरी उच्च-स्तरीय यात्रा है। बेयरबॉक पहले भी भारत की यात्रा कर चुकी हैं। जर्मनी की विदेश मंत्री के तौर पर अपनी एक यात्रा के दौरान उन्होंने भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए दिल्ली मेट्रो में भी सफर किया था। हालांकि, महासभा की अध्यक्ष के तौर पर यह एनालेना बेयरबॉक की पहली भारत यात्रा है। भारत के बाद बेयरबॉक चीन की यात्रा पर जाएंगी। 2022 में मंत्री के तौर पर अपनी पहली यात्रा के दौरान उन्होंने कहा था, 'चाहे वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र हो या उससे बाहर, इसमें कोई शक नहीं कि 21वीं सदी की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने में भारत एक अहम भूमिका निभाएगा।' उन्होंने आगे कहा कि भारत ने 15 सालों में 40 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, जो यह दिखाता है कि एक बहुलवादी समाज, स्वतंत्रता और लोकतंत्र ही आर्थिक विकास, शांति और स्थिरता के वाहक हैं। उस यात्रा के दौरान हिंद-प्रशांत क्षेत्र चर्चा का मुख्य विषय रहा था। उन्होंने कुशल कर्मियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए 'प्रवासन और गतिशीलता समझौते' पर हस्ताक्षर किए थे। वह 2024 में जर्मनी-भारत के बीच सातवें अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) के लिए भारत आए चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ थीं। इसका मूलमंत्र था, 'नवाचार, गतिशीलता और स्थिरता के साथ मिलकर आगे बढ़ना।' जर्मनी जी-4 का सदस्य है। इस समूह में भारत के अलावा ब्राजील और जापान भी शामिल हैं। यह समूह सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यों को शामिल करके उसमें सुधार करने की वकालत करता है। ये चारों देश एक सुधारित सुरक्षा परिषद में स्थायी सीटों के लिए एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।

आरएसएस और भारत को लेकर अमेरिका में गलत धारणा', दत्तात्रेय होसबाले का बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि आरएसएस भारत की प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों से प्रेरित एक जन-आधारित स्वैच्छिक संगठन है। इसे आम तौर पर हिंदू संस्कृति के रूप में जाना जाता है। उन्होंने बताया कि संगठन चरित्र, आत्मविश्वास और सेवा की भावना वाले स्वयंसेवक तैयार करने के लिए रोजाना और साप्ताहिक एक घंटे की साखाएं चलाता है। इनके माध्यम से जीवन मूल्य सिखाए जाते हैं और समाज के लिए इंसान को तैयार किया जाता है। इसके साथ ही संगठन प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत कार्य भी करता है। संगठन से जुड़े स्वयंसेवकों ने 40 नागरिक संस्थाएं भी बनाई हैं। 'अमेरिका में आरएसएस और भारत को लेकर गलत धारणा' अमेरिकियों को आरएसएस के बारे में क्या गलतफहमी है, इस पर आरएसएस महासचिव होसबाले ने कहा, अमेरिकियों की गलतफहमी केवल आरएसएस के बारे में नहीं है। भारत के बारे में भी है। अमेरिका की गलतफहमी यह है कि यह (भारत) अधिक जनसंख्या वाला, झुग्गियों से भरा, गरीबी वाला देश है और इसे सांप-सपेरों, झुग्गियों और साधुओं की भूमि माना जाता है। जबकि भारत एक तकनीकी केंद्र भी है और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ये बातें आम अमेरिकी धारणा में कहीं न कहीं छूट जाती हैं। आरएसएस के बारे में भी जो धारणा बनाई गई है, चाहे जानबूझकर या अनजाने में या

किसी एजेंडे के हिस्से के रूप में, वह यह है कि आरएसएस हिंदू श्रेष्ठतावादी है और किसी तरह ईसाई-विरोधी, अल्पसंख्यक-विरोधी, महिलाओं के विकास का विरोधी और आधुनिकता का विरोधी है। जो सकारात्मक बातें हैं, वह हमेशा नहीं बताई जाती। 'हिंदुओं का श्रेष्ठता का स्वभाव नहीं' कार्यक्रम में उनसे सवाल किया गया कि इस विचार को कि आरएसएस एक हिंदू श्रेष्ठतावादी संगठन है, आप कैसे चुनौती देंगे, इस पर होसबाले ने कहा, हिंदू दर्शन और संस्कृति हमेशा खुद को दूसरों से अधिक श्रेष्ठ मानने की नहीं हैं। हम हर किसी में एक जैसे देखते हैं, चाहे वह सजीव हो या निर्जीव। जब यह हिंदुओं का मूल दर्शन है, तो हिंदुओं का श्रेष्ठता का स्वभाव नहीं हो सकता। इतिहास में, हिंदुओं ने कभी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया या किसी को गुलाम नहीं बनाया। हिंदुओं के माफी मांगने के लिए कुछ नहीं है। 'सांस्कृतिक मूल्य और आधुनिकता एक-दूसरे के विपरीत नहीं' होसबाले ने कहा, आधुनिकता और सांस्कृतिक मूल्य साथ-साथ चल सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि सांस्कृतिक मूल्य और आधुनिकता एक-दूसरे के विपरीत दिशा में जाते हैं। सनातन का मतलब शाश्वतता है।

ट्रंप ने दवाओं की कीमतों में रिकॉर्ड कटौती का किया दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पर्चे वाली दवाओं की कीमतों को कम करने के लिए प्रमुख फार्मास्युटिकल कंपनियों के साथ व्यापक समझौतों की घोषणा की और इसे 'हमारे देश के इतिहास में दवाओं की कीमतों में सबसे बड़ी कटौती' बताया।

व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि प्रमुख कंपनियों में से एक रीजेनेरॉन, 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' कीमतों पर दवाएं देने के लिए सहमत हो गई है। उन्होंने कहा, 'कीमतें ऐसे स्तर तक गिरेंगी, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया।' उन्होंने कहा, 'इस घोषणा के साथ, दुनिया की 17 सबसे बड़ी फार्मास्युटिकल कंपनियाँ, जो ब्रांडेड दवाओं के बाजार के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करती हैं, अब अमेरिकी मरीजों को दुनिया में कहीं भी मिलने वाली सबसे कम कीमतों पर अपनी दवाएं बेचने के लिए सहमत हो गई हैं।' ट्रंप ने तर्क दिया कि अमेरिकी लंबे समय से अत्यधिक कीमतें चुकाते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'दशकों से अमेरिकियों को पर्चे वाली दवाओं के लिए दुनिया में सबसे ज्यादा कीमतें चुकाने के लिए मजबूर किया गया है। स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने इस कदम का समर्थन करते हुए इसे लंबे समय से जारी 'लूट' के खिलाफ कार्रवाई बताया।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका, जो 'दुनिया की आबादी का 4.2 प्रतिशत' है, फार्मास्युटिकल उद्योग के '75 प्रतिशत मुनाफे' का स्रोत रहा है। सेंटर्स फॉर मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विसेज के प्रशासक मेहमत ओज़ ने कहा कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य दवाओं को सस्ता बनाना है। उन्होंने कहा, 'हर तीन में से एक अमेरिकी...अक्सर बिना दवा लिए ही लौट जाता है क्योंकि वह दवाएं खरीदने में सक्षम

नहीं होता। प्रशासन ने कुछ खास कीमतों में कटौती का भी उल्लेख किया, जिसमें एक कोलेस्ट्रॉल की दवा की कीमत '537 डॉलर से घटकर 225 डॉलर' और एक वजन घटाने की दवा की कीमत '1,350 डॉलर प्रति माह से घटकर 199 डॉलर प्रति माह तक' होने की बात कही गई। रीजेनेरॉन के सीईओ लियोनार्ड श्लाइफ़र ने कहा कि कंपनी वैश्विक मूल्य संतुलन के प्रयासों का समर्थन करती है। उन्होंने कहा, 'हमें यहां आने के लिए मजबूर नहीं किया गया। हम यहां आकर खुश हैं क्योंकि यह दवाओं की कीमतें कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी ने एक दुर्लभ प्रकार के बहरापन के लिए जीन थेरेपी की भी घोषणा की, जिसे पात्र बच्चों को कुछ समय तक मुफ्त प्रदान किया जाएगा। जॉर्ज यानकोपोलोस ने इस उपचार को 'अपने तरह की पहली जीन थेरेपी... जिससे ट्रैविस अब अपनी माँ की आवाज सुन सकता है' बताया। सिएरा स्मिथ, जिनके दो साल के बेटे को यह थेरेपी दी गई, ने इस परिणाम को 'बेहद अद्भुत' बताया और कहा, 'अब वह सुन सकता है... यह जीवन बदल देने वाला है। वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक ने कहा कि यह नीति घरेलू विनिर्माण से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, 'इसका मतलब है कि 448 अरब डॉलर का दवा निर्माण अमेरिका में आएगा।' व्हाइट हाउस ने कहा कि ये समझौते अब ब्रांडेड फार्मास्युटिकल बाजार के लगभग 86 प्रतिशत हिस्से को कवर करते हैं और आगे भी बातचीत जारी है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.